ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हमने जनता को कार्यक्रम में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-281

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ का व्यापार समझौता लागू

भारत में होगा 8884000 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) आधिकारिक तौर पर एक अक्टूबर 2025 से लागू हो गया है। इससे आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड के साथ आर्थिक सहयोग के एक नए युग की शुरुआत हुई है। 10 मार्च 2024 को नई दिल्ली में इस समझौते पर हस्ताक्षर हुआ था।

ईएफटीए ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ यूरोप के 3 आर्थिक संगठनों में एक हैं। भारत और ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता अर्थव्यवस्था की मजबूती की दिशा में निर्णायक साबित होगा। इससे 15 वर्षों में भारत में 8,884,000 करोड़ रुपए का दीर्घकालिक निवेश होगा। साथ ही 10 लाख से ज्यादा रोजगार मिलेंगे। इस समझौते से अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर यानी 8 लाख 88 हजार 4 सौ करोड़ रुपए का निवेश होगा। साथ ही 10 लाख से ज्यादा सीधा रोजगार मिलेगा। इसके अलावा इससे जुड़े अप्रत्यक्ष रोजगार अलग होंगे। यह इन चार विकसित यूरोपीय देशों के साथ भारत का पहला मुक्त व्यापार समझौता है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच व्यापारिक समझौतों की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

भारतीयों को मिलेंगे 10 लाख रोजगार

चार यूरोपीय देशों, आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड का ये संगठन व्यापार के दृष्टिकोण से काफी अहम है। इसकी स्थापना 1960 में सदस्यों के बीच मुक्त व्यापार और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। यूरोप में यूके और यूरोपीय संघ के बाद ईएफटीए अहम संगठन माना जाता है। संगठन यूरोपीय संघ का हिस्सा नहीं हैं। चारों विकसित देश अपनी मजबूत अर्थव्यवस्थाओं, उच्च जीवन स्तर और इनोवेशन के लिए मशहूर हैं। इस समूह में मौजूद स्विट्ज़रलैंड पहले से ही भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। उसके बाद नॉर्वे का स्थान आता है। इस समझौते से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को नया बाजार मिलेगा। साथ ही अत्याधुनिक तकनीक और निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। ▶10 पर

मिस्र में होगी गाजा शांति शिखर वार्ता, 20 देशों के प्रमुख आएंगे

अमेरिका और मिस्र के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को भेजा न्यौता

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने गाजा शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। दोनों नेता सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले हैं। 13 अक्टूबर 2025 को मिस्र के शर्म अल शेख में यह वार्ता होगी। खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इसमें शामिल होंगे। इसके अलावा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी सम्मेलन में आने की पुष्टि कर दी है।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह कर सकते हैं प्रतिनिधित्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 13 अक्टूबर को मिस्र में होने वाले गाजा शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण मिला। गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए मिस्र में शांति शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मिस्र के राष्ट्रपति ने कहा, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य गाजा पट्टी में युद्ध को समाप्त करना, मध्य पूर्व में शांति और स्थिरता लाने के प्रयासों को बढ़ाना और क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के नए चरण की शुरुआत करना है। यह शिखर सम्मेलन क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दृष्टिकोण और दुनिया भर में संघर्षों को समाप्त करने के उनके निरंतर किए गए प्रयासों में एक है। मिस्र के राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने बताया कि शांति शिखर वार्ता में 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख भाग लेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि यह सम्मेलन उस समय हो रहा है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं और चाहते हैं कि दुनिया के तमाम हिस्सों में चल रहे युद्धों का अंत हो। शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री कार्यालय से अभी तक कोई ▶10 पर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम का धमाकेदार बयान

स्वर्ण मंदिर पर हुआ ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत था

कसौली (हिमाचल), 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री एवं मौजूदा सांसद पी चिदंबरम ने अपने धमाकेदार बयान में कहा कि अमृतसर के स्वर्ण पर हुआ ऑपरेशन ब्लू स्टार का तरीका गलत था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।

कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने 1984 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार की आलोचना की और इसे गलत तरीका बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। शनिवार को खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव 2025 में बोलते हुए पूर्व केंद्रीय गृह और वित्त मंत्री ने कहा कि सिख पूजा स्थल से सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने के लिए ऑपरेशन ब्लैक थंडर सही तरीका था।

पी चिदंबरम ने कहा कि जून 1984 का

इंदिरा गांधी को जान देकर गलती की कीमत चुकानी पड़ी

ऑपरेशन ब्लू स्टार सेना, पुलिस, खुफिया और सिविल सेवाओं का एक संचयी निर्णय था। उन्होंने कहा कि यहां किसी भी सैन्य अधिकारी का कोई अनादर नहीं है, लेकिन वह (ब्लू स्टार) स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का गलत तरीका था। कुछ साल बाद, हमने सेना को बाहर रखकर स्वर्ण मंदिर को पुनः प्राप्त करने का सही तरीका दिखाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आप इसके लिए केवल इंदिरा गांधी को दोषी नहीं ठहरा सकते।

उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार 1 जून से 10 जून 1984 तक चला 10 दिनों का सैन्य अभियान था। 6 जून 1984 को पंजाब में जरनैल सिंह भिंडरावाले के नेतृत्व में सिख उग्रवाद को रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदेश पर ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत भारतीय सेना ने स्वर्ण मंदिर में धावा बोला था। खबर थी कि भिंडरावाले ने स्वर्ण मंदिर परिसर में भारी मात्रा में हथियार छिपा रखे थे। भिंडरावाले कट्टरपंथी सिख संगठन दमदमी टकसाल का प्रमुख था। जून 1984 में स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए भारतीय सेना द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान वह अपने सशस्त्र अनुयायियों के साथ मारा गया था। ▶10 पर

एयरबेस में 12 साल से रह रहे थे बांग्लादेशी घुसपैठिए

ग्वालियर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित महाराजपुरा एयरफोर्स स्टेशन से आठ बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए। ये घुसपैठिए पिछले 12 साल से वायुसेना के एयरबेस में छिपकर रह रहे थे। बांग्लादेशी घुसपैठिए यहां किराए के मकान में रह रहे थे। हरियाणा पुलिस की इनपुट पर इन्हें पकड़ा गया। हरियाणा पुलिस ने एक हफ्ते पहले पानीपत से कुछ बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े थे। इन लोगों से पूछताछ के बाद ग्वालियर के एयरबेस में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की गई। पुलिस के मुताबिक, ये सब आपस में रिश्तेदार हैं।

हरियाणा पुलिस ने फौरन मध्य प्रदेश पुलिस को इसकी सूचना दी। साथ ही हरियाणा पुलिस की एक टीम भी मध्य प्रदेश पहुंच गई। साझा छापामारी करके इन बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ लिया गया। ये लोग महाराजपुरा एयरबेस के इलाके में पिछले 12 साल से रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए बांग्लादेशी घुसपैठिए एक ही परिवार से हैं। इनके नाम 40 वर्षीय मोहम्मद शरीफ, 25 वर्षीय सीलिमा, 14 वर्षीय रफीक, चुमकी, अदोरी, आशिक, रातुल शेख और उजा हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि ये सभी बांग्लादेश के जैसोर के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि सबसे पहले मोहम्मद शरीफ का पिता भारत आया था। नूर की बावड़ी में गिरकर उसकी मौत हो गई। ▶10 पर

गुजरात विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

आत्मनिर्भर भारत बनाना राष्ट्रीय प्राथमिकता है

अहमदाबाद, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में युवाओं से नेशन फर्स्ट की भावना के साथ मेड इन इंडिया उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत बनाना राष्ट्रीय प्राथमिकता है और शिक्षा जीवनभर सीखने की प्रक्रिया है। राष्ट्रपति ने देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ मेड इन इंडिया उत्पादों को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाएं। राष्ट्रपति मुर्मू ने अहमदाबाद के आश्रम रोड स्थित गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह विश्वविद्यालय महात्मा गांधी द्वारा स्थापित किया गया था। समारोह में 713 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। राष्ट्रपति ने बताया कि महात्मा गांधी स्वयं 1920 से 1948 तक इस विद्यापीठ के कुलाधिपति रहे। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को अग्रणी बनाने में योगदान दें। राष्ट्रपति ने कहा, भारत को आत्मनिर्भर बनाना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है। आप सभी को स्वदेशी अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और राष्ट्र प्रथम की भावना से मेड इन इंडिया उत्पादों को प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने विद्यापीठ के आदर्श वाक्य सत्येना विमुक्तिः (ज्ञान ही हमें मुक्त करता है) का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार पाना नहीं होना चाहिए। शिक्षा एक आजीवन प्रक्रिया है। व्यक्तित्व विकास, समाज की प्रगति और देशहित के लिए आपको ज्ञान प्राप्त करते रहना चाहिए। ▶10 पर

राष्ट्रपति ने युवाओं से की स्वदेशी अपनाने की अपील

राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उतारे 3 प्रत्याशी

श्रीनगर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भाजपा ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने मुस्लिम नेता गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सतपाल शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। इनमें गुलाम मोहम्मद मीर के नाम को लेकर काफी पहले से चर्चा चल रही थीं। वे जम्मू-कश्मीर के एक प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक चेहरा हैं। वे श्रीनगर सीट से सांसद रह चुके हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। पार्टी ने गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सत पॉल शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है। सतपाल शर्मा भाजपा के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। पार्टी के राज्य प्रमुख के रूप में उनका पहला कार्यकाल 2015 से 2018 तक रहा। वह 2018 में पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के मंत्रिमंडल का भी हिस्सा थे। राकेश महाजन राज्य भाजपा इकाई के उपाध्यक्ष हैं। गुलाम मोहम्मद मीर पिछले साल हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में हंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार थे। उन्हें नेशनल कॉन्फ्रेंस के सज्जाद गनी लोन से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने भी आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की थी। ▶10 पर

हमारा दिल बड़ा, पाकिस्तान से पूछो उसका छोटा क्यों है?

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने कहा, हमारा दिल बहुत बड़ा है, पाकिस्तान से पूछिए उसे क्या दिक्कत है। मुत्तकी ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच तनाव और भारत-अफगानिस्तान की बढ़ती नजदीकी से संबंधित कई सवालों के जवाब दिए। मुत्तकी ने कहा कि अगर पाकिस्तान को शांति चाहिए, तो अपनी जमीन पर मौजूद आतंकी समूहों को काबू में क्यों नहीं कर पा रहे? अपने ही लोगों को खतरे में डालकर कुछ खास लोगों को ▶10 पर

पाकिस्तान ने एनएसई पर किए थे करोड़ों साइबर हमले

एनएसई ने नाकाम किए थे 40 करोड़ साइबर हमले

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 40 करोड़ साइबर हमले किए गए, लेकिन एक भी कामयाब नहीं हुए। भारत की अर्थव्यवस्था के ढांचे को नुकसान पहुंचाने के लिए पाकिस्तान, चीन और तुर्की ने मिल कर ये साइबर हमले कराए, लेकिन उनमें से एक भी हमला कामयाब नहीं हुआ। पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनएसई ने एक दिन में ही रिकॉर्ड 40 करोड़ से ज्यादा साइबर हमले झेले। हालांकि, हमलावर एनएसई को कोई भी नुकसान नहीं पहुंचा सके। एक्सचेंज के तकनीकी ढांचे, मशीनों और विशेषज्ञों की टीम ने सभी हमलों को निष्क्रिय कर दिया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हर दिन करीब 17 करोड़ साइबर हमले किए जाते हैं, लेकिन इनसे सुरक्षा के लिए एक खास टीम दिन-रात निगरानी करती है। इनसे निपटने के लिए एक्सचेंज में 24 घंटे सक्रिय साइबर वॉरियर्स की टीम तैनात है जो हमलों को तुरंत पहचानकर रोक देती है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनएसई ने एक दिन में रिकॉर्ड 40 करोड़ हमले झेले थे। एनएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एनएसई पर हर दिन लाखों साइबर हमले होते हैं, लेकिन हमारी टेक्निकल टीम और उन्नत सिस्टम चौबीसों घंटे सक्रिय रहते हैं। विशेष सॉफ्टवेयर और मशीन इंटेलिजेंस की मदद से ये हमलों को नाकाम किया जाता है।

एनएसई में दो साइबर डिफेंस सेंटर हैं जो लगातार निगरानी करते रहते हैं। यहां हर ट्रांजेक्शन और डिजिटल चैनल को सॉफ्टवेयर से स्कैन किया जाता है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत रोका जा सके। सुरक्षा सेटअप में ईमेल, पेन ड्राइव, एक्सटर्नल डेटा और डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) हमले से बचाव के लिए ▶10 पर

देश का आर्थिक ढांचा ध्वस्त करने की थी कोशिश

वैश्विक जीडीपी में 20% योगदान देगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत की अर्थव्यवस्था की तेज और संतुलित रफ्तार दुनिया में उसे आगे रख रही है। आने वाले वक्त में देश वैश्विक जीडीपी में 20 फीसदी का योगदान देगा। आरबीआई के पूर्व गवर्नर और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव शक्तिकांत दास ने पुणे के गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स में बदलती ग्लोबल व्यवस्था में भारतीय इकोनॉमी पर 85वें काले मेमोरियल लेक्चर में यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह कोई सपना नहीं, बल्कि मजबूत घरेलू ▶10 पर

ज्ञान वाटिका का वार्षिकोत्सव आयोजित

बच्चों ने जीते अनेक पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका का वार्षिकोत्सव बहुत ही उल्लासमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् की उपाध्यक्षा और बेंगलूरु शाखा की अध्यक्षा आरती जैन ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान वाटिका खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभसागर सुरीश्वरजी के आशीर्वाद से पूरे भारतवर्ष में छियानवें शाखाओं में गतिमान है और उसी श्रृंखला में बसवनगुडी में 50 से अधिक बच्चे ज्ञान वाटिका से ज्ञान उपार्जन कर रहे हैं और इसका वार्षिकोत्सव मनाया गया। साध्वी हर्षापूर्णाश्रीजी की उपस्थिति में ज्ञान वाटिका के वार्षिकोत्सव का शुभारंभ दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, पुखराज कवाड, केएमपी चेयरमैन किरण ललवानी, अध्यक्षा आरती जैन, महामंत्री रेखा चोपड़ा, संरक्षिका शांतिबाई गोठी, खरतरगच्छ संघ के मंत्री राजेंद्र गुलेच्छा, सेवा मंडल के मंत्री ललित डाकलिया आदि के द्वारा ज्ञान की देवी सरस्वती माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ।

बच्चों ने 'सुख की खोज' के ऊपर नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की जिसमें, आत्मा को चारों गतियों में संयम के अलावा कहीं भी सुख नहीं है, दर्शाया गया। गुरुवर्या जी ने सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को ज्ञान वाटिका भेजने की प्रेरणा दी। दादावाडी ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने संबोधित करते हुए कहा कि अगले वर्ष तक जो बच्चे पंच प्रतिक्रमण, दो प्रतिक्रमण सीखेंगे उनका बम्पर ईनाम, सोने की गिन्नी और सोने की चैन से अभिनन्दन किया जाएगा। इसके बाद हुनर धारीवाल और तुषार धारीवाल द्वारा पर्यूषण महापर्व में अट्ठाई तप करने हेतु बहुमान किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान वाटिका परीक्षा दूसरे भाग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली मोक्षा गोलेच्छा, बेंगलूरु ज्ञान वाटिका में तीसरे भाग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तुषार धारीवाल को राष्ट्रीय ज्ञान वाटिका द्वारा रजत मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

चार बच्चों को पर्यूषण महापर्व के दौरान सत्रह प्रतिक्रमण और नौ बच्चों द्वारा आठ प्रतिक्रमण करने पर राष्ट्रीय ज्ञान वाटिका द्वारा बहुमान प्रदान कर बाकी बच्चों को आगामी समय में प्रतिक्रमण और उसके सूत्र सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

वाटिका में बच्चों की वार्षिक उपस्थिति अधिक होने पर तेरह बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी के साथ ज्ञान वाटिका की अध्यापिकाओं चन्द्रिका बोहरा, सुरेखा धारीवाल, सीमा धारीवाल, पवनी बाफना, स्वाति गोलेच्छा, यशोदा गुलेच्छा को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ शताब्दी महोत्सव के तहत पथ संचलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के एक सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में मनाए जा रहे शताब्दी महोत्सव के तहत रविवार को प्रातः बेलन्दूर नगर में स्वयं सेवकों का भव्य पथ संचलन आयोजित किया गया। संघ के स्वयं सेवकों ने घोष की सुमधुर ध्वनि के साथ अनुशासन का परिचय देते हुए एकता और राष्ट्रभक्ति का सशक्त संदेश दिया। पथसंचलन का शुभारंभ नगर मध्य स्थित वेंकटेश्वर मंदिर से हुआ। ध्वज वंदन एवं संघ प्रार्थना के बाद वर्तुर भाग सहकार्यवाह हेमंत कुमार ने बौद्धिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह अनुशासित पथ संचलन समाज में अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का संदेश देता है। बौद्धिक पश्चात पथ संचलन नगर मध्य स्थित वेंकटेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार, ग्रीन ग्लेन लेआउट से होता हुआ नगर की मुख्य सड़कों एवं मोहल्लों से गुजरता हुआ पुनः वेंकटेश्वर मंदिर आकर सम्पन्न हुआ। पथ संचलन में मुख्य बाजार में मारवाड़ी व्यापारियों एवं शहरवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा कर उनके अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस पथ संचलन में संघ के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। हेमंत कुमार सहकार्यवाह, बाबुरेड्डी वर्तुर भाग व्यवस्था प्रमुख, मंजूनाथ बेलन्दुर नगर प्रमुख, भूपेश कश्यप, प्रकाशसिंह, अरुण शर्मा, थानाराम, धर्माराम कुमावत, मांगीलाल पटेल, सूरज, मंगलाराम, पिंटुराम सहित सैकड़ों स्वयं सेवक, गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

हुब्बल्ली से जोधपुर व अहमदाबाद हवाई सेवाओं हेतु घोडावत को सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। स्टार एयरलाइंस के चेयरमैन एवं घोडावत ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी संजय घोडावत के हुब्बल्ली प्रवास के दौरान यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर शिक्षाविद् एवं श्री सिद्धारूढ़ मठ ट्रस्ट कमेटी के पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सिंघी के नेतृत्व में हुब्बल्ली हवाई अड्डा सलाहकार समिति के सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने घोडावत से हुब्बल्ली से अहमदाबाद, जोधपुर सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवाएं प्रारंभ करने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कोविड की दूसरी लहर के दौरान इंडिगो एयरलाइंस की हुब्बल्ली अहमदाबाद उड़ान बंद हो गई थी। उन्होंने आग्रह किया कि यदि स्टार एयरलाइंस इस सेवा को पुनः प्रारंभ करती है, तो गुजरात एवं राजस्थान की दिशा में नियमित यात्रा करने वाले यात्रियों को अत्यधिक सुविधा प्राप्त होगी। उत्तर कर्नाटक और राजस्थान के बीच व्यापार, पर्यटन एवं पारिवारिक यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए, हुब्बल्ली से जोधपुर के लिए सीधी हवाई सेवा प्रारंभ करने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध किया कि उत्तर कर्नाटक क्षेत्र की बढ़ती हवाई यात्रा आवश्यकताओं को देखते हुए हुब्बल्ली एयरपोर्ट को स्टार एयरलाइंस का बेस एयरपोर्ट घोषित किया जाए। यात्रियों की सुविधा के लिए हुब्बल्ली इंदौर किशनगढ़ (अजमेर) एवं हुब्बल्लीशिर्डी जैसे नए मार्गों पर हवाई सेवाएं प्रारंभ करने का अनुरोध भी किया गया। इन मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संजय घोडावत ने आश्वासन दिया कि अहमदाबाद और जोधपुर के लिए हवाई सेवाएं शीघ्र प्रारंभ करने के प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर महेन्द्र सिंघी ने कहा कि आज की यह सार्थक चर्चा हुब्बल्ली धारवाड़ और आसपास के क्षेत्रों के हवाई संपर्क में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और आशाजनक कदम है। प्रतिनिधिमंडल में विश्वनाथ सोमापुर, सुनील नलावडे, कौस्तुभ सौंशिकर, उद्योगपति उदय पुराणिकमठ, संस्कार स्कूल के कार्यदर्शी सुधीर वोरा, कोषाध्यक्ष उज्जवल सिंघी, प्रवासी यात्री संघ के राज्य महामंत्री सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

ज्ञान और आचरण का संतुलन ही सच्चे धर्म का आधार: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में चल रही उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के अंतर्गत रविवार को अठारहवें एवं उन्नीसवें अध्ययन का प्रेरक विवेचन साध्वी उपासना जी द्वारा, साध्वी निर्मला जी के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

साध्वी उपासना ने कहा कि क्षत्रिय राजर्षि संयति, ऋषि से प्रेरित होकर शिकार का त्याग कर संयम मार्ग पर अग्रसर हुए। उन्होंने संयति मुनि से ज्ञान, दर्शन और चारित्र की गहराई को समझने हेतु अनेक प्रश्न किए। संयति मुनि ने क्रियावाद, अक्रियावाद, विनयवाद और अज्ञानवाद का विवेचन करते हुए कहा कि ज्ञान और आचरण का संतुलन ही सच्चे धर्म का आधार बताया गया। साध्वी ने कहा कि यह अध्ययन सिखाता है कि सच्चा धर्म न केवल ज्ञान में है, न केवल क्रिया में, बल्कि दोनों के समन्वय में निहित है। संयति राजर्षि का जीवन विवेक, विनम्रता और आत्मजागरण का प्रेरक उदाहरण है।

इस अध्ययन का विवेचन करते हुए साध्वी उपासना जी ने कहा कि युवराज मृगापुत्र ने एक श्रमण को देखकर पूर्वजन्म का स्मरण किया और वैराग्य धारण किया। माता-पिता के समझाने पर भी उन्होंने दृढ़ता से कहा नरक के भीषण दुःखों की तुलना में श्रमण जीवन के परीषह कुछ भी नहीं हैं। यह प्रसंग मोह और ज्ञान, सांसारिकता और वैराग्य के गहन संवाद का उदाहरण है। मृगापुत्र ने आत्म-सुरक्षा को शरीर-सुरक्षा से श्रेष्ठ बताते हुए कर्म-विज्ञान पर अटूट विश्वास व्यक्त किया।

साध्वी ने कहा कि मृगापुत्र का चरित्र दृढ़ निश्चय, संयम और आत्मबल का प्रतीक है, जो जीवन को परम सत्य की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया और अंत में साध्वी निर्मला जी ने मंगलपाठ दिया। इस मौके पर दिव्यांश जैन ने अपने विचार रखे। एडवोकेट आशा जैन ने 'भारत का संविधान' पुस्तक संघ को भेंट की, जिनका अभिनंदन त्रिशला महिला मंडल अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा, मंत्री रेखा पोखरना एवं अन्य श्राविकाओं ने किया। आभार अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल द्वारा किया गया।

श्री सच्चियाय माता जैन युवक सेवा मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन

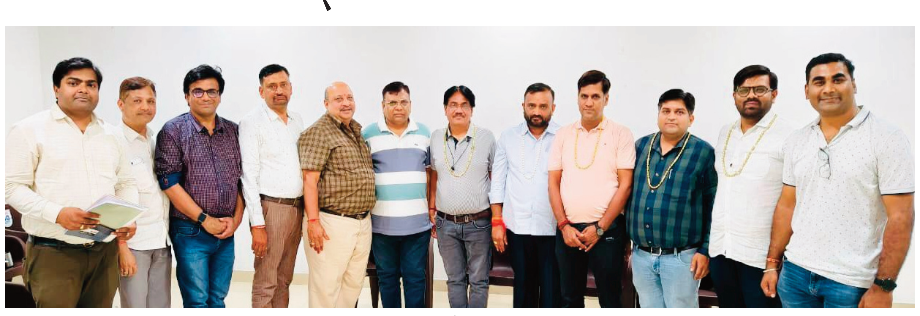

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सच्चियाय माता जैन युवक सेवा मंडल की बेंगलूरु में संघ के मंत्री अरूण भंसाली, अनिल गादिया एवं ट्रस्टी मानकचंद गुलेच्छा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। माताजी की कृपा से इस सभा में आगामी 2025-2027 के लिये सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। श्री सच्चियाय माता जैन सेवा मंडल के अध्यक्ष पद पर मदनराज बोहरा को जिम्मेदारी दी गई। सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुने जाने के बाद कार्यकारिणी में मनोज बाफना, सुधीर पोकरना को उपाध्यक्ष, लतेश सेठिया को मंत्री, आशीष बाफना, तरुण बोहरा को सहमंत्री, पदम भूरट को कोषाध्यक्ष, अशोक समदरिया को संघटन मंत्री, विनय बैद को प्रचार प्रसार मंत्री मनोनीत किया गया। साथ ही नवनियुक्त अध्यक्ष ने विमल रांका, कमलेश बाफना, सुशील बाफना, फुटरमल दांतेवाड़िया, उत्तम ढेसरला, अनिल बाफना, विकास गुलेच्छा, रजत बेद एवं संदीप चोपड़ा को कमेटी मेंबर्स बनाने कि घोषणा भी की।

जिनवाणी का ज्ञान होता है बहुत महान: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर का मानव पर अनंत उपकार है। उनकी वाणी सुनकर हजारों लोग धर्म की ओर बढ़ते हैं और धर्म का पालन करते हैं। ऐसे महावीर प्रभु की वाणी के श्रवण का मौका हमे भी मिला है। इसको सुन कर आत्मसात कर जीवन का उद्धार कर लेना चाहिए। महावीर प्रभु की वाणी में आत्म सुख समाहित है। प्रभु वाणी सुनने से ही शासन की ज्योति जलती है। अभी प्रभु महावीर का शासन है। वे सदा भक्तों के लिए सुखदाई हैं। कष्ट आने पर मानव भगवान को याद करता है। मोक्ष में जाते जाते प्रभु महावीर ने ज्ञान का भंडार

दिया है। यह कान से सुन कर मन में धरने लायक है। सुनते सुनते अगर एक कण भी लग जाए तो बेड़ा पार हो जाएगा। प्रभु की वाणी बहुत शक्तिशाली होती है। मानव थोड़ा प्रयास करे तो जीवन सफल हो जाएगा। जिनवाणी को आत्मसात करने का प्रयास करना चाहिए। थोड़ी भी अमृत अगर जीवन में मिल जाए तो मानव जीवन सफल हो जाता है। मंदिर में प्रभु का प्रसाद मान कर खा लेते हैं। ऐसे में प्रभु की वाणी भव सुधार देती है। कर्मों की कालिमा भी वाणी से धूल जाती है। यह जिनवाणी बहुत अनमोल है। ऐसे मौके पर मानव को इसका अमृतपान कर लेना चाहिए। जिनवाणी का ज्ञान बहुत महान होता है। इससे मानव के पाप कर्म छल जायेंगे। भव बंधन भी खत्म हो जाएगा। इससे सम्यक ज्ञान प्राप्त हो जाएगा। नौवां अध्याय नमिराज ऋषि का अध्याय है। उनके सामने ऐसा निमित्त बना कि वो खुद वैरागी बन गए। दुनिया बहुत दुख कारी है। तन और मन में बीमारी ही लगी है। इसलिए जितना जल्दी हो सकते इसको छोड़ कर कल्याण के मार्ग पर बढ़ जाना चाहिए। दुनिया में जन्म मरण का दुख है।

नमिराज ऋषि ने दुनिया को समझ लिया और मोक्ष मार्ग पर बढ़ कर अपना जीवन बदल लिया। दसवां अध्ययन पेड़ का पत्ता है। जो एक हवा के झोंके से जमीन पर आ जाता है। जमीन पर आने पर उसका कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए संसार में क्षण मात्र में सब खत्म हो जाता है। एक हवा के झोंके से सब नष्ट हो जाता है। इसलिए संसार में फंस कर जीवन को बर्बाद नहीं करना चाहिए। समय रहते अमृतवाणी को सुनकर जीवन को बदल लेना चाहिए। सभा में हीरा बाग स्थानकवासी जैन संघ ने आगामी 2026 के चातुर्मास की पुरजोर विनंती रखी। अध्यक्ष डॉ. भीकमचंद सकलेचा एवं महामंत्री अशोक कुमार बांठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा में उपाध्यक्ष नंदकिशोर समदड़िया, राजमल सोनी, मनोहरलाल बांठिया, सहमंत्री जयचंद लुणावत, कोषाध्यक्ष धनराज सोनी, राजेशकुमार बांठिया, अशोककुमार खीवेंसरा, भवरलाल सोनी, लीलाबाई सकलेचा, आशाबाई बांठिया, चिक्कबल्लापुर से उत्तमचंद कोठारी, राकेश कुमार कोठारी, चेन्नई से अभय आनंदराज बोहरा सपरिवार पधारें। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति के दर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एस पी रोड हब्बा 2025 में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्नाटक की समृद्ध संस्कृति को दर्शाते हुए यक्षगान और भरत नाट्यम की प्रस्तुति दी गई, जिसे एसपी रोड में खरीदारी को आए ग्राहकों ने भरपूर सराहा। हब्बा संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस हब्बा की ख्याति पूरे कर्नाटक में बहुत जोर-शोर से फैलती जा रही है। एसोसिएशन द्वारा सभी सदस्यों को अपना व्यवसाय बढ़ाने हेतु और अपने ग्राहकों को लकी ड्रा जीतकर दशहरा दीपावली का एक उपहार प्रदान करने का एक बड़ा अवसर प्रदान किया है। एस पी रोड हब्बा के मुख्य प्रायोजक सैनडिस्क कम्पनी के साथ सह प्रायोजक कैनन और जेबरा कम्पनियां है, इसके साथ ही इवेंट स्पांसर के रूप में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम को जेब्रॉनिक्स कम्पनी ने प्रायोजित किया। इसके साथ ही एस पी रोड के बारह सौ से अधिक प्रतिष्ठान इस हब्बा में बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग ले रहे हैं। हब्बा सह संयोजक उदेश राजपुरोहित, अमित बोराना, विशाल बोहरा, नरेश जैन ने जानकारी देते बताया कि शनिवार को सौ से अधिक लकी गिफ्ट्स प्रदान करके बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन ने एक कीर्तिमान बनाया है, जो कि एस पी रोड में पहले कभी नहीं हुआ। इन गिफ्ट्स में एक टू व्हीलर गाड़ी, होम थिएटर, पार्टी स्पीकर आदि इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं ड्रा जीतने वाले सदस्यों को प्रदान की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, महामंत्री अरुण लुणावत ने सभी सदस्यों से निवेदन किया कि प्रत्येक ग्राहक जो यहां खरीदारी करता है अथवा होलसेल ग्राहक हैं उनको यह लकी गिफ्ट कूपन जरूर प्रदान करके जीतने का अवसर प्रदान करें।

शनिवार को हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में और गिफ्ट्स प्रदान करने के अवसर पर दीप प्रज्वलन अतिथि एस जे पार्क के पुलिस अधीक्षक गुरु प्रसाद, सम्पतराज धोका, विमल पितलिया, कमल दुगड़, महावीर पगारिया, फेडरेशन ऑफ कर्नाटक ट्रैडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश मांडोत, एग्रीकल्चर वाटर पम्प्स स्पेयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील सुराणा के साथ एसोसिएशन अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उपाध्यक्ष और हब्बा संयोजक ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष किशोर राजपुरोहित एवं मदनलाल धोका, महामंत्री अरुण लुणावत, सहमंत्री दिनेश चारण, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, संगठन मंत्री आलोक गंग ने किया। पधारे हुए अतिथियों का स्वागत अभिनन्दन शाल, माला और स्मृति चिन्ह से एसोसिएशन की ओर से किया गया। कार्यक्रम में जूनियर राजकुमार, जूनियर शंकर नाग, और अप्पू जूनियर पुनीत राजकुमार ने कर्नाटक माता के प्रति प्रेम से ओतप्रोत गीतों से उपस्थित जनों का मन मोहा। हब्बा में एसोसिएशन की पूरी कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति के साथ सक्रिय सहयोग प्राप्त हो रहा है।

बेंगलूरु में जनता से बातचीत की

हमने जनता को कार्यक्रम में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दूसरे दिन भी पार्क वॉक जारी रखा और बेंगलूरु उत्तर नगर निगम के मत्तिकेरे स्थित जेपी पार्क में जनता से बातचीत की। बीके नगर की फातिमा ने बिजली की समस्या की शिकायत की। जब डीके शिवकुमार ने कहा कि हम मुफ्त बिजली दे रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि बिजली ही नहीं है और मुफ्त में लेंगे तो क्या करेंगे। नागरिकों ने शिकायत की कि शाम 7.30 बजे के बाद उन्हें पार्क में प्रवेश नहीं करने दिया जाता, जिससे चलना मुश्किल हो जाता है।

सफाई का कोई प्रबंध नहीं है। यह कोई राजनीतिक बातचीत नहीं है। जिसके बाद शिवकुमार ने कहा कि अधिकारियों को लोगों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और उन्होंने बेंगलूरु को एक नया रूप देने के लिए कदम उठाए हैं। मैं हर शनिवार और रविवार को पार्कों में जाकर लोगों से मिलता हूँ।

हमने जनता को कार्यक्रम में शामिल होने का खुला निमंत्रण दिया है। यहाँ के जनप्रतिनिधि (विधायक मुनिरत्न नायडू) का व्यवहार देखकर लगता है कि आप किस नर्क में जी रहे हैं। ऐसे विधायकों को चुनकर आपकी स्थिति मैं समझ सकता हूँ। स्थानीय विधायक मुनिरत्न अपनी मर्यादा से बाहर हैं। वह जरूर कार्यक्रम को बिगाड़ने आए होंगे। हम इसकी परवाह नहीं करेंगे, आपको भी नहीं करनी चाहिए। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि ऐसे लोगों को चुनकर आपको कितना दुःख हो रहा है। उचित समय पर इन सबका जवाब दीजिए। जनता को तय करना चाहिए कि ऐसे प्रतिनिधि को रखना है या नहीं। मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करूँगा। मुझे जनप्रतिनिधियों के प्रति सम्मान का एहसास है। उन्होंने कहा कि राजनीति में हार-जीत तो लगी रहती है, कुछ भी स्थायी नहीं होता।

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह जनता की शिकायतें सुनने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम था। विधायक रिजवान अरशद शनिवार को लालबाग में आयोजित कार्यक्रम में आए थे और लोगों को अपनी समस्याएँ बताने का मौका दिया था। मुनिरत्न को भी लोगों की समस्याओं पर इसी तरह प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यह लोगों को बुलाने के लिए शिलान्यास कार्यक्रम नहीं है, हम जानते हैं कि हमें आए जनप्रतिनिधियों का पूरा सम्मान करना चाहिए।

विधायकों को विधानसभा में और जीबीए की बैठक में बोलने का मौका मिला था। यहाँ आकर हंगामा करना ठीक नहीं है। मैंने पिछले साल भी सभी विधानसभा क्षेत्रों में लोगों की शिकायतें प्राप्त करने का कार्यक्रम चलाया था। यह कोई नई बात नहीं है। अगर मुनिरत्न के मन में झूठे मामले दर्ज होने का विचार था, तो उन्होंने कहा कि वह इसमें कुछ नहीं कर सकते। मुनिरत्न को यहाँ के नागरिकों ने पीटा और भगा दिया। हममें से कोई भी उन्हें छू नहीं सकता। लोगों में बहुत गुस्सा है। ठेकेदारों ने शिकायत की है कि विधायक ने उन्हें 10 साल से बिल नहीं भरने दिया क्योंकि उन्होंने कमीशन नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसकी जाँच कराई जाएगी।

मुनिरत्न ने आरएसएस की वर्दी पहनकर और यहाँ आकर हंगामा करके संगठन का अपमान किया है। इस कार्यक्रम और आरएसएस का क्या संबंध है? उनकी मंशा राजनीति करने की है। मीडिया उन्हें प्रचार देता है।

इसलिए वे ऐसा व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि ऐसे लोग आरएसएस का अपमान कर रहे हैं। लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए बेंगलूरु की सभी 5 नगर पालिकाओं में पार्क वॉक शुरू किए गए हैं। हम लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के बाद उनके फोन नंबर प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। अगर फिर भी कोई समस्या है, तो वे 1533 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं।

हमारे मेट्रो का नाम नादप्रभु केम्पेगौड़ा के नाम पर रखा जाए: नंजवधूता स्वामीजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पट्टनायकनहल्ली मठ पीठ के अध्यक्ष श्री डॉ. नंजवधूता स्वामीजी ने मांग की कि हमारी मेट्रो ट्रेन का नाम बेंगलूरु के निर्माता नादप्रभु केम्पेगौड़ा के नाम पर रखा जाए। राज्य वोक्कालिगारा संघ ने कृष्णप्पा रंगम्मा एजुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से शहर के कुवेम्पु कलाक्षेत्र में एसएसएलसी और पीयूसी परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों और सफल छात्रों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया। केम्पेगौड़ा ने बेंगलूरु का निर्माण और विकास किया। उन्होंने मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारें हमारी मेट्रो ट्रेन का नाम उनके नाम पर रखने के लिए कार्रवाई करें। भक्ति भंडारी बसवन्ना का नाम किसी बड़ी परियोजना के नाम पर रखा जाना चाहिए। हम यह नहीं मांग कर रहे हैं कि केम्पेगौड़ा का नाम बेंगलूरु के अलावा किसी अन्य शहर के नाम पर रखा जाए। राज्य वोक्कालिगारा संघ को पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के नाम पर एक और मेडिकल कॉलेज स्थापित करना चाहिए। इसी प्रकार, एक इंजीनियरिंग कॉलेज भी स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि संभव हो, तो दोनों कॉलेजों में वोक्कालिगा समुदाय के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए 10-10 सीटें निःशुल्क प्रदान की जानी चाहिए। देवेगौड़ा ने अनुकरणीय शासन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि यदि उनके नाम पर एक कॉलेज स्थापित किया जाए, तो सभी सहमत होंगे। प्रतिभाशाली छात्र यदि मन लगाकर प्रयास करें, तो वे विशेष सम्मान के पात्र बन सकते हैं। बच्चों को अपने माता-पिता की कड़ी मेहनत, समर्पण, प्रेम और त्याग को नहीं भूलना चाहिए। उन्हें समाज में अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहिए और समाज के लिए एक संपत्ति के रूप में अपना बड़ा योगदान देना चाहिए। उन्होंने माता-पिता को सलाह दी कि वे अपने बच्चों पर दबाव न डालें, बल्कि उन्हें समाज की संपत्ति बनाएँ। राज्य वोक्कालिगा संघ के अध्यक्ष बी. केंचप्पा गौड़ा ने कहा कि वोक्कालिगा समुदाय के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च अंक प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और नई खोजों, शोध और उपलब्धियों के लिए भी पहल करनी चाहिए। वोक्कालिगा संघ विकास पथ पर अग्रसर है और 2592 से अधिक छात्रों को प्रतिभा पुरस्कार प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी सदस्यों की बैठक होगी।

कांग्रेस पार्टी के पास आरएसएस पर दोबारा प्रतिबंध लगाने की शक्ति नहीं: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि एक जिम्मेदार पद पर आसीन प्रियांक खड़गे ने आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में मुख्यमंत्री को इतनी गैरजिम्मेदारी से पत्र लिखा है, जो उनकी मूर्खता का प्रदर्शन है। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने संबंधी प्रियांक खड़गे के पत्र के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि और गतिविधियों की जानकारी नहीं है और जो सिर्फ अपने प्रचार के लिए बोलते हैं, वे ही इस तरह के बयान दे सकते हैं। कांग्रेस पार्टी ने पहले भी दो-तीन बार आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। उन्होंने बताया कि देश के सामने एक ऐसा उदाहरण है जहाँ उसी कांग्रेस पार्टी ने प्रतिबंध वापस ले लिया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास एक बार फिर आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि वह प्रियांक खड़गे को याद दिलाना चाहेंगे कि कांग्रेस पार्टी ने भारत-चीन युद्ध के दौरान आरएसएस की गतिविधियों को देखा और सराहा था और उस दिन गणतंत्र दिवस परेड में आरएसएस को भाग लेने की अनुमति दी थी। प्रियांक खड़गे की नजर मुख्यमंत्री पद पर है। उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसा लगता है जैसे उन्होंने गांधी परिवार को खुश करने के लिए यह पत्र लिखा है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के इस पावन अवसर पर देश भर में गतिविधियाँ और रोड शो हो रहे हैं। ऐसे अवसर पर प्रियांक खड़गे ने एक पत्र के माध्यम से अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि समय इन सबका उत्तर देगा। प्रियांक खड़गे, आपका जिला शैक्षणिक रूप से पिछड़ा हुआ है, वहाँ गुंडागर्दी चल रही है, आपके जिले में एक ठेकेदार ने आत्महत्या कर ली है, डराने-धमकाने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। जिस तरह से रेत माफिया चल रहा है, अगर आप एक मंत्री के रूप में इन सब पर ध्यान दें, तो यह आपके जिले के लिए अधिक फायदेमंद होगा। यह राज्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। गुलबर्गा जिला शिक्षा में बहुत पिछड़ा हुआ है। आपके पिता मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुलेआम कहा है कि कल्याण कर्नाटक में 30-35 हजार शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है। उन्होंने आग्रह किया कि इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक मंत्री के तौर पर जिन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है, उन पर ध्यान दिए बिना इस तरह अहंकार से बोलना उचित नहीं है।

हसनम्बा दर्शन के लिए मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हसनम्बा दर्शन उत्सव के दूसरे दिन, शनिवार को मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। सुव्यवस्थित व्यवस्था और सुंदर दर्शन की श्रद्धालुओं, प्रभारी मंत्री और जिला प्रशासन ने खूब सराहना की।

सुबह से ही हजारों लोग दर्शन के लिए पहुँच रहे थे और जिन श्रद्धालुओं ने गोल्डन पास, 1,000 रुपये और 300 रुपये के टिकट, जिनमें सर्व दर्शन भी शामिल है, खरीदे थे, उनके लिए दर्शन करके बहुत कम समय में चले जाना आम बात थी। इस बार, जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, जिला आयुक्त के.एस. लता कुमारी, उप-मंडल अधिकारी एवं मंदिर प्रशासक सहित पूरे प्रशासन द्वारा किए गए उपायों और विशेष पास व्यवस्था को रद्द करने के कारण, जनता के दर्शन में कोई बाधा नहीं आ रही है और शिष्टाचार के नाम पर घंटों कतारों में खड़े रहने की स्थिति भी नहीं है। हसनम्बा सिद्धेश्वर स्वामी दर्शन उत्सव की शुरुआत से ही जिला प्रभारी मंत्री कृष्ण बायरेगौड़ा स्वयं मंदिर परिसर सहित सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं और उनका ध्यान रख रहे हैं। अधिकारी भी बेहतर ढंग से काम कर रहे हैं, इसलिए दर्शन व्यवस्था में कोई कमी नहीं है। रविवार को भी कृष्ण बायरेगौड़ा ने मंदिर परिसर में सर्व दर्शन सहित अन्य लाइनों में आने वाले श्रद्धालुओं की राय सुनी और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की बात कही। हसनम्बा में दर्शन करने के बाद मंदिर के आसपास लगी विभिन्न दुकानों और स्टॉलों पर कारोबार जोरों पर है और ऐसा लग रहा है जैसे कोई मेला हो। राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के मंत्री शिवराज एस. ने परिवार के साथ देवी के दर्शन किए। देवी की विशेष पूजा-अर्चना करने के बाद, उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उन्होंने परिवार के साथ देवी के दर्शन किए। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए मंगल कामना और किसानों के लिए अच्छी फसल की कामना की। पिछली बार वे अकेले आए थे, इस बार वे अपनी पत्नी के साथ आए। देवी हसनम्बा के दर्शन विशेष रूप से अद्भुत थे। मैं अपनी आँखों से देख सकता हूँ कि जिला प्रशासन ने कितनी अच्छी व्यवस्था की है और जिला प्रभारी मंत्री ने भी बड़ी सावधानी से व्यवस्था की है। लोगों को कोई परेशानी नहीं हो रही है और सभी आराम से दर्शन कर रहे हैं। शिष्टाचार के अनुसार देवी के दर्शन करने के बाद, सांसद सुनील बोस ने दर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यह मंदिर हर साल नवरात्रि के बाद साल में एक बार खुलता है। यह एक चमत्कारी मंदिर है। जिला प्रशासन, जिला प्रभारी मंत्री ने बहुत ही चाक-चौबंद व्यवस्था की है। पिछली बार काफी अव्यवस्था थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने आम लोगों को जिला प्रशासन को कोसते देखा है। उनकी कामना है कि माँ हसनम्बा सबका भला करें। विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने कहा कि भाजपा में भी कुछ अव्यवस्था और झगड़ा है। यह बात सभी जानते हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि सब ठीक हो जाएगा। हसनम्बा देवी के दर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि घर को लेकर अलग-अलग राय होती है, पाँचों उंगलियाँ एक जैसी नहीं होतीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हमारी पार्टी में अंदरूनी कलह जगजाहिर है और आने वाले दिनों में सब ठीक हो जाएगा। मठाधीशों के इस कथन पर कि लिंगायत और वीरशैव को सर्वेक्षण में लिखा जाना चाहिए, प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद बेलाड ने कहा भारत में सभी हिंदू हैं, बसवन्ना ने यह नहीं कहा कि आपको कहीं भी सनातन धर्म का पालन नहीं करना चाहिए। हसनम्बा का वार्षिक दर्शन महोत्सव शुरू हो गया है और शनिवार को एक ही दिन में 1 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई हुई है। सप्ताहांत की पृष्ठभूमि में टिकटों की बिक्री से रिकॉर्ड कमाई हुई है। 1,000 रुपये के टिकटों की बिक्री से 65 लाख रुपये और 300 रुपये के टिकटों की बिक्री से 35 लाख रुपये की कमाई हुई है। जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि हसनम्बा दर्शन में शुरुआती दिनों में रिकॉर्ड राजस्व प्राप्त हो रहा है। शनिवार को 1,000 और 300 रुपये के टिकटों की बिक्री से 1 करोड़ रुपये एकत्र हुए हैं। शुक्रवार को 67 लाख रुपये एकत्र हुए। पिछले वर्ष 12 करोड़ रुपये एकत्र हुए थे। इस वर्ष 15 करोड़ से अधिक एकत्र होने की उम्मीद है। दर्शन बिना किसी व्यवधान के सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन कम से कम 2 लाख भक्तों के आने की संभावना है।

वॉक विद बेंगलूरु कार्यक्रम में शिवकुमार और विधायक मुनिरत्न के बीच बहस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तरी बेंगलूरु के जेपी पार्क में रविवार को उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के वॉक विद बेंगलूरु अभियान के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई जब राजराजेश्वरी नगर से भाजपा विधायक मुनिरत्न, आरएसएस की वर्दी पहने, कार्यक्रम में घुस आए और स्थानीय विधायक या सांसद को आमंत्रित नहीं करने के लिए शिवकुमार की आलोचना की। जेपी पार्क में लगभग दो घंटे तक चलने के बाद, शिवकुमार अपना जन शिकायत कार्यक्रम शुरू करने ही वाले थे कि उन्होंने भीड़ में मुनिरत्न को देखा और उन्हें मंच पर बुलाया। इसके बाद मुनिरत्न आगे बढ़े, माइक्रोफोन पकड़ा और निर्वाचित प्रतिनिधियों को आमंत्रित न करने या कार्यक्रम के बैनरों में उनकी तस्वीरें शामिल न करने के लिए शिवकुमार और ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी कमिश्नर पर तीखा हमला बोला।

जैसे ही स्थिति राजनीतिक टकराव में बदल गई, मुनिरत्न के कई समर्थकों ने शिवकुमार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे और अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और मुनिरत्न को पार्क से बाहर निकाला। इस हाथापाई में, आरएसएस की वर्दी के तौर पर पहनी हुई उनकी काली टोपी गिर गई।

पुलिस द्वारा पार्क से बाहर निकाले जाने पर मुनिरत्न ने आरोप लगाया, वे मुझे मरवाना चाहते हैं। वे या तो चाहते हैं कि मैं विधायक पद से इस्तीफा दे दूँ या फिर मर जाऊँ। उन्होंने मेरी टोपी उतारकर आरएसएस का अपमान किया है। पार्क से बाहर जाने से इनकार करते हुए, वह अपने समर्थकों के साथ पार्क के बाहर धरने पर बैठ गए। इस बीच शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि यह पहल कोई आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं था, इसलिए किसी भी राजनीतिक नेता को आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने बताया कि वॉक विद बेंगलूरु का उद्देश्य नागरिकों से जुड़ना और जमीनी हकीकत को समझना था। शिवकुमार ने अधिकारियों को कार्यक्रम जारी रखने का निर्देश देते हुए कहा सार्वजनिक कार्यक्रम में इस तरह का व्यवहार करना उनके (मुनिरत्न) मानसिक रूप से विक्षिप्त होने का संकेत हो सकता है। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुनिरत्न के समर्थक पार्क के गेट पर इकट्ठा हो गए और उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जाते समय शिवकुमार के खिलाफ नारे लगाने लगे और उन्हें आरएसएस विरोधी करार दिया।

बाद में मुनिरत्न ने जोर देकर कहा कि यह एक सरकारी समारोह था और उन्होंने नगर आयुक्त और कांग्रेस दोनों पर उन्हें कार्यक्रम से बाहर रखने का आरोप लगाया।

मुनिरत्न पर हमला करने वालों के खिलाफ अविलंब हो अनुशासनात्मक कार्रवाई: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मल्लेश्वरम के विधायक डॉ. अश्वथ नारायण ने विधायक मुनिरत्न पर हमला करने वालों के खिलाफ अविलंब अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा विधायक कोई भी हो, हमला करने से किसी का नाम नहीं रोशन होता। उन्होंने सरकार से मुनिरत्न पर हमला करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने और स्पष्ट संदेश देने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, कार्यक्रम सफल होना चाहिए, यानी सभी को आमंत्रित किया जाना चाहिए और सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए। आपको राजनीतिक क्षेत्र का काफी अनुभव है। आप जैसा कोई ऐसी गलती कैसे कर सकता है? इस कार्यक्रम ने अपना महत्व खो दिया है। यहाँ केवल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा, घृणा और दुश्मनी को उजागर किया जा रहा है। आपके कार्य उचित नहीं हैं। यह डीके शिवकुमार बनाम मुनिरत्न जैसा होगा। क्या आप स्वयं अपने कार्यक्रम को विफल करेंगे? उन्होंने कहा कि यह जनता का कार्यक्रम है, सरकार का कार्यक्रम है। ऐसी घटनाओं के लिए आप ही जिम्मेदार हैं। आपने जो आजादी दी है, उसमें कार्यकर्ता अपनी मनमानी कर रहे हैं। मैंने सुना है कि यह कोई कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमला है। हम इसकी निंदा करते हैं। डीके शिवकुमार बेंगलूरु के छह हिस्सों में एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। अच्छा है। इस कार्यक्रम में किसी निर्वाचित प्रतिनिधि का अपमान, हमला या अनादर करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बिना निमंत्रण के ऐसा कार्यक्रम आयोजित करना लोकतंत्र का अपमान है, सभी को विश्वास में लेना और सही रास्ते पर चलना आपका कर्तव्य है।

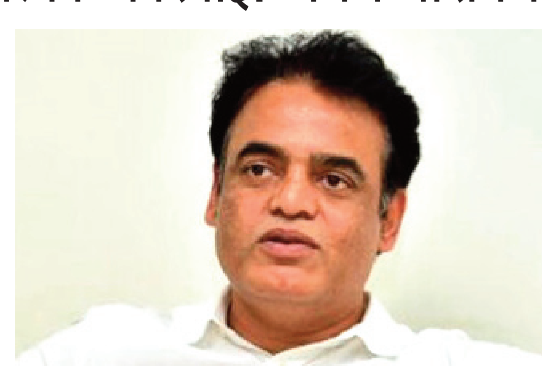

क्या मुख्यमंत्री राहत की घोषणा से किसानों का पेट भरेगा: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि डी.के. शिवकुमार द्वारा किया गया अपमान मुनिरत्न का नहीं, बल्कि राजराजेश्वरी विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का अपमान है।

मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने डी.के. शिवकुमार के बयान से जुड़े एक सवाल का जवाब दिया। आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी को दिखा देंगे कि ब्लैकमेल की क्या कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने आपत्ति जताई कि डी.के. शिवकुमार में एक उपमुख्यमंत्री, एक जिम्मेदार मंत्री, को सार्वजनिक स्थान पर और एक जनप्रतिनिधि के प्रति व्यवहार करने का न्यूनतम शिष्टाचार भी नहीं है। सत्ता स्थायी नहीं होती। उन्होंने कहा कि जनता डी.के. शिवकुमार के भाषण, बोलने के तरीके और एक निर्वाचित प्रतिनिधि के अपमान के खिलाफ बोल रही है। हाल ही में, मैसूरु में मुख्यमंत्री द्वारा शक्ति प्रदर्शन किया गया था। उन्होंने खुद बताया कि डी.के. शिवकुमार बिना पूछे दिल्ली भाग गए। दूसरी ओर, सिद्धारमैया ने मंत्रिमंडल विस्तार के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भोज बुलाया है। क्या भोज में राज्य के किसानों की समस्याओं पर चर्चा होगी। भारी बारिश के कारण किसान बेहद संकट में हैं। यादगीर और गुलबर्गा जिलों के किसानों की लगभग 70 से 90 प्रतिशत तोगरी और अन्य फसलें नष्ट हो गई हैं। जिन लोगों के घर गिर गए हैं, वे अपने बच्चों के साथ केयर सेंटर में संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें स्थायी घर नहीं मिला है। जब भाजपा सरकार में येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब कोप्पल, रायचूर और अन्य जिलों में स्थायी आश्रय प्रदान करने का काम किया गया था। जब प्रियांक खड़गे खुद चले गए, तो उस निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं ने उनसे स्थायी छत देने की माँग की। उन्होंने आलोचना की कि आपके कृषि मंत्री और राजस्व मंत्री बेंगलूरु में मौज-मस्ती कर रहे हैं और बैठकें कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि राज्य में लगभग 10 लाख हेक्टेयर फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। राज्य में 10 लाख हेक्टेयर नहीं, अकेले गुलबर्गा जिले में छह से साढ़े छह लाख हेक्टेयर फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। आप गलत आँकड़े दे रहे हैं। कल्याण कर्नाटक और कित्तूर कर्नाटक में कम से कम 25-30 लाख हेक्टेयर किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। उन्होंने इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि गरीब किसानों ने अपने घर खो दिए हैं। अगर मुख्यमंत्री हवाई सर्वेक्षण करके कोई घोषणा करें, तो क्या किसानों का पेट भरेगा? सर्वेक्षण कब होगा? मुआवजा कब दिया जाएगा? उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री विभागीय अधिकारियों को भी नहीं भेज रहे हैं। पहले जो मुआवजा घोषित किया जा चुका है, उसे दें। उन्होंने बताया कि कैसे येदियुरप्पा और बोम्मई ने पूर्व में भाजपा सरकार के सत्ता में रहते हुए राहत प्रदान की थी। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा अकेले होने और मंत्रिमंडल विस्तार न होने के बावजूद, सभी जिलों - बेलगावी, रायचूर, कोप्पल - में गए और किसानों की समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने स्थायी बस्तियाँ प्रदान करने का काम किया। जब हमारी सरकार सत्ता में थी, तब किसान गीत की घोषणा एक सरकारी आदेश थी। उन्होंने आलोचना की कि कांग्रेस सरकार ने बोम्मई द्वारा दिए गए किसान शिक्षा कोष को भी बंद कर दिया था। उन्होंने किसान गीत भी बंद कर दिया था। उन्होंने आज की कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री पर किसानों के प्रति कोई प्रतिबद्धता नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जीबीए बैठक का एजेंडा विधायकों को नहीं भेजा गया। बेंगलूरु शहर में क्या काटा और मरम्मत की गई है? पिछले दो वर्षों में राज्य में किन विकास परियोजनाओं की घोषणा की गई है।

मुनिरत्न पर हमला करके कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी की संस्कृति उजागर हुई: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राजराजेश्वरी विधायक मुनिरत्न पर हमला करके कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी की संस्कृति उजागर हुई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधायकों पर बिना सम्मान के हमला किया गया। आप तो सिर्फ दो साल से सत्ता में हैं। आप गुंडागर्दी क्यों कर रहे हैं? यह आपकी कांग्रेस पार्टी की संस्कृति और गुंडागर्दी को दर्शाता है। मुनिरत्न पर हमला लोकतंत्र पर हमला है। हम मुनिरत्न का समर्थन करेंगे। पुलिस को उनकी सुरक्षा करनी चाहिए। लोगों ने तय कर लिया है कि कांग्रेस एक निवर्तमान पार्टी है। हमारा एजेंडा कांग्रेस-मुक्त भारत बनाना है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के कदम की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि यह सरकारी पैसे से किया जा रहा कार्यक्रम है। यह कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम नहीं है। उन्होंने स्थानीय विधायकों और सांसदों को बिना बुलाए अपमानित करके संविधान का अनादर करने के लिए कांग्रेस नेताओं की आलोचना की। आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने के कांग्रेस नेताओं के बयान के बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने तीन बार आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ऐसा नहीं कर सकीं। क्या अब ऐसे लोगों के लिए यह संभव है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत देश के ज्यादातर राज्यपाल आरएसएस की पृष्ठभूमि से आते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भारत का इतिहास नहीं पता। ऐसे लोगों को आरएसएस के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। यह एक ऐसा संगठन है जो राष्ट्र को प्रेम देता है। उन्हें राष्ट्र से कोई प्रेम नहीं है, कांग्रेस को सिर्फ वोटों से प्यार है। इससे पहले, अशोक और पीसी मोहन व अन्य ने बनशंकरी में आयोजित आरएसएस के जुलूस में गणेश वेश में भाग लिया।

नमस्ते सदा वत्सले गीत गाते हुए आर अशोक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। आज हम शताब्दी वर्ष की पृष्ठभूमि में मार्च निकालकर भारत माता को श्रद्धांजलि देंगे। जब राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों की बात आती है, तो संघ सबसे आगे खड़ा होता है। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि मैं आरएसएस से हूँ। अशोक ने एक पुरानी घटना याद करते हुए कहा, मैंने कई संघर्षों में भाग लिया है।

बुद्धिमान बोलने से पहले और नादान बोलने के बाद सोचता है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि हथियार के जख्म से वचनों का जख्म बारूद के ढेर से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक होता है। साध्वी ने धर्म सभा को संबोधित करते कहा कि हथियारों का जख्म भर जाता है परंतु शब्दों का नहीं। इससे बड़ी हिंसा और कुछ नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि मीठे वचन के मुकाबले कोई अमृत नहीं कड़वे वचन के मुकाबले जहर नहीं। मीठे वचनों से इंसान तो क्या पशु पक्षी और देव शक्तियों को भी वश में किया जा सकता है। मीठे वचन औषधि का काम करते हैं। बुद्धिमान बोलने से पहले सोचता है और नादान बोलने के बाद सोचता है। शब्द से बाण और मुंह से शब्द निकालने के बाद वापस नहीं आते। मात्र पश्चाताप शेष रह जाता है। वचन ऐसे बोलों कि आपकी आत्मा भी शीतल हो और सुनने वाले की आत्मा भी शीतल हो। यही सभी धर्म का मर्म है। वचनों से व्यक्ति के संस्कार और व्यक्तित्व के पहचान होती है।

यही उसकी सबसे बड़ी संपत्ति है। वचनों से पुण्य और पाप दोनों का संचय किया जा सकता है। शब्दों से मित्र भी शत्रु बनते हैं। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि व्यक्ति की पहचान उसके मुखारबिंद से निकली हुई वाणी से होती है। जन्म लेने से मृत्यु पर्यन्त की यात्रा ही संघर्ष है। सुख महज सराय हैं, जो उत्तम कर्मों के उदयानुसार मार्ग में कुछ निश्चित समय पर मिलते रहते हैं। जहाँ व्यक्ति जीवन के सुखद पलों का अनुभव कर लेता है। राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान का 108 अभिषेक का लाभ संघवी सुरेश कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार ने लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया। सोमवार को सुबह सौभाग्य एकासणा का सामूहिक आयोजन है।

दक्षिण कन्नड़ में पुराने आपराधिक मामलों पर पुलिस की कार्रवाई, 110 आरोपी गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुराने आपराधिक मामलों पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी और दक्षिण कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. अरुण के. ने हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और जबरन वसूली के मामलों में शामिल लंबे समय से फरार आरोपियों का पता लगाने के लिए एक समन्वित अभियान शुरू किया है। पिछले तीन महीनों में, पुलिस ने 110 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो जमानत पर रिहा होने के बाद अदालतों में पेश नहीं हुए थे। इनमें से कई आरोपी, जमानत मिलने के बाद, बार-बार जारी किए गए अदालती समन और गिरफ्तारी वारंट की अनदेखी करते हुए विदेश भाग गए या छिप गए। कुछ तो नई आपराधिक गतिविधियों में भी शामिल पाए गए, जो अप्रत्यक्ष रूप से दूसरों को अपराध करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। इसी तरह की एक और बड़ी सफलता में, शहर की पुलिस ने एक ऐसे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है जो आपराधिक मामलों में आरोपियों की जमानत के लिए फर्जी आधार और आरटीसी दस्तावेज बना रहा था। इस रैकेट के सिलसिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कथित तौर पर, आरोपी प्रत्येक फर्जी जमानत व्यवस्था के लिए 50,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक वसूल रहे थे। पुलिस का मानना है कि इसमें और भी लोग शामिल हैं और जाँच जारी है। इस कार्रवाई के कारण आदतन अपराधियों के लिए जमानत पाना मुश्किल हो गया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर, थाना निरीक्षकों को पुराने मामलों में फरार आरोपियों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने का काम सौंपा गया था। नतीजतन, पुलिस ने पिछले तीन महीनों में ऐसे 75 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान से जिले भर के फरार अपराधियों में हड़कंप मच गया है। कुछ आरोपी कई सालों से अदालती पेशी से बच रहे थे और विदेश या दूसरे राज्यों में रह रहे थे। कुछ तो जिले में चल रही आपराधिक गतिविधियों में अप्रत्यक्ष रूप से मदद भी कर रहे थे।

पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने कहा कि पुराने मामलों में लंबे समय से फरार आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने का चल रहा अभियान अन्य अपराधियों के लिए एक कड़ी चेतावनी है। बड़ी गिरफ्तारियों में विशाल कुमार शामिल है, जो दुबई भाग गया था और 4 सितंबर को मेंगलूरु हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। 19 वर्षों से फरार देवराज को विट्ठल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सात वर्षों से लापता रवींद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। 26 वर्ष पुराने सांप्रदायिक दंगा मामले में आरोपी लीलाधर और चंद्रहास केशव शेट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया। 12 वर्षों से फरार इमरान खान को गिरफ्तार कर लिया गया। उपद्रवी नजीम उर्फ नज्जू को गिरफ्तार कर लिया गया। 55 वर्षों से फरार चंद्रन को पुत्तूर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नौ वारंटों की अनदेखी करने वाले अब्दुल हनीफ को हिरासत में ले लिया गया। 10 वर्षों से फरार थम्मय्या को धर्मस्थल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अंडरवर्ल्ड डॉन काली योगीश के सहयोगी श्रीनिवास शेट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया। 12 वर्षों से लापता अल्ताफ को गिरफ्तार कर लिया गया और विनायक बालिगा हत्या मामले में आरोपी शिवप्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया।

जेबीएन वी कनेक्ट की चौथी अवधि की अंतिम बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी कनेक्ट की चौथी अवधि की अंतिम बैठक आदर्श कॉलेज, चामराजपेट में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लक्ष्मी बाफना (जेएलडब्ल्यू अध्यक्षा), रक्षा छाजेड़ (जेएलडब्ल्यू मुख्य सचिव), मनोज कोचर (एपेक्स जे.बी.एन. संयोजक), रेखा छाजेड़ (एपेक्स स्मॉल स्केल संयोजक), बिंदु रायसोनी (एपेक्स आत्मनिर्भर हाउसहोल्ड संयोजक) तथा तनुजा मेहता (जे.एल.डब्ल्यू. कोषाध्यक्ष एवं जे.बी.एन. संयोजक) मौजूद थे। बैठक का शुभारंभ नवकार मंत्र से हुआ, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। बैठक का मुख्य आकर्षण रहा 5वीं अवधि की लीडरशिप टीम (एलटी) पिनिंग सेरेमनी, जो जे.बी.एन. वी कनेक्ट के लिए गर्व का क्षण रहा। नई लीडरशिप टीम का उत्साह-पूर्वक स्वागत किया गया, जिससे संगठन के नए विकास और सहयोग के अध्याय की शुरुआत हुई। रेफरल टीम (5वीं अवधि) में रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन एवं रेफरल सचिव संगीता जैन शामिल रहीं। इसी अवसर पर आगामी अवधि की रोस्टर शीट का भी शुभारंभ किया गया, जो एक सुनियोजित और प्रेरणादायक शुरुआत का संकेत बना। कार्यक्रम में लर्निंग सेशन का भी आयोजन हुआ, जिसमें वक्ता तनुजा मेहता (फाउंडर, ब्रेन इंस्टिट्यूट जे.एल.डब्ल्यू. कोषाध्यक्ष एवं जे.बी.एन. संयोजक) ने हर व्हाट्सऐप टैप को बनाएं एक स्मार्ट मूव विषय पर प्रेरक प्रस्तुति दी। सत्र ने सदस्यों को व्हाट्सऐप की स्मार्ट फीचर्स का प्रभावी उपयोग कर संवाद और कार्य को और अधिक सशक्त बनाने की प्रेरणा दी। इस दौरान विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। जिसमें 360 ट्रांसफॉर्मेशन सिंपल जैन, हाईएस्ट बिजनेस चंद्रा मेहता, साइलेंट स्ट्रेंथ पूर्वी जसानी एवं बिजनेस गिवर जिया जैन शामिल थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य पथ संचलन सम्पन्न

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गदग में शताब्दी महोत्सव एवं विजयदशमी समारोह के उपलक्ष्य में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में अनुशासित ढंग से भाग लिया। भगवा ध्वज के साथ कदमताल करते स्वयंसेवकों ने नगर की मुख्य सड़कों पर संगठन, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। पथ संचलन वीरशैव जनरल लाइब्रेरी से होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए म्युनिसिपल हाई स्कूल मैदान में पहुंच कर सभा में तब्दील हुआ। जगह जगह पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का हार्दिक स्वागत किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में एकता, संगठन और राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने वाला पर्व है। कार्यक्रम में नगर के अनेक प्रतिष्ठित नागरिक, व्यापारी, विद्यार्थी और समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उत्तर भारतीय राजस्थानी व जैन समाज के नये स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में अनुशासन, मर्यादा और देशभक्ति की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्मैश बॉयज द्वारा राजाजीनगर स्थित आरपीए खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा स्मैश कप 2025 का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों को उत्साह वर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा खेल को खेल की भावना से खेलें। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

ऑनलाइन नौकरी घोटाले में महिला से एक लाख रुपये से अधिक की ठगी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी की एक 23 वर्षीय महिला कथित तौर पर एक ऑनलाइन नौकरी घोटाले का शिकार होकर 1 लाख रुपये से ज्यादा गँवा बैठी। उसे कथित तौर पर एक भारतीय स्ट्रीमिंग सेवा प्लेटफ़ॉर्म पर सहायक डिज़ाइनर के रूप में नौकरी दिलाने का वादा किया गया था। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया, फर्जी साक्षात्कार लिया, जाली ऑफर लेटर जारी किए और सदस्यता शुल्क, यात्रा बीमा और आवास शुल्क सहित विभिन्न बहाने बनाकर पीड़िता से पैसे ऐंठे। संथेकट्टे निवासी महिला ने बताया कि 19 सितंबर को दोपहर लगभग 3:30 बजे, खुद को शिवम दगुबाती बताने वाले एक व्यक्ति ने कंपनी का प्रतिनिधि होने का दावा करते हुए उससे फोन पर संपर्क किया। फिर उसने पहले दौर का साक्षात्कार लिया। एक हफ्ते बाद, उसे एक ऑफर लेटर मिला जिसमें उसे 2,800 रुपये देकर फिल्म कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर्स एसोसिएट के सदस्यता प्राप्त करने के लिए कहा गया था, जिसे उसने 24 सितंबर को ट्रांसफर कर दिया। 1 अक्टूबर, 2025 को, उसे ईमेल द्वारा एक नियुक्ति पत्र मिला जिसमें उसे यात्रा बीमा प्रमाणपत्र के लिए 48,500 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। उसने कथित तौर पर उसी दिन क्यूआर स्कैनर के माध्यम से उस राशि के साथ-साथ 1,500 रुपये अतिरिक्त ट्रांसफर कर दिए। जब उसने आवास के बारे में पूछताछ की, तो आरोपी ने 47,200 रुपये की मांग की। उसने दावा किया कि उसने 3 अक्टूबर को 25,000 रुपये और शेष 22,200 रुपये 4 अक्टूबर को ट्रांसफर कर दिए थे। बाद में आरोपी ने उससे आगे के यात्रा बीमा खर्च के लिए 1.15 लाख रुपये देने को कहा, और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर उसकी नौकरी छूट जाएगी। धोखाधड़ी का एहसास होने पर, शिकायतकर्ता ने 1.05 लाख रुपये वापस मांगे, लेकिन उसे न तो पैसे मिले और न ही वादा की गई नौकरी। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गांजा ले जाते हुए दो लोग गिरफ्तार, 10 किलो गांजा जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बोलेरो गाड़ी में गांजा ले जाते हुए आबकारी अधिकारियों से बच निकले दो लोगों को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे बाइक पर गांजा बेचने की कोशिश कर रहे थे। इसके साथ ही, पुलिस ने गांजा तस्करी मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान फरंगीपेटे निवासी मोहम्मद अजरुद्दीन और अम्मीमार निवासी मोहम्मद अशरफ के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से 10 किलो गांजा जब्त किया। 8 अक्टूबर को, बंटवाल नगर पुलिस ने इससे पहले दो अन्य आरोपियों, अब्दुल सादिक और अब्दुल मजीद को पुलिस उपनिरीक्षक संदीप कुमार शेट्टी के नेतृत्व में गश्त के दौरान गिरफ्तार किया था। यह अभियान दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण के., अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार भूमरेड्डी और बंटवाल के पुलिस उपाधीक्षक एस. विजयप्रसाद के मार्गदर्शन में चलाया गया। बंटवाल नगर पुलिस निरीक्षक अनंतपद्मनाभ ने पुलिस उपनिरीक्षक संदीप कुमार शेट्टी और दुर्गाप्पा, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक नारायण और नवीन कुमार तथा अन्य कर्मचारियों के साथ अभियान का नेतृत्व किया।

दुर्गापुर गैंगरेप मामले में नहीं बख्शे जाएंगे आरोपी दोषियों को मिलेगी सख्त सजा : ममता बनर्जी

कोलकाता, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार की घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त करते हुए निजी मेडिकल कॉलेजों को अपनी छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेने की बात कही। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, लड़की एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी। इसकी जिम्मेदारी किसकी है? निजी मेडिकल कॉलेजों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने छात्रों, खासकर छात्राओं की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। रात में उन्हें बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाओं के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

ममता बनर्जी ने इस घटना को वन क्षेत्र में हुई बताते हुए कहा कि लड़की एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही थी। वह रात के 12.30 बजे कैसे बाहर आई? जहां तक मुझे पता है, घटना वन क्षेत्र में हुई थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ। जांच जारी है। मैं इस घटना को देखकर स्तब्ध हूं, लेकिन प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को भी अपने छात्रों, खासकर लड़कियों का ध्यान रखना चाहिए।

उन्होंने कहा, पुलिस घर पर बैठी नहीं रहेगी, लेकिन कॉलेजों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं केवल पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने मणिपुर, उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों में हुई समान घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी सरकारों को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

ममता ने बताया कि पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाओं में त्वरित कार्रवाई की जाती है और कई मामलों में एक-दो महीने के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दोषियों को सजा दिलाई गई है, जिसमें कुछ मामलों में निचली अदालतों ने फांसी की सजा भी सुनाई है। इस घटना की जांच तेजी से जारी है और पुलिस सभी संदिग्धों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। हमारी सरकार इस मामले में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगी और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे।

उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी भूस्खलन से होटल और दुकानें क्षतिग्रस्त

जम्मू, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के नरसू इलाके में रविवार को भारी भूस्खलन के कारण एक होटल और आसपास की दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि नरसू नाले में जमीन धंसने से कई इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा, भूस्खलन के कारण अमृतसरी हवेली, बुराक स्वीट्स और अजवा स्वीट नाम की इमारतें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने बताया कि अगस्त महीने में हुई हालिया बारिश के दौरान इन इमारतों को पहले ही आंशिक नुकसान पहुंच चुका था। उन्होंने आगे कहा, किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है।

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ ने 2.82 करोड़ रुपए के सोने के साथ तस्कर को पकड़ा

कोलकाता, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर सोने की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से 2.82 करोड़ रुपए कीमत के 20 सोने के बिस्किट मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया। यह जानकारी बीएसएफ अधिकारियों ने रविवार को दी। बीएसएफ ने एक बयान में कहा, पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर होरंदीपुर सीमा चौकी पर तैनात बीएसएफ की दक्षिण बंगाल फ्रंटियर की 32वीं बटालियन के जवानों ने एक भारतीय तस्कर को गिरफ्तार किया। सटीक और विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर जवानों ने कुल 2332.66 ग्राम वजन के बिस्किट बरामद किए।

शनिवार रात होरंदीपुर सीमा चौकी पर तैनात 32वीं बटालियन के जवानों को गोपनीय सूत्रों से विश्वसनीय सूचना मिली कि भारत-बांग्लादेश सीमा के पास मुस्लिमपारा गांव का एक व्यक्ति बांग्लादेश से लाए गए सोने की तस्करी करने की योजना बना रहा है।

सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के लिए कहा गया और तस्कर को रंगेहाथों पकड़ने के लिए संदिग्ध स्थान पर घात लगाकर छापा मारा गया।

अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह करीब 6 बजे पहले से तैयार दल ने एक संदिग्ध व्यक्ति को बांस के घने झुरमुट के पीछे घूमते देखा। इसके बाद उसे घेर कर पकड़ लिया गया। उसकी तलाशी लेने पर एक प्लास्टिक का पैकेट बरामद हुआ, जिसे खोलने पर सोने के 20 बिस्किट मिले। तस्कर को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया और आगे की पूछताछ के लिए होरंदीपुर सीमा चौकी लाया गया।

जब्त किए गए सोने के बिस्कुट और गिरफ्तार संदिग्ध को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया।

बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के जनसंपर्क अधिकारी ने सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों से अपील की है कि वे सोने की तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी बल के 'सीमा साथी' हेल्पलाइन नंबर 14419 पर संपर्क कर दें या 9903472227 पर व्हाट्सऐप के माध्यम से संदेश या वॉयस नोट भेजें। अधिकारियों ने यह भी बताया कि विश्वसनीय जानकारी देने पर उचित पुरस्कार दिए जाएंगे और सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

मोदी सरकार ने सूचना के अधिकार कानून को किया कमजोर : कांग्रेस

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि 20 साल पहले इसी दिन डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने शासन में पारदर्शिता लाने के लिए 'सूचना का अधिकार' (आरटीआई) कानून लागू किया,लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने इसे कमजोर करने का काम किया है।

पार्टी ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने सचाई छिपाने और अपनी कमजोरी जनता के सामने नहीं आने देने के लिए 'सूचना का अधिकार' कानून को सोची समझी रणनीति के तहत कमजोर किया। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार ने इस काम के लिए कानून में संशोधन तक कर डाला। दरअसल उनको डर था कि जनता से किए वादों की पोल खुल न जाए इसलिए सरकार ने कानून ही बदल दिया।

कांग्रेस संचार विभाग प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरटीआई का मकसद था कि शासन-प्रशासन को जो जानकारी है वह जनता को भी मिले, लेकिन मोदी सरकार इस कानून को खत्म करने में लगी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभालने के चार महीने में ही योजना आयोग खत्म कर दिया और अब उनकी योजना आरटीआई को खत्म करने की है। उनका कहना था कि सूचना आयुक्तों के पदों पर भर्ती नहीं हो रही है और इसमें जानबूझकर देर की जाती है ताकि अवैध कार्यों की जानकारी किसी को न मिल सके। सरकार आरटीआई को खत्म कर रही है ताकि उसकी कोई आलोचना न कर सके।

श्री रमेश ने कहा बीस साल पहले 2005 में आरटीआई लागू हुआ। इस कानून की आज 20वीं सालगिरह है। यह कानून कांग्रेस ने लागू किया लेकिन आज इसकी हकीकत बदल गई है। मोदी सरकार ने जुलाई 2019 में इस कानून में बदलाव कर दिए। इनका मकसद कानूनी अधिकारों को कमज़ोर करना और केंद्रीय सूचना आयोग की शक्तियों को कम करना था। संसद की स्थाई समिति के सुझावों को मोदी सरकार ने नजरअंदाज कर दिया ।

मुख्यमंत्री स्टालिन के आवास पर बम धमकी देने वाला अयप्पन गिरफ्तार

चेन्नई, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के आधिकारिक आवास पर बम रखे होने की झूठी धमकी देने के आरोप में पुलिस ने रविवार को 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अयप्पन के रूप में हुई है, जो पहले भी इसी तरह के अपराधों में शामिल रह चुका है। आरोपी अयप्पन ने शनिवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में कॉल करके मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास में बम रखे होने का दावा किया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। मौके पर बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और

तेनाम्पेट पुलिस थाने के कर्मी भेजे गए। गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया गया, और पुलिस ने पुष्टि की कि यह एक फर्जी कॉल थी। जांच के बाद चेंगलपट्टू जिले के तिरुपोरूर निवासी अयप्पन को फर्जी कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया और कॉल करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि अयप्पन एक आदतन अपराधी है। अयप्पन ने वर्ष 2020 में भी कोयंबेडु बस टर्मिनस, एगमोर रेलवे स्टेशन और चेन्नई हवाई अड्डे पर इसी तरह की झूठी धमकियां दी थीं। वर्ष 2021 में, उसे मुख्यमंत्री के आवास पर ऐसी ही एक फर्जी कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।पुलिस विज्ञप्ति के अनुसार, आरोपी शारीरिक रूप से दिव्यांग है, उसकी दो बेटियां हैं और वह शराब का आदी है। उसे भविष्य में ऐसे अपराध न करने की सख्त सलाह दी गई है और बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

केरल में कार्यकर्ताओं पर हमले के बाद भाजपा नेताओं ने माकपा पर निशाना साधा

तिरुवनंतपुरम, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर सबरीमला अयप्पा मंदिर से कथित सोना चोरी के खिलाफ पार्टी के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा करने का आरोप लगाया है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने माकपा पर आरोप लगाया कि उसने राज्य के खजाने को लूटने के बाद अब मंदिरों को लूटने, धमकी देने और सड़क पर हिंसा के जरिए असहमति दबाने का काम शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, अगर माकपा सोचती है कि वह गुंडागर्दी से असहमति कुचल सकती है तो वह ग़लतफ़हमी में हैं। भाजपा चुप नहीं रहेगी। जब डीवाईएफआई कार्यकर्ता शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकते हैं तो इससे यही साबित होता है कि मंत्री वी.एन. वासवन कुछ छिपा रहे हैं।

श्री चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि सबरीमला सोना चोरी की कथित घटना में श्री वासवन और माकपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता है। उन्होंने कहा कि एट्टुमनूर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से लौट रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसक हमला सत्तारूढ़ दल की हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, महिला कार्यकर्ताओं पर भी हमला किया गया। यह राजनीति नहीं, बर्बरता है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि जब माकपा कार्यकर्ता हमला कर रहे थे तब पुलिस चुपचाप खड़ी तमाशा देख रही थी।

भाजपा के प्रदेश महासचिव अनूप एंटनी ने कथित हमले की निंदा करते हुए कहा, कम्युनिस्ट शासन इसी तरह अपना भ्रष्टाचार छुपाता है लेकिन भाजपा की लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक मंत्री श्री वासवन इस्तीफा नहीं देते और यह हिंसक राजनीतिक संस्कृति समाप्त नहीं हो जाती।

पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन ने भी सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए इस घटना को लोकतंत्र और आस्था पर हमला करार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और भाजपा नेताओं का दावा है कि एट्टुमनूर में विरोध मार्च से लौटते समय पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया, जिसमें कई लोग घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

विश्व मानक दिवस पर भारतीय मानक ब्यूरो नोएडा शाखा द्वारा क्वालिटी रन का आयोजन

नोएडा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। 12 अक्टूबर 2025 को विश्व मानक दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नोएडा शाखा कार्यालय ने 'क्वालिटी रन' का आयोजन किया।

इसका उद्देश्य गुणवत्ता, मानकीकरण और उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक श्री विक्रांत ने हरी झंडी दिखाकर की। 5 विद्यालयों के 400 से अधिक छात्रों ने भाग लेकर उत्साह दिखाया।

मुख्य अतिथि डॉ. श्वेता खुराना ने स्वस्थ जीवनशैली, नशामुक्त समाज और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के महत्व पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि श्री तरुण कुमार ने भी बच्चों में गुणवत्ता, स्वास्थ्य और अनुशासन की भावना विकसित करने की बात कही।

इस रन के माध्यम से बीआईएस ने संदेश दिया कि मानकों का पालन केवल उद्योगों के लिए नहीं, बल्कि आम जीविका का महत्वपूर्ण भाग है। कार्यक्रम का संचालन नोएडा शाखा की टीम ने किया और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह वितरित किए गए।

कार्यक्रम में बीआईएस के अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने सक्रियता से हिस्सा लिया और गुणवत्ता से बनेगा भारत का संदेश दिया।

यूपी में नॉरकोटिक्स टीमों के ताबड़तोड़ छापे, लखनऊ सहित कई जिलों में पड़ताल

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोडिन कफ सिरप की धरपकड़ के लिए रविवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने जिले भर में छापे मारे। लखनऊ, रायबरेली व सीतापुर में टीमों ने 10 जगह पर छापा मारकर जांच की। इस दौरान कई फर्म संचालक शटर बंद करके भाग गए। टीम ने फर्म संचालकों को फोन करके कफ सिरप खरीद से जुड़े दस्तावेज तलब किए हैं।

जांच दौरान गड़बड़ी मिलने पर दो मेडिकल स्टोर (एक लखनऊ व एक सीतापुर में) सील किए गए। अफसरों का कहना है कि गुजरात की एक फर्म जिसका

डिपो लखनऊ में है, के जरिये नॉरकोटिक्स की दवाओं व कफ सिरप की आपूर्ति कई जिलों में की गई थी। एफएसडीए के सहायक मंडल आयुक्त ब्रजेश यादव ने बताया कि छापे के लिए 13 जिलों के ड्रग इंस्पेक्टरों को लखनऊ बुलाया गया। टीम ने लखनऊ में नौ फर्म व सीतापुर में एक फर्म की जांच की। सहायक मंडल आयुक्त के मुताबिक, ट्रांसपोर्ट नगर स्थित इधिका लाइफ सांइसेज व अर्पिक फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के तीन स्थानों पर जांच की गई जिसमें फर्म के अंदर गड़बड़ी मिली। नॉरकोटिक्स औषधियों का भंडारण संतोषजनक नहीं था। फर्म के जरिये भारी मात्रा में कोडिन कफ सिरप विक्रय में अनियमितता मिली। बिक्री से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए हैं। ब्रजेश ने बताया इधिका व अर्पिक फर्म के मालिक मनोहर जैसवाल हैं, जो गुजरात में रहते हैं। लखनऊ में इनका डिपो है। गुजरात की इस फर्म के जरिये बड़ी तादाद में कोडिन सिरप प्रदेश के विभिन्न जिलों में भेजा जा रहा था।

गाजीपुर में प्रबुद्धजन संवाद संगम कार्यक्रम में बोले सीएम योगी

बाबा साहब के संविधान में चोरी-छिपे डाला गया धर्मनिरपेक्ष शब्द

गाजीपुर, 11 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भुड़कुड़ा सिद्ध पीठ में आयोजित प्रबुद्धजन संवाद संगम कार्यक्रम में कहा कि भारत की सनातन धर्म की परंपरा ने कभी भी उपासना विधि में कट्टरता नहीं दिखाई, और दुनिया आज तक धर्म और पंथ के अंतर को नहीं समझ पाई है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द चोरी-छिपे डाला गया। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को स्पष्ट करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को एक विकसित राज्य बनाया जाएगा, जहां हर हाथ को काम, हर सर को छत, हर खेत में पानी, हर चेहरे पर खुशहाली और हर बेटी व व्यापारी को सुरक्षा मिले। इस विकास के माध्यम से उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था का अग्रणी फोर्स बनकर नेतृत्व करेगा।

जनपद में आयोजित प्रबुद्धजन संवाद संगम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भुड़कुड़ा सिद्ध पीठ में पूज्य संत रामाश्रय दास जी महाराज की भव्य और दिव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने पीठाधीश्वर पूज्य संत श्री शत्रुघ्न दास जी महाराज, महाविद्यालय परिवार और क्षेत्रवासियों के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भुड़कुड़ा सिद्ध पीठ भारतीय आध्यात्मिक परंपरा, विशेषकर सतनामी संप्रदाय, से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने संत रामाश्रय दास जी महाराज की शिक्षाओं और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि महाविद्यालय परिसर में उनकी मूर्ति स्थापित करना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा।

उन्होंने भारत की सनातन परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता और आध्यात्मिक ज्ञान को वैश्विक संदर्भ में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हमने कभी नहीं कहा कि जो मंदिर जाएगा वही हिंदू है और जो नहीं जाएगा वह नहीं।

हमारी परंपरा सबको गले लगाती है। उन्होंने संत रामानंद के विचारों को भी उद्धृत किया, जाति पाति पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होई। मुख्यमंत्री ने गाजीपुर की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए महर्षि विश्वामित्र और भगवान राम के संबंध को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इसी परंपरा और ज्ञान के आधार पर गाजीपुर में महर्षि विश्वामित्र राजकीय मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई।

योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों और छात्रों से आग्रह किया कि वे अनुशासन, गुरु और संतों के प्रति श्रद्धा बनाए रखते हुए शिक्षा और विकास की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक ज्ञान के साथ पारंपरिक आध्यात्मिक ज्ञान को जोड़ना आवश्यक है, ताकि समाज और राष्ट्र का कल्याण हो। मुख्यमंत्री ने विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के लक्ष्य को भी दोहराया और सभी संस्थाओं से सुझाव देने का आह्वान किया, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्किल डेवलपमेंट, पर्यटन और निवेश जैसे क्षेत्रों में प्रदेश का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने महाविद्यालय और पीठ के सभी विद्यार्थियों, आचार्यों, भक्तों और अनुयायियों को दीपावली की मंगलमय शुभकामनाएं दीं और पूज्य संत रामाश्रय दास जी महाराज की प्रतिमा स्थापना का महत्व समझाया। इस अवसर पर पूज्य संत श्री शत्रुघ्न दास जी महाराज, प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीद्र जायसवाल, राज्यसभा सांसद संगीता बिंद बलवंत, सपना सिंह, विशाल सिंह चंचल, विधायक जखनिया बेदी राम, बीजेपी के पदाधिकारीगण सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद थे।

योगी सरकार ने बहाल की आजम खान की वाई श्रेणी की सुरक्षा

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक आजम खान बीते सितंबर में 23 महीने बाद जेल से रिहा हुए। पिछले काफी समय से आजम खान चर्चा में हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने उनकी वाई श्रेणी की सुरक्षा बहाल कर दी है। शनिवार यानि 11 अक्टूबर से ही आजम खान की सुरक्षा में गार्ड और गनर तैनात कर दिए गए हैं। पहले उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई थी और सरकार ने कहा था कि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत आजम खान को तीन गनर और अन्य सुरक्षाकर्मी मिलेंगे, जो उनके आवास पर 24 घंटे तैनात रहेंगे।

आजम खान उत्तर प्रदेश के चर्चित नेताओं में से हैं और कभी वह उत्तर प्रदेश के सबसे ताकतवर मंत्री हुआ करते थे। आजम खान रामपुर विधानसभा सीट से 10 बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं। वह एक बार लोकसभा के सांसद भी रह चुके हैं। 2022 में विधायक बनने के बाद आजम खान ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि उसके बाद उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई थी।

आजम खान की सुरक्षा उनकी राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए बढ़ाई गई है। लगातार उनसे मिलने अलग-अलग राजनीतिक दलों के लोग आ रहे हैं। ऐसे में आजम खान को सुरक्षा की जरूरत है। बताया जाता है कि जब सितंबर में जेल से आजम खान बाहर आए थे, उसके तुरंत बाद ही उन्हें सुरक्षा दे दी गई थी, लेकिन उन्होंने सुरक्षा लेने से इनकार कर दिया था। हालांकि अब इंटेलिजेंस के इनपुट पर उन्हें फिर से सुरक्षा दी गई है।

आजम खान से मिले स्वामी प्रसाद मौर्य, कयासबाजी जारी

रामपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जेल से रिहा होने के बाद सपा नेता और यूपी सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान से नेताओं के मिलने का सिलसिला जारी है। 8 अक्टूबर को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद रामपुर पहुंचकर आजम खान से मुलाकात की थी। इसी बीच शनिवार को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के अध्यक्ष और यूपी सरकार के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने आजम खान से उनके आवास पर मुलाकात की। स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस मुलाकात को औपचारिक बताते हुए कहा कि आजम खान 10 बार के विधायक, चार बार मंत्री और नेता प्रतिपक्ष भी रहे हैं। लोकसभा एवं राज्यसभा के भी सदस्य रहे हैं। प्रदेश और देश में उनका बड़ा नाम है। उन्होंने बेदाग राजनीति की है।

सपा नेता आजम खान ने इशारों में साफ किया कि अभी उनका पूरा फोकस स्वास्थ्य पर है। उन्होंने भाजपा शासन को निशाने पर लेते हुए खुद को मजलूम बताते हुए सरकार की कार्रवाई को व्यक्तिगत और पारिवारिक तबाही का कारण बताया। सियासी समीकरणों को लेकर उन्होंने कहा कि मुर्गा बांग नहीं देगा तो सूरज नहीं निकलेगा? यानी उनके बिना भी सियासत चलेगी। फिलहाल वे सिर्फ अपनी सेहत को प्राथमिकता दे रहे हैं। मुलाकात को लेकर दोनों नेताओं ने कोई ठोस सियासी संकेत नहीं दिया, लेकिन मुलाकात के मायने और अटकलें लगातार लगाई जा रही हैं।

यूपी के बागपत में हुआ लोमहर्षक हत्याकांड

छात्रों ने मौलाना की बीवी और बेटी को मारा

मौलाना की सख्ती से नाराज थे मदरसे के छात्र

बागपत, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले की एक मस्जिद में मौलाना की बीवी और उसकी दो छोटी बेटियों की हत्या 14 और 15 साल के दो नाबालिग छात्रों ने कर दी। दोनों छात्र मस्जिद के मदरसे में पढ़ते थे और मौलाना से ही तालीम लेते थे। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह रोज-रोज मौलाना के उनकी पिटाई करने से नाराज थे और बदला लेना चाहते थे।

घटना दोघट थाने के गांगनौली गांव की है। शनिवार 11 अक्टूबर की सुबह करीब 9 बजे मौलाना इब्राहिम ने पढ़ाई के दौरान दोनों छात्रों की पिटाई की थी। इसके बाद मौलाना सहारनपुर के देवबंद में अफगानी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के स्वागत कार्यक्रम में चले गए। दोपहर करीब एक बजे दोनों छात्र मस्जिद पहुंचे। ऊपर बने कमरे में मौलाना की बीवी इसराना और उसकी दो बेटियां सोफिया और सुमैय्या सो रही थीं। छात्रों ने कमरे में रखे हथौड़े से तीनों पर हमला किया और फिर चाकू से गला रेतकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद दोनों मौके से भाग निकले।

दोपहर करीब 2 बजे लोग नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद पहुंचे। उन्होंने मौलाना को आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब लोग ऊपर गए तो कमरे से खून बहता दिखा। दरवाजा खोला गया तो अंदर बीवी और दोनों बेटियों की लाशें खून से लथपथ पड़ी थीं। वारदात की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर जमा हो गए। पुलिस और सीनियर अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। मस्जिद के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे बंद थे, इसलिए पुलिस को शुरू में शक मौलाना इब्राहिम पर ही गया। जब वह देवबंद से लौटे तो उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने पूरी बात बताई तो बाद में पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया।

फोरेंसिक टीम और डॉग स्कायड ने मौके की जांच की। फिर मस्जिद के बाहर और आसपास लगे कैमरे खंगाले गए। फुटेज में दोनों छात्र दोपहर 12:30 बजे मस्जिद में घुसते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को हिरासत में लिया। पहले तो उन्होंने इंकार किया, लेकिन अंत में अपना गुनाह कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि मौलवी इब्राहिम अक्सर उन्हें सबके सामने पीटते और बेइज्जत करते थे। सुबह हुई पिटाई के बाद उन्होंने बदला लेने का प्लान बनाया और दोपहर में वारदात को अंजाम दे दिया। हत्या के बाद दोनों आरोपित भीड़ में शामिल हो गए और पुलिस के सामने हंगामा करते रहे। उन्होंने नारेबाजी भी की और कहा, हमारे मौलवी साहब ऐसा नहीं कर सकते, ऐसा इसलिए ताकि शक उन पर न जाए।

खाते में सात करोड़ आते ही महंत की हुई संदिग्ध मौत

अयोध्या, 12 अक्टूबर (एजेंसियां) अयोध्या स्थित रावत मंदिर के महंत राम मिलन दास के खाते में जमीन बिक्री से संबंधित सात करोड़ रुपए आने के कुछ देर बाद ही उनकी संदेहास्पद मृत्यु हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भोजन करने के कुछ देर बाद ही महंत की तबीयत अचानक बिगड़ गई। मुंह से झाग निकलने लगा। शिष्यों ने उन्हें श्रीराम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महंत को मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर अयोध्या कोतवाली प्रभारी मनोज शर्मा मौके पर पहुंचे। मामले की जांच की जा रही है। दिगंबर अखाड़ा के महंत रामलखन दास और वामन मंदिर के महंत वैदेही बल्लभ शरण भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की। शिष्यों का कहना है कि महंत राममिलन दास सरल और धार्मिक स्वभाव के संत थे। वे पिछले 15 वर्षों से रावत मंदिर के महंत के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उनके गुरु राममिलन दास राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख अगुवाओं में से एक रहे थे।

मंदिर से जुड़ी जमीन की बिक्री से करीब सात करोड़ रुपए उनके खाते में आए थे। घटना की जानकारी पर डीएम निखिल टीकाराम फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर भी अस्पताल पहुंचे। महंत की मौत के कारणों पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

हरिओम वाल्मीकि हत्याकांड

सीएम योगी ने दी नौकरी 6.90 लाख रुपए और आवास

सिर्फ बाबा ही कर सकते हैं दलितों की रक्षा: संगीता वाल्मीकि

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। रायबरेली जिले के ऊंचाहार इलाके में भीड़ के हमले में मारे गए हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात की। मुलाकात के बाद उनकी पत्नी संगीता वाल्मीकि की वीडियो सामने आई है, जिसमें वह कह रही हैं कि वो सीएम योगी की कार्रवाई से संतुष्ट है।

हरिओम वाल्मीकि की पत्नी संगीता अपने पिता छोटे लाल और बेटी अनन्या के साथ सीएम योगी से मुलाकात करने लखनऊ पहुंची थी। मुलाकात के बाद संगीता ने कहा, मुख्यमंत्री जी को मैं धन्यवाद देने आई हूं। मुझे पूरा न्याय मिल रहा है और जितने भी दलित लोग हैं उनको न्याय सिर्फ योगी बाबा ही दिला सकते हैं। अन्यथा कोई नहीं दिला सकता। उन्होंने कहा, बाबा ने मुझे 6 लाख 90 हजार रुपए दिए हैं और मुझे एक नौकरी भी देने के लिए कहा है। वो मुझे एक आवास भी देंगे। मैं बहुत संतुष्ट और बहुत खुश हूं, मुझे पूरा सपोर्ट मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि फतेहपुर जिले के मूल निवासी दलित व्यक्ति हरिओम वाल्मीकि को भीड़ ने चोर होने के शक में पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आलू की बुआई कर रहे छात्र ने पुलिस को देख नदी में लगाई छलांग

कन्नौज,12 अक्टूबर (एजेंसियां)। खेत में आलू की बुआई कर रहे छात्र ने पुलिस को देखकर नदी में छलांग लगा दी। छह घंटे बीतने के बाद भी छात्र का पता नहीं चल सका।

एसपी, कोतवाल समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए और छात्र की तलाश शुरू कराई है। कोतवाली गुरसहायगंज के ग्राम तेरारागी के मजरा देवीपुरवा निवासी कमलेश का 17 वर्षीय पुत्र धर्मवीर इंटर का छात्र है। रविवार को खेत में आलू की बुआई कर रहा था।

रविवार सुबह करीब 10 पुलिस कर्मियों ने गांव जाकर धर्मवीर के बड़े भाई किशनपाल के बारे में पूछा, जिस पर दो वर्ष पहले एक लड़की को ले जाने का आरोप है। घर पर किशनपाल की मां अमरावती व छोटे भाई रामजीत मिले। मां ने बताया कि किशनपाल बाहर रहता है और एक बेटा धर्मवीर खेत पर काम कर रहा है।

पुलिस खेत पर पहुंची तो धर्मवीर भागकर काली नदी की झाड़ियों के बीच छिप गया, जब पुलिस ने खोजबीन की तो छात्र नदी में कूद गया। इसके बाद पुलिसकर्मी चले गए। परिजनों ने डायल 112 पर घटना की सूचना दी। करीब छह घंटे बीतने के बाद भी छात्र का पता नहीं चल सका। इससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है। जानकारी पर एसपी विनोद कुमार, कोतवाल आलोक दुबे बल के साथ मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से छात्र की तलाश करा रहे हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती का फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर डाला, भड़के बसपाई, होगी रिपोर्ट दर्ज

लखनऊ, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती के फोटो को एडिट कर सोशल मीडिया पर अपलोड करने से बसपाइयों में रोष व्याप्त हो गया है। बसपा जिला अध्यक्ष हाथरस और अलीगढ़ के कोऑर्डिनेटर ने स्थानीय बसपाइयों के साथ सिकंदराराऊ कोतवाली जाकर इसकी तहरीर दी है। बसपाइयों ने रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। सीओ ने जांच कर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया है। बता दें कि सिकंदराराऊ निवासी युवा नदीम अख्तर की आईडी से बहन मायावती के फोटो को एडिट कर उनको दूसरी विचारधारा की पोशाक में दिखाकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। बसपाइयों ने जैसे ही सोशल मीडिया पर यह आपत्तिजनक पोस्ट देखी उनमें रोष व्याप्त हो गया। बसपा जिलाध्यक्ष राज कपूर ने कोतवाली पर कहा कि पूरा घटनाक्रम पार्टी मुख्यालय लखनऊ में बताया गया, वहां से निर्देश प्राप्त हुआ कि स्थानीय कोतवाली में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई जाए। निर्देश के अनुसार स्थानीय बसपा विधानसभा अध्यक्ष पवन कुमार ने कोतवाली में दी गई तहरीर में उल्लेख किया है कि नदीम अख्तर ने अपनी फेसबुक आईडी से सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती के विरुद्ध पोस्ट शेयर की है। नदीम अख्तर की इस भड़काऊ पोस्ट से बसपाइयों एवं आम जनता की आस्था आहत हुई है। शीघ्र ही रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए।सीओ सिकंदराराऊ जैनेंद्र नाथ अस्थाना ने कहा है कि तहरीर के साथ स्क्रीनशॉट प्राप्त हो गया है। शीघ्र ही रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। कोतवाली में विरोध दर्ज करने वालों में अलीगढ़ कोऑर्डिनेटर वीरेंद्र विक्रम सिंह, जिलाध्यक्ष हाथरस राजकपूर, जिला कोषाध्यक्ष मनोज पंडित, समाज प्रिय रत्न, हुकम सिंह, पवन कुमार, आरसी निमेष एवं मुन्नालाल शामिल रहे।

संपादकीय

आत्मघाती टैरिफ नीति

आत्मघाती टैरिफ नीति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विश्व व्यापार युद्ध को भड़काने में लगे हैं किन्तु वह अपने ही नागरिकों को इस युद्ध का शिकार बना रहे हैं। मौजूदा वक्त में ट्रंप ने चीन से अमेरिका के लिए निर्यात होने वाले उत्पादों पर 30 प्रातिशत का टैरिफ लगा रखा है जबकि चीन ने अमेरिका के उत्पादों पर 10 प्रातिशत। लेकिन शनिवार को अमेरिका ने चीन के सभी उत्पादों पर 100 प्रातिशत अतिरिक्त टैरिफ ठोंक कर, एक बार फिर व्यापार युद्ध की आग में घी डाल दिया, परिणामस्वरूप विश्व व्यापार विलेज की धारणा ही बदल गईं। चीन पर लगे इस अतिरिक्त टैरिफ के बाद तो चीन पर वुल 130 प्रातिशत का ट्रंप टैरिफ हो गया। दरअसल अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ पर वार्ता तो चल ही रही थी किन्तु जिस तरह अमेरिकी वार्ताकार अपनी शर्तें दूसरे पक्ष पर थोपते हैं, उससे साफ जाहिर होता है कि अमेरिका दादागिरी के बल पर टैरिफ बढ़ाता-घटाता है। ट्रंप की दादागिरी के जवाब में कईं देशों ने अमेरिका को निर्यात करने वाली वस्तुओं पर रोक लगाकर अमेरिकी उपभोक्ताओं के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी। अमेरिकी उपभोक्ता भी मानते हैं कि सारी फसाद की जड़ में ट्रंप के दिमाग में टैरिफ बढ़ाने का खुराफाती विचार है। पहले ब्राजील ने अमेरिका को कॉफी निर्यात करना बंद कर दिया फिर भारत और चीन ने सोयाबीन निर्यात को रोक दिया। लेकिन चीन ने जब देखा कि ट्रंप टैरिफ सौदेबाजी कर रहे हैं तब उसने रेयर अर्थ एलीमेण्ट्स यानि दुर्लभ खनिज पदार्थ अमेरिका को दी जाने वाली आपूर्ति की मात्रा में ज्यादा कटौती कर दी। ये दुर्लभ खनिज पदार्थ इलेक्ट्रानिक वाहन, स्मार्ट फोन, रक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा उद्योगों के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं। ट्रंप का चीन पर आरोप है कि वह दुनिया को बंधक बना रहा है और अपनी सप्लाईं चेन की ताकत का दुरुपयोग कर रहा है। मतलब यह कि जब अमेरिका चीन के वार्ताकारों से अपनी शर्त नहीं मनवा पाए तो राष्ट्रपति ट्रंप भन्नाए और उन्होंने चीन पर 100 प्रातिशत अतिरिक्त टैरिफ ठोंकने का आत्मघाती पैसला लिया, जिसका परिणाम यह हुआ कि वैश्विक शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट आईं। एनएएसडीएक्यू यानि नेशनल एसोसिएशन ऑफ सिक्योरिटीज डीलर्स आटोमेटेड कोटेशन्स में 3.6 प्रातिशत तो एस एण्ड पी 5000 में 2.7 प्रातिशथ की गिरावट आ गईं। अप्रैल के बाद वाल स्ट्रीट का यह दिन सबसे खराब साबित हुआ। ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि वह राष्ट्रपति शी जिन पिग से मिलना चाहते थे किन्तु अब मिलने की कोईं जरूरत नहीं है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि ट्रंप की टैरिफ नीति अच्छी होती तो वॉल स्ट्रीट अमेरिका का आखिर क्यों पस्त होता? इसका मतलब है कि ट्रंप नीति ही आत्मघाती है। सभी व्यापारिक पार्टनर से ट्रंप ने पंगे ले रखा है। अच्छा भला व्यापारिक माहौल सामंजस्यपूर्ण बना हुआ था किन्तु ट्रंप ने इस व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया। किसी भी सरकार का ज्यादा से ज्यादा राजस्व एकत्र करने का अधिकार है, लेकिन उस सरकार को इस बात पर भी तनिक ध्यान देना चाहिए कि यदि निर्यात देशों की सरकार से आने वाले उत्पादों का निर्यात बिल्वुल कम मात्रा में कर दे तो अमेरिकी नागरिकों की कितनी दयनीय स्थिति हो जाएगी। किन्तु ट्रंप ने सब वुछ चौपट कर दिया। ट्रंप के टैरिफ सनक से अमेरिकी उपभोक्ताओं को तो महंगाईं से जूझना पड़ ही रहा है, दुनिया के तमाम देश इस बात को मान रहे हैं कि टैरिफ को जिस तरह राजनीतिक हथियार बनाकर ट्रंप ने अपने दोस्त और दुश्मनों को सबक सिखाने के लिए लागू किया है, उससे एक बात तो साफ है कि अमेरिकी उपभोक्ता ट्रंप की नासमझी को ही सारी समस्याओं की जड़ मानते हैं। बहरहाल ट्रंप खुद को अमेरिका का सम्राट मानते हैं जबकि लोकतांत्रिक प्राव्रिया की जो सुव्यवस्थित परिपाटी वहां सुनिति हो चुकी है उसको बाधित करके ट्रंप ने अपने देश की जनता को वंगाली के महाअंध वूप में धकेल दिया है। ट्रंप ने अपनी जनता को झूठ की पुड़िया पेश की कि जो टैरिफ नीति लाए हैं उससे तो राजस्व इतना एकत्र होगा कि अमेरिका एक बार फिर महान और धनवान बन जाएगा। लेकिन हो रहा है उल्टा वह तो मुद्रास्फीति और मंदी की शिकार हुईं ही, उन देशों के उद्यमियों को भी संकट में डाल दिया जिनका उत्पाद अमेरिका में निर्यात होता था। लब्बोलुआब यह है कि ट्रंप ने जब टैरिफ को हथियार बनाकर अपने व्यापारिक सहयोगी देशों को निशाना बनाया, तब उसे इस बात का एहसास तो होना चाहिए था कि प्रातिव्रिया स्वरूप अमेरिका के खिलाफ वे देश भी कार्रवाईं करेंगे।

ट्रंप ने चीन से अमेरिका के लिए निर्यात होने वाले उत्पादों पर 30 प्रातिशत का टैरिफ लगा रखा है जबकि चीन ने अमेरिका के उत्पादों पर 10 प्रातिशत। लेकिन शनिवार को अमेरिका ने चीन के सभी उत्पादों पर 100 प्रातिशत अतिरिक्त टैरिफ ठोंक कर, एक बार फिर व्यापार युद्ध की आग में घी डाल दिया, परिणामस्वरूप विश्व व्यापार विलेज की धारणा ही बदल गईं। चीन पर लगे इस अतिरिक्त टैरिफ के बाद तो चीन पर वुल 130 प्रातिशत का ट्रंप टैरिफ हो गया। दरअसल अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ पर वार्ता तो चल ही रही थी किन्तु जिस तरह अमेरिकी वार्ताकार अपनी शर्तें दूसरे पक्ष पर थोपते हैं, उससे साफ जाहिर होता है कि अमेरिका दादागिरी के बल पर टैरिफ बढ़ाता-घटाता है। ट्रंप की दादागिरी के जवाब में कईं देशों ने अमेरिका को निर्यात करने वाली वस्तुओं पर रोक लगाकर अमेरिकी उपभोक्ताओं के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी। अमेरिकी उपभोक्ता भी मानते हैं कि सारी फसाद की जड़ में ट्रंप के दिमाग में टैरिफ बढ़ाने का खुराफाती विचार है। पहले ब्राजील ने अमेरिका को कॉफी निर्यात करना बंद कर दिया फिर भारत और चीन ने सोयाबीन निर्यात को रोक दिया। लेकिन चीन ने जब देखा कि ट्रंप टैरिफ सौदेबाजी कर रहे हैं तब उसने रेयर अर्थ एलीमेण्ट्स यानि दुर्लभ खनिज पदार्थ अमेरिका को दी जाने वाली आपूर्ति की मात्रा में ज्यादा कटौती कर दी।

कुछ अलग

सादगी की शक्ति

एक बार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जेल में पानी पीने के लिए लंबी कतार में काफी देर तक खड़े रहे। बुजुर्ग होने के बावजूद वे खामोश और शांत थे। उस समय उनका नाम पूरे देश में जाना जाता था। उनके ठीक बगल में तस्कर हाजी मस्तान भी खड़ा था, जो लगातार नखरे कर रहा था और जेल में भी रौब दिखा रहा था। यह घटना 1975 की है, जब देश में आपातकाल लागू थी। मस्तान को भी जेल जाना पड़ा, लेकिन जेल में भी उसका वीआईपी रुतबा बना रहा। वह अधिकारियों को फटकारता, आदेश देता और खास सुविधा पाने की कोशिश करता। लेकिन जब उसने जयप्रकाश नारायण को साधारण कैदी की तरह कतार में खड़े देखा — बिना किसी शिकायत या विशेष सुविधा के — तो वह भीतर से हिल गया। जेपी की सादगी, संयम और विचारों ने मस्तान को गहराई से प्रभावित किया। करीब 18 महीने बाद जब मस्तान जेल से बाहर आया, तो उसने अपराध की दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। उस समय देश के प्रमुख अख़बारों ने इस घटना को सचित्र प्रकाशित किया था। उन तस्वीरों में देखा जा सकता था कि कैसे जयप्रकाश नारायण के सामने हाजी मस्तान, यूसुफ पटेल, सुकरनारायण बखिया जैसे कुख्यात तस्कर ईमानदारी और सादगीपूर्ण जीवन जीने की सौगंध ले रहे थे।

भारत के साथ इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध निस्संदेह बने रहेंगे

भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली

रमाकांत द्विवेदी

भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुव्रवार, 10 अक्टूबर, 2025 को नईं दिल्ली में अफ़गानिस्तान के विदेश मंत्री, मावलवी अमीर ख़ान मुत्ताक़ी की मेज़बानी की। 2021 के बाद से यह दोनों पक्षों के बीच पहली उच्च-स्तरीय वार्ता थी। चर्चा में अफ़गानिस्तान की आर्थिक बहाली, उग्रवाद और आतंकवाद के ख़िलाफ़ लड़ाईं, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और दवा, कनेक्टिविटी और सुव्यवस्थित पारगमन, व्यापार और ऊर्जा जैसे मुद्दे शामिल थे। तालिबान नेता संयुत्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति से अस्थायी यात्रा छूट प्राप्त करने के बाद नईं दिल्ली पहुँचे, क्योंकि उन पर संयुत्त राष्ट्र के प्रतिबंध लागू हैं, जिनमें यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति ज़ब्त करना शामिल है। भारत-अफ़गानिस्तान संबंध सहत्राब्दियों पुराने हैं और ऐतिहासिक व सयतागत क्षेत्रों में समानताएँ रखते हैं।

भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की पुनस्र्थापना एक सहयोगात्मक और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के दौरान, एस जयशंकर ने घोषणा की कि भारत अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जिसे चार साल पहले बंद कर दिया गया था। भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुव्रवार, 10 अक्टूबर, 2025 को नईं दिल्ली में अफ़गानिस्तान के विदेश मंत्री, मावलवी अमीर ख़ान मुत्ताक़ी की मेज़बानी की। 2021 के बाद से यह दोनों पक्षों के बीच पहली उच्च-स्तरीय वार्ता थी। चर्चा में अफ़गानिस्तान की आर्थिक बहाली, उग्रवाद और आतंकवाद के ख़िलाफ़ लड़ाईं, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और दवा, कनेक्टिविटी और सुव्यवस्थित पारगमन, व्यापार और ऊर्जा जैसे मुद्दे शामिल थे। तालिबान नेता संयुत्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति से अस्थायी यात्रा छूट प्राप्त करने के बाद नईं दिल्ली पहुँचे, क्योंकि उन पर संयुत्त राष्ट्र के प्रतिबंध लागू हैं, जिनमें यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति.जब्त करना शामिल है। भारत-अफ़गानिस्तान संबंध सहत्राब्दियों पुराने हैं और ऐतिहासिक व सयतागत क्षेत्रों में समानताएँ रखते हैं। अफ़गानिस्तान के साथ भारत के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं। इन दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार सिल्क रोड से कम से कम तीन हज़ार साल पहले से है। यह सामरिक, आर्थिक और व्यापारिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत के साथ इसके ऐतिहासिक और सांस्वृतिक संबंध, निस्संदेह, स्थायी रुचि के बने रहेंगे। लेकिन साझा हितों को बढ़ावा देने के लिए अफ़गानिस्तान में समकालीन घटनाओं के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता अधिक महत्वपूर्ण है। नईं दिल्ली और काबुल के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था और नवाचार, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा, संपर्व और सुव्यवस्थित पारगमन, प्रमुख क्षेत्र हैं। हमें व्यापार, आर्थिक और निवेश के क्षेत्र में भारत- अफ़गानिस्तान संबंधों को और गहरा करने के लिए एक रोडमैप की आवश्यकता है। अफ़गानिस्तान की आर्थिक सुधार और विकास परियोजनाओं में भारत की भूमिका, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक अवसंरचना और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में, एक महत्वपूर्ण कारक है। अफ़गानिस्तान के साथ भारत के चल रहे स्वास्थ्य सेवा सहयोग के हिस्से के रूप में, कईं परियोजनाएँ शुरू की जा रही हैं, जिनमें एक थैलेसीमिया वेंद्र, एक आधुनिक निदान वेंद्र की स्थापना और काबुल स्थित इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान में हीटिंग सिस्टम को बदलना शामिल है। इसके अतिरित्त, भारत काबुल के बगरामी ज़िले में 30 बिस्तरों वाला एक अस्पताल, काबुल में एक ऑन्कोलॉजी वेंद्र और एक ट्रॉमा सेंटर, और पत्तिका, खोस्त और

पंत्तिया प्रांतों में पाँच प्रसूति स्वास्थ्य क्लिनिक का निर्माण करेगा। अफ़गान नागरिकों को लगभग 75 वृत्रिम अंग सफलतापूर्वक लगाए गए हैं, जिसकी अफ़गान सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दोनों ने व्यापक रूप से सराहना की है। एक विशेष सद्भावना के रूप में, भारत अफ़गान लोगों को बीस एम्बुलेंस उपहार में देगा। विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के बाद विदेश मंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से इन एम्बुलेंसों को सौंपा। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, भारत ईं- आईंसीसीआर छात्रवृत्ति योजना के तहत अफ़गान छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता रहा है। आईंसीसीआर और अन्य छात्रवृत्ति कार्यांमों के तहत अफ़गान छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन के अन्य अवसरों पर सायि रूप से विचार किया जा रहा है। अफ़गानिस्तान की धारणा में, भारत एक स्वागतयोग्य और सौम्य पड़ोसी है। काबुल बाज़ार अर्थशास्त्र में भारत के विकासात्मक अनुभव से भी सीखना चाहता है। भारत, क्षेत्रीय स्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और धरमिक उग्रवाद के मुद्दों के समाधान के लिए अफ़गानिस्तान के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारतीय और अफ़गान उद्यमियों को नए रास्तों और बाज़ारों पर पेशेवर और समय पर शोध सलाह प्रदान करने की सख़्त ज़रूरत है। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण वांछनीय और अपरिहार्य है। हमें परिवहन पहुँच के मुद्दे के कल्पनाशील और दूरदशा समाधानों के लिए मिलकर काम करना होगा। ईंरान के माध्यम से भारत और अफ़गानिस्तान को जोड़ने की पहल महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम हैं। चाबहार बंदरगाह के माध्यम से समुद्री और सड़क मार्ग भारत से अफ़गानिस्तान की दूरी कम कर देगा। साथ ही, भौगोलिक दुर्गमता की समस्या से निपटने के लिए डिजिटल हाईंवे एक बेहतर विकल्प है। हम 22 अप्रैल, 2025 को वेंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निदा करने के लिए अफ़गानिस्तान की वर्तमान सरकार के आभारी हैं। कल हुईं बैठक में इस बात को दोहराया गया। किसी भी राज्य को विदेश नीति के साधन के रूप में आतंकवाद का उपयोग करने की कोईं गुंजाइश नहीं है। वेंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में हाल ही में हुए बर्बर हमले निदनीय हैं। हम भारत और अफ़गानिस्तान के बीच संबंधों को मज़बूत करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं - एक ऐसी साझेदारी जो इतिहास, संस्वृति और पारस्परिक प्रगति पर आधारित है। दोनों पक्षों ने भारत-अफ़गानिस्तान हवाईं माल ढुलाईं गलियारे की शुरुआत का स्वागत किया, जिससे दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष व्यापार और वाणिज्य को और बढ़ावा मिलेगा। इस नए गलियारे से कनेक्टिविटी सुगम होने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अफ़गान पक्ष ने भारतीय वंपनियों को खनन क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मज़बूत करने में मदद मिलेगी। हेरात में भारत- अफ़गानिस्तान मैत्री बांध (सलमा बांध) के निर्माण और रखरखाव में भारत की सहायता की सराहना करते हुए, दोनों पक्षों ने सतत जल प्रबंधन के महत्व पर भी ज़ोर दिया और अफ़गानिस्तान की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने और उसके वृषि विकास को सहयोग देने के उद्देश्य से जलविद्युत परियोजनाओं पर सहयोग करने पर सहमति व्यत्त की। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की पुनरुथापना एक सहयोगात्मक और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के दौरान, एस जयशंकर ने घोषणा की कि भारत अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जिसे चार साल पहले बंद कर दिया गया था। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो तालिबान शासित देश के राजनयिक संबंधों का विस्तार करता है। 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली नाटो सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान द्वारा सत्ता हथियाने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था, लेकिन एक साल बाद व्यापार, चिकित्सा सहायता और मानवीय सहायता के लिए एक छोटा मिशन खोला। तालिबान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने अपने भारतीय समकक्ष को आश्वासन दिया है कि अफ़गानिस्तान किसी भी समूह को किसी अन्य देश के खिलाफ अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। मुत्ताकी ने बैठक के दौरान कहा, अफ़गानिस्तान में हाल ही में आए भूवंप में, भारत सबसे पहले प्रतिव्रिया देने वाला देश था। अफ़गानिस्तान भारत को एक घनिष्ठ मित्र के रूप में देखता है। हम आपसी सम्मान, व्यापार और लोगों के बीच संबंधों पर आधारित संबंध चाहते हैं। हम अपने संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक परामर्श तंत्र बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे दिल्ली आकर खुशी हो रही है और इस यात्रा से दोनों देशों के बीच समझ बढ़ेगी। भारत और अफ़गानिस्तान को अपने संपर्व और आदानप्रदान बढ़ाने चाहिए.. हम किसी भी समूह को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ नहीं करने देंगे।

देश दुनिया से

सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को नष्ट करता सोशल मीडिया

यह सही है कि सोशल मीडिया के आने से लोगों को सूचना के लिए अखबार, रेडियो और टेलीविजन पर ही निर्भर नहीं रहना पड़ता, हम अपने बचपन के दिनों में स्वगाय इंदिरा गांधी, जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी जी को सुनने के लिए दस-दस कोस पैदल चले जाया करते थे पर आज सोशल मीडिया और मोबाइल के माध्यम से दूरस्थ स्थानों की सूचना आसनी से उपलब्ध हो जाती है। सामाजिक सौहार्द और भाईंचारे को नष्ट करता सोशल मीडिया 6 अक्टूबर 2025 भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में सबसे काले दिन के रूप में माना जायेगा जब एक मानसिक रूप से विवृत वकील ने देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवईं के ऊपर उस समय जूता पेंकने की कोशिश की जब वे न्यायालय में किसी वैस की सुनवाईं कर रहे थे, और जब उस वकील को पकड़ कर बाहर ले जाया जा रहा था तो वह नारा लगा रहा था कि हम सनातन का अपमान नहीं सहेंगे और कल से ही सोशल मीडिया पर वाट्स अप यूनिर्वसिटी से डॉक्टरेट प्राप्त प्रोपेसरों की टिप्पणी आने लगी है और सभी इस विक्षिप्त मानसिकता वाले वकील के वृतित्व के कसीदे पढ़ रहे हैं। वुछ वर्ष पूर्व एक भाजपा के वरिष्ठ नेता और मेरे मित्र ब्राा देव मिश्र ने दो ऐसे लोगो की बात सुनाईं जिनमें एक सनातन समर्थक और एक मूलनिवासी समर्थक था, दोनों शाम को सात बैठकर खूब शराब पीते और बेसुध होकर सो जाते और सुबह सनातन समर्थक पंडितजी नहा धोकर चंदन लगाकर लोगों का कल्याण करने चल देते और मूलनिवासी समर्थक वंधे पर फावड़ा रखे मजदूरी के लिए चल देता पर दोनों अपने अपने ढंग से समाज में जहर घोलने का काम करते रहते। पर जबसे सोशल मीडिया की बाढ़ आ गईं है तब से ऐसे लोग पूरे समाज के सामाजिक सौहार्द को नष्ट करने में लगे हैं। अब बात कर लेते है कि वह कौन सा कारण था जिसके कारण था जिसके कारण मुख्य न्यायाधीश के ऊपर जूता पेंकने की नौबत आईं। एक व्यक्ति ने खजुराहो के विष्णु जी की मरूति जो मुगल काल या उससे पहले आंाताओं द्वारा तोड़ दी गईं थी उसकी मरम्मत करवाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी जिसकी सुनवाईं मुख्य न्यायाधीश कर रहे थे उन्होंने याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी कर दी की ईंश्वर से प्रार्थना करे कि स्वतः मरूति को संपूर्ण के दे तो इसमें क्या बुराईं थी, जब हमारे भजनों में कहा जाता है कि,ठजाकी वृपा से पंगु गिरी लांगे अंधे को सबवुछ दर्शाईं या एक अन्य भजन में कहा गया है अन्धन को आंख दे कोढ़नि को काया जबकि ये दोनों ही चीजें कभी नहीं होती तो फिर भगवान विष्णु से खंडित मरूति के लिए भगवान से प्राथना करने की सलाह पर क्या अनर्थ हो गया, यदि जस्टिस गवईं याचिका को खारिज करते हुए याचिका कर्ता पर कोर्ट का अमूल्य समय बर्बाद करने के आरोप में तगड़ा फाइन लगा देते तो याचिका कर्ता की अक्ल ठिकाने आ जाती, पर इस टिप्पणी या सलाह पर सोशल मीडिया पर इस तरह पैलाया गया मानो मुख्य न्यायाधीश ने सनातन के खिलाफ कोईं अपराध के दिया हो। क्या उस याचिका कर्ता से यह जानने की कोशिश की गईं कि उसने कितनी बार इस मरूति के मरम्मत के सम्बन्ध में अपने सांसद, प्रदेश सरकार या फिर वेंद्र सरकार के सामने गुहार लगाईं बस प्रचार पाने के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय में याचिका लगा दी। भगवान विष्णु की मरूति गुलाम वंश या मुगल काल में सदियों पहले तोड़ गईं और देश को आजाद हुए 75 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है पर उस मरूति की मरम्मत के लिए कोईं भी याचिका न तो सरकार के समक्ष या उच्च न्यायालय में डाली गईं जबकि सर्वोच्च न्यायालय में वुछ अपवादों को छोड़कर मुख्य न्यायाधीश सनातन समर्थक ब्राrाण वर्ग के ही रहे हैं। पर जब देश में एक बौद्धिष्ठ मुख्य न्यायाधीश बना तो यह याचिका सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए दली गईं और सोशल मीडिया ने इसको इतना तूल दे दिया कि देश के मुख्य न्यायाधीश पर जूता पेंकने की चेष्टा की गईं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास में जस्टिस गवईं के अलावा एक और मुख्य न्यायाधीश थे जस्टिस एम हिदायतुल्ला जिनके ऊपर एक याचिका कर्ता ने अपनी याचिका खारिज होने पर हताशा और निराशा में अपना जूता पेंक दिया था पर जस्टिस हिदायतुल्ला ने यह कह कर उसका जूता वापस दिलवा दिया कि वह एक साथ तो नुकसान बर्दास्त नहीं कर सकता एक मुकदमा हारने का और दूसरा जूता खाने पर ये वकील साहब किस हताशा और निराशा में यह वृत्य कर बैठे और सोशल मीडिया पर सनातन के स्वयंभू समर्थकों ने इनकी खूब वाहवाही की। अब इनके वकालत पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा स्थाईं रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है अब स्वछंद होकर सनातन की मजबूती के लिए काम करे। वर्ष 1995 में मनोहर जोशी मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने एक पैसला दिया था कि हिदू एक धर्म नहीं है बल्कि यह जीवन शैली है अर्थात यह एक पूजा पद्धति है और हिदुस्तान में रहने वाले सभी हिन्दू है और मुस्लिम, बौद्ध सिख, ईंसाईं आदि इसके पंथ है। पर खुदा का शुा है कि उस समय आज की भांति सोशल मीडिया नहीं था नही तो वाट्स अप यूनिर्वसिटी के स्वयंभू प्रोपेसर्स अब तक पूरे भारत को गृहयुद्ध की ओर धकेल दिया होता और उस संवैधानिक पीठ के अध्यक्ष पर जूता अवश्य पेंक दिया गया होता। इसलिए अब समय आ गया है कि पूरे देश के नागरिकों का भरोसा रखने वाली न्यायपालिका की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया पर न्यायपालिका पर टिप्पणी बैन कर दी जाए। सोशल मीडिया का ख़तरनाक खेल यहीं नहीं ख़त्म होता वुछ छूट भैये राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर अवांछित टिप्पणी करते हैं और उनके हत्यारे गोडसे का महिमा मंडन करते हैं। ग्वालियर में एक वकील अनिल मिश्रा जो कहने को वकील है पर संविधान की ए बी सी नहीं जानते और अपनी वकालत छोड़कर संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ आंबेडकर को अंग्रेजो का दलाल कहते है तथा डॉ आंबेडकर को संविधान निर्माता की दी गईं विशेषण को छीनकर सर बी एन राव का संविधान निर्माता बनाना चाहते हैं जब कि स्वयं सर बी एन राव ने संविधान सभा में डा आंबेडकर को संविधान निर्माता का श्रेय दिया था, वुछ इसी प्रकार का प्रयास स्वयंभू स्वामी आनंद स्वरूप महाराज भी करते हैं और अम्बेडकर के विरुद्ध अपमान जनक शब्द उगलते रहते हैं, इन मंद बुद्धियों को यह नहीं पता जो अंग्रेज अपनी सरकार में भारतीयों को ऑफिस सुप्रीनटेंडेंट और डी एस पी से ऊपर के पद के लायक नही समझते थे उन्हीं अंग्रेजो की वाइस रॉय काउंसिल में आंबेडकर को श्रम मंत्री के रूप में काम करने का अवसरों दिया क्योंकि वे उनकी योग्यता के कायल थे। न्यायालय को चाहिए कि जो भी लोग देश की महान विभूतियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर जहर उगलते है उन पर स्वत ः संज्ञान लेकर कार्रवाईं करें। सोशल मीडिया पर सिर्प वाट्स अप यूनिर्वसिटी से निकले प्रोपेसर ही नहीं हैं बल्कि देश की संसद में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी आग उगलते है झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी इनमें से एक है जिन्होंने ने वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवईं पर यह आरोप लगा दिया कि देश इस समय गृहयुद्ध की स्थिति में आ गया है और इसके लिए देश के मुख्य न्यायाधीश जिम्मेदार हैं आखिर जब संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को इस तरह निशाना बनाया जाएगा तो देश में लोकतंत्र वैसे बचेगा, मुझे याद है वर्ष 1986 में तत्कालीन भारी उद्योग राज्य मंत्री प्रो के के तिवारी ने तत्कालीन राष्ट्रपति जानी जैल सिह जी के खिलाफ वुछ अमर्यादित टिप्पणी कर दी और उस समय राजीव गांधी सरकार के पास सदन में दो तिहाईं से अधिक का बहुमत था पर प्रो तिवारी का इतना विरोध हुआ कि प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उन्हें मंत्रिमंडल से निकलना पड़ा और उसके बाद प्रो के के तिवारी कभी भी सांसद नहीं बन पाए पर आज की राजनीति मेंसंवैधानिक पदों पर बैठे और हमारे ऐतिहासिक महा पुरुषों पर अशोभनीय टिप्पणी करना आम बात हो गईं है और इसके लिए सोशल मीडिया ने सब को आजादी दे रखी है।

आप का नजरिया

न कोईं अफसोस, न ही मांगूंगा माफी

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवईं पर गत दिनों हमले की शर्मनाक कोशिश हुईं। सुप्रीम कोर्ट में गत सोमवार को शर्मनाक घटना में चलती कार्यवाही के बीच एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआईं) जस्टिस बीआर गवईं की ओर जूता पैंकने की कोशिश की। हालांकि कोर्ट में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हरकत में आकर और डायस के करीब खड़े वकील राकेश किशोर (71) को तुरंत दबोच लिया और कोर्ट से बाहर ले गए। बाद में पुलिस ने राकेश को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। कोर्ट रूम से बाहर निकलते समय वकील राकेश किशोर चिल्ला रहा था, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। घटना से अविचलित सीजेआईं गवईं ने सुनवाईं जारी रखी और अन्य वकीलों से कहा, इस पर विचलित न हों। ये चीजें मुझे प्रभावित नहीं करती हैं। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीजेआईं गवईं से बात की और एक्स पर लिखा, मैंने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवईं से बात की, आज सुबह सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर हुए हमले से हर भारतीय आव्रोशित है। हमारे समाज में ऐसे निदंनीय वृत्यों के लिए कोईं जगह नहीं है, यह पूरी तरह से निंदनीय है। उधर जस्टिस गवईं पर जूता पैंकने वाला बेशर्म वकील राकेश किशोर ने अपनी सफाईं देते हुए कहा कि सीजेआईं के भगवान विष्णु पर दिए गए बयान से मैं आहत हूं। उनके एक्शन (टिप्पणी) पर ये मेरा रिएक्शन था। मैं नशे में नहीं था। जो हुआ, मुझे उसका अफसोस नहीं है और न ही मैं माफी मांगूंगा। आरोपी अधिवक्ता की अस्थाईं सदस्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश पर हमला हमारी न्यायपालिका की गरिमा और हमारे संविधान की भावना पर हमला है। इस तरह की नफरत का हमारे देश में कोईं स्थान नहीं है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। समाचार एजेंसी एएनआईं से बात करते हुए रोहित पांडे जो सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व कार्यवाहक सचिव हैं ने बताया कि सारा मामला क्या है? दरअसल 16 सितम्बर को सीजेआईं गवईं और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बैंच ने मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो में एक मंदिर में भगवान विष्णु की खंडित मूर्ति की मरम्मत और रखरखाव का आदेश देने से जुड़ी अर्जी खारिज कर दी थी। बैंच ने कहा था कि यह अदालत नहीं बल्कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन आता है। बैंच ने उसे पब्लिसिटी के लिए दायर याचिका बताते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि वह भगवान विष्णु के बड़े भक्त हैं तो फिर उन्हीं से प्रार्थना करें और थोड़ा ध्यान लगाएं। सीजेआईं की इस टिप्पणी के बाद सनातनी ब्रिगेड ने सीजेआईं पर सीधा हमला बोल दिया। एक भक्त ने तो यहां तक कह दिया कि जजों को सड़कों पर पीटा जाएगा, अगर वह सुधरे नहीं। उधर जस्टिस गवईं ने अपनी सफाईं देते हुए कहा, सोशल मीडिया पर तो आजकल वुछ भी चल सकता है। परसों किसी ने मुझे बताया कि आपने वुछ अपमानजनक कहा है। उन्होंने कहा मैं सभी धर्मो में विश्वास रखता हूं और सभी धर्मो का सम्मान करता हूं। इस पर सॉलिस्टिर जनरल तुषार मेहता ने भी कहा, मैं सीजेआईं को पिछले 10 सालों से जानता हूं। वे सभी धर्मो के मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर पूरी श्रद्धा के साथ जाते हैं। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियां केवल इस संदर्भ में थी कि मंदिर एएसआईं के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट आन रिकार्ड एसोसिएशन ने अपने बयान में कहा, हम सर्वसम्मति से हाल ही में एक अधिवक्ता की ओर से किए गए उस अनुचित और असंयमित व्यवहार पर गहरी पीड़ा और असहमति व्यक्त करते हैं, जिसमें उन्होंने भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश और उनके साथी न्यायाधीशों के पद और अधिकार का अपमान करने का प्रयास किया। सोशल मीडिया में इस वृत्य की इसलिए भी निंदा हो रही है क्योंकि मुख्य न्यायाधीश एक दलित समाज से आते हैं और इसलिए भी उनका अपमान किया गया है और किया जा रहा है। यह हमला सिर्प सीजेआईं गवईं पर ही नहीं यह भारत के संविधान पर सीधा हमला है जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। यह मामला सिर्प सीजेआईं गवईं तक सीमित नहीं है, बेशक उन्होंने अपराधी को माफ कर दिया हो पर देश उसे माफ नहीं करेगा। उसने न केवल देश के मुख्य न्यायाधीश पर हमला किया है, बल्कि देश की पूरी न्यायिक व्यवस्था को चुनौती दी है और संविधान का अपमान किया है। उसे उसकी करनी की सजा मिलनी ही चाहिए ताकि भविष्य में एक नजीर बने। नहीं तो ऐसे हमले बढ़ते जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट में गत सोमवार को शर्मनाक घटना में चलती कार्यवाही के बीच एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआईं) जस्टिस बीआर गवईं की ओर जूता पैंकने की कोशिश की। हालांकि कोर्ट में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हरकत में आकर और डायस के करीब खड़े वकील राकेश किशोर (71) को तुरंत दबोच लिया और कोर्ट से बाहर ले गए। बाद में पुलिस ने राकेश को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। कोर्ट रूम से बाहर निकलते समय वकील राकेश किशोर चिल्ला रहा था, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। घटना से अविचलित सीजेआईं गवईं ने सुनवाईं जारी रखी और अन्य वकीलों से कहा, इस पर विचलित न हों। ये चीजें मुझे प्रभावित नहीं करती हैं। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीजेआईं गवईं से बात की और एक्स पर लिखा, मैंने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवईं से बात की, आज सुबह सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर हुए हमले से हर भारतीय आव्रोशित है।

दृष्टि कोण

महिला-युवा तय करेंगे सरकार कौन बनाएगा

लोकतंत्र की जननी बिहार की धरती— क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का इतिहास दोहराएगी? मतदाताओं के रुख की हकीकत 14 नवंबर को मतगणना के बाद ही सामने आ पाएगी। लेकिन लगता है कि एक बार फिर बिहार में महिला मतदाताओं का रुख ही बिहार की अगली सियासी तस्वीर का फैसला करने जा रहा है। वैसे इसमें युवाओं, विशेषकर पहली बार वोटर बने नौजवानों की भी अहम भूमिका रहने जा रही है। बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने की जी-तोड़ कोशिश की है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपये की रकम दी जा चुकी है। इस योजना के तहत राज्य की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को इसका फायदा दिया जाना है। बेशक भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में ऐसी ही सहयोग देने वाली योजनाओं को कभी 'रेवड़ी' बताकर विरोध करती रही हो, लेकिन अब वह भी ऐसी योजनाओं में भागीदारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जीत में महतारी वंदन योजना और मध्य प्रदेश की जीत में लाड़ली बहना योजना की भूमिका को शायद ही कोईं दल नकार पाए। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जब 10 जून, 2023 को जबलपुर में लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की थी, तब माना जा रहा था कि उनकी सरकार मध्य प्रदेश में अलोकप्रिय हो चुकी है। लेकिन चुनावी नतीजों ने इस धारणा को बदल दिया। छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव से पहले शायद ही किसी ने अंदाजा लगाया था कि भूपेश बघेल सरकार को हार का स्वाद चखना होगा, लेकिन ऐसा हुआ। माना गया कि सियासी तस्वीर बदलने में भाजपा की महतारी वंदन योजना का बड़ा हाथ रहा। महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की जीत में भी अन्य कारकों के साथ लाड़ली बहना योजना और झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की वापसी में

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना की अहम भूमिका रही है। पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं ने मतदान में पुरुषों के पीछे चलने की अवधारणा को बदला है। वे बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रही हैं। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां 59.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया था, वहीं पुरुषों का प्रतिशत महज 54.45 प्रतिशत ही था। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में महिला साक्षरता दर करीब 51 प्रतिशत ही है। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनावों से ही बिहार में महिलाएं केंद्र में हैं। तब जहां 51.12 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया था, वहीं महिलाओं ने इससे कहीं ज्यादा यानी 54.49 प्रतिशत हिस्सेदारी की थी। इसी तरह 2015 के विधानसभा चुनाव में भी पुरुषों से आगे 60.48 फीसद महिलाओं ने वोट डाले थे। बिहार में इस बार करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.92 करोड़ है। वास्तव में पलायन के चलते बिहार में पुरुष मतदाता कम हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम वाले भी वोटर परदेस में रोज़ी-रोटी कमाने को मजबूर हैं। इस बार भी बिहार की अगली सरकार के गठन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। महिलाओं की ही मांग पर नीतीश कुमार ने राज्य में शराबबंदी लागू की थी। आलोचनाओं के बावजूद अगर नीतीश इस योजना को जारी रखे हुए हैं, तो इसका मतलब यह भी है कि उनका महिला वोटरों पर भरोसा तेजस्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है। बिहार में इस बार 14 लाख ऐसे नए वोटर जुड़े हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

क्यूबा ने यूक्रेन में सैनिक तैनाती के अमेरिकी आरोपों को किया खारिज, बताई कानूनन कार्रवाई की जानकारी

हवाना,12 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अमेरिका का यह दावा कि क्यूबा के सैनिक यूक्रेन में लड़ रहे हैं, बिना किसी आधार का है। मंत्रालय ने पहली बार उन कानूनी मामलों की जानकारी भी जारी की, जिनमें क्यूबाई नागरिकों के खिलाफ यूक्रेन युद्ध में भाड़े के सैनिक के रूप में भाग लेने के आरोप में मुकदमे चले हैं।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच क्यूबा की अदालतों में भाड़े के सैनिक बनने के आरोप में 40 आरोपियों के खिलाफ नौ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। इनमें से आठ मामलों में मुकदमे हुए, जिनमें पांच मामलों में 26 आरोपियों को सजा सुनाई गई। सजाएं 5 से 14 साल की जेल तक हैं। एक मामला परीक्षण के लिए लंबित है और तीन मामलों का निर्णय अभी अदालत के पास है।

क्यूबा ने स्पष्ट किया कि वह यूक्रेन में किसी भी तरह के सैन्य संघर्ष में भाग नहीं ले रहा है, न ही अपने सैनिक भेज रहा है। मंत्रालय ने कहा, हमें यह नहीं पता कि कितने क्यूबाई नागरिक किसी भी पक्ष में शामिल हैं, लेकिन हमारी नीति है कि किसी भी अन्य देश में लड़ाई में शामिल होने या भाड़े के सैनिक बनने की कोई सहनशीलता नहीं है। दरअसल, अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में एक डिप्लोमैटिक नोट जारी किया, जिसमें कहा गया कि क्यूबाई सैनिक रूस के साथ यूक्रेन में लड़ रहे हैं और उत्तर कोरिया के बाद क्यूबा सबसे बड़ा विदेशी सैनिक योगदानकर्ता है। इस नोट में क्यूबा के 1,000 से 5,000 सैनिकों के रूस के साथ युद्ध में होने का अनुमान लगाया गया था। हालांकि क्यूबा ने इसे पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र की शांति वार्ता और वैश्विक सुरक्षा प्रयासों का समर्थन करता है और देश की नीति किसी भी विदेशी संघर्ष में भाग लेने के खिलाफ है।

इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासभा इस महीने क्यूबा पर अमेरिका के दशकों पुराने आर्थिक प्रतिबंध को समाप्त करने के लिए एक गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव पर मतदान करने जा रही है, जो 1992 से हर साल भारी समर्थन के साथ पारित होता आया है। हालांकि अब महासभा ने पिछले साल इस प्रस्ताव को अपनाया था, जिसके पक्ष में 187 देशों ने मतदान किया था। केवल अमेरिका और इजराइल ही ऐसे देश थे जिन्होंने इसके खिलाफ मतदान किया, जबकि मोल्दोवा ने मतदान में भाग नहीं लिया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के मिसिसिपी के स्कूल में फायरिंग, 4 की मौत, 12 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के लीलैंड शहर में एक दर्दनाक सामूहिक गोलीबारी हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह घटना रात करीब 12 बजे उस समय हुई जब शहर में हाई स्कूल का होमकमिंग फुटबॉल गेम चल रहा था। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार भारी भीड़ के बीच अचानक गोलियां चलने लगीं, जिससे अफरा-तफरी मच गई। चार गंभीर रूप से घायलों को हेलीकॉप्टर से नजदीकी बड़े अस्पतालों में भेजा गया है, जबकि अन्य का इलाज स्थानीय मेडिकल सेंटर में जारी है। अभी तक किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं हुई है। लीलैंड के मेयर जॉन ली ने बताया कि जांच में एफबीआई और अन्य एजेंसियां जुटी हुई हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस हिंसा ने स्थानीय समुदाय को झकझोर कर रख दिया है।

हमास के बंधकों की रहाई का मामला, नई सूची में नेपाल के विपिन जोशी का नाम भी शामिल

काठमांडू। हमास और इज़राइल के बीच संघर्ष विराम समझौते के प्रारंभिक चरण के हिस्से के रूप में

सोमवार को अपेक्षित रिहाई से पहले जीवित बंधकों की सूची में नेपाली नागरिक विपिन जोशी का भी नाम शामिल है। टाइम्स ऑफ इज़राइल और वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि विपिन उन लोगों में से हैं जिनके जीवित होने की पुष्टि हुई है। इससे पहले जारी सूची में विपिन जोशी की स्थिति को अज्ञात के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। लेकिन हमास के नेताओं के हवाले से द वाशिंगटन पोस्ट, द टाइम्स ऑफ इज़राइल और एसोसिएटेड प्रेस द्वारा प्रकाशित नई सूची में उसके जीवित होने की पुष्टि की है। वर्तमान में जीवित माने जाने वाले सभी बंधक पुरुष हैं, जिनमें से अधिकांश 20 और 30 साल के बताए गए हैं। संघर्ष विराम के पिछले चरण में 50 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों की रिहाई देखी गई। नेपाली छात्र विपिन जोशी का दक्षिणी इज़राइल के एलुमिम किबुत्ज़ में एक क्षेत्र में काम करते समय अपहरण कर लिया गया था। उनके परिवार ने गाजा में इजरायली बलों द्वारा हाल ही में बरामद वीडियो प्राप्त करने की पुष्टि की है, जिसमें दिखाया गया है कि वह जीवित है। माना जा रहा है कि यह फुटेज नवंबर 2023 में रिकॉर्ड किया गया था। अगवा किए जाने से महज एक महीने पहले विपिन जोशी इजरायल पहुंचे थे। वह गाजा सीमा पर किबुत्ज़ एलुमिम में काम करने और कृषि अध्ययन करने के लिए इज़राइल गए थे।

कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो और सिंगर केटी पेरी का किसिंग सीन वायरल

ओटावा। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इन दिनों रोमांस फरमाते नजर आ रहे हैं। उन्हें जब जहां मौका मिलता है वे देश दुनिया से बेखबर होकर आलिंगन में व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हे ये भी पता नहीं चलता कि उनके आसपास क्या हो रहा है। चर्चा उस वीडियो से शुरु हुई जिसमें जो ट्रूडो और मशहूर सिंगर केटी पेरी एक दूसरे को किस करते नजर आ रहे हैं। ट्रूडो अपने देश से बाहर एक यॉट में ग्लोबल सिंगर केटी पेरी के साथ 'पर्सनल एंड क्वालटी' टाइम एंजॉय करते हुए देखा गया। इसी दौरान किसी ने उनकी तस्वीरें ले लीं और अब ये दुनियाभर में छाई हुई हैं। पहले भी कनाडा के मोंट्रियल में वे जुलाई में डिनर करते हुए देखे गए थे और तब से ही ये रिश्ता हेडलाइंस में आ गया था। बता दें कि पिछले दिनों कनाडा के एक्स प्राइम मिनिस्टर जस्टिन ट्रूडो के और सिंगर केटी पेरी की 'दोस्ती' चर्चा में रही थी लेकिन अब ये रोमांस है, ये कंफर्म हो चुका है। अगर कनाडा के एक्स पीएम जस्टिन ट्रूडो और केटी पेरी के बीच कनेक्शन की बात करें, तो दोनों का बैकग्राउंड काफी अलग है। वे जहां कनाडा की राजनीति में जाना पहचाना चेहरा हैं, वहीं केटी पेरी हॉलीवुड की बिग स्टार हैं। पॉप इंडस्ट्री में उनकी अलग पहचान है। बात करें नेट वर्थ की तो केटी पेरी जस्टिन ट्रूडो से कहीं ज्यादा अमीर हैं। साल 2025 तक एक अनुमान के मुताबिक जहां एक्स कनेडियन पीएम की नेट वर्थ 95 मिलियन डॉलर है, वहीं केटी पेरी की नेट वर्थ करीब 400 मिलियन डॉलर है। केटी की पॉपुलैरिटी पूरी दुनिया में है और उनके करोड़ों फैंस हैं, जबकि ट्रूडो सिर्फ राजनीति तक सीमित हैं। कैटी और जस्टिन की यह डेट न सिर्फ उनके फैंस बल्कि बॉलीवुड और इंटरनेशनल मीडिया के लिए भी चर्चा का विषय बन गई है।

गाजा शांति शिखर सम्मेलन से पहले मिस्र में बड़ी दुर्घटना, कतर के तीन राजनायिकों की मौत

काहिरा,12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिस्र में आयोजित होने वाले गाजा शांति शिखर सम्मेलन के पहले एक बड़ी सड़क दुर्घटना में कतर के 3 राजनयिकों की मौत हो गई है। कतर के दूतावास ने रविवार तड़के 'एक्स' पर जानकारी दी है कि कतर की शीर्ष सरकारी संस्था अमीरी दीवान के तीन कर्मचारी, मिस्र के लाल सागर स्थित रिसॉर्ट शहर शर्म अल-शेख के पास एक कार दुर्घटना में मारे गए हैं। बता दें कि गाजा शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन 13 सितंबर को होना है, जिसकी अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अब्देल फतह अल-सिसि करेंगे।

कतरी दूतावास ने बताया कि इस घटना में दो अन्य घायल हुए हैं और उन्हें शहर के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। दूतावास ने बताया कि घायलों और मृतकों के शवों को बाद में दोहा भेज दिया जाएगा। दूतावास ने एक बयान में कहा, मृतकों के शव और घायलों को कतर के एक विमान से दोहा ले जाया जाएगा। दोनों घायलों को फिलहाल शर्म अल-शेख इंटरनेशनल हॉस्पिटल में जरूरी इलाज मिल रहा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि शनिवार को कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि इस दुर्घटना में मारे गए लोग कतर की वार्ता टीम के सदस्य थे, लेकिन एक सूत्र ने इजरायली मीडिया 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' को बताया कि ये खबरें झूठी थीं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल होंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता कार्यालय ने शनिवार को एंटोनियो गुटेरेस की मिस्र यात्रा की जानकारी दी थी। शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन मिस्र के शर्म अल-शेख में होगा, जिसमें अन्य देशों के नेताओं के शामिल होने की भी चर्चा है।

मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह बैठक मिस्र के लाल सागर स्थित रिसॉर्ट शहर शर्म अल-शेख में होगी, जिसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य गाजा पट्टी में युद्ध को समाप्त करना, मिडिल ईस्ट में शांति और स्थिरता प्राप्त करने के प्रयासों को बढ़ाना और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता के एक नए युग की शुरुआत करना होगा।

अमेरिका के टैरिफ पर भड़के चीन ने चेताया कहा- दोहरे चरित्र वाले अमेरिका से लड़ने को तैयार

बीजिंग। टैरिफ को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। चीन ने साफ शब्दों में कह दिया है कि अमेरिका दोहरा चरित्र रखता है और ऐसे देश पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में हम अमेरिकी टैरिफ वॉर से लड़ने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि 1 नवंबर से सभी चीनी सामानों पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इससे अमेरिकी बाजार में चीनी उत्पादों पर कुल टैक्स दर लगभग 130प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जो पिछले कई दशकों में सबसे ऊंची है। चीन ने इस कदम को अनुचित और दोहरे मापदंड वाला बताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, 'हाई टैरिफ की धमकी देना चीन से संबंध सुधारने का सही तरीका नहीं है। हमारी स्थिति साफ है। हम व्यापार युद्ध नहीं चाहते, लेकिन उससे डरते भी नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर अत्यधिक आक्रामक और शत्रुतापूर्ण व्यापार नीति अपनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चीन ने हाल ही में रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश की है। इसके जवाब में ट्रंप प्रशासन ने महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी पर एक्सपोर्ट कंट्रोल लागू कर दिया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, 'यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की रक्षा के लिए आवश्यक है। चीन ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने 100 परसेंट टैरिफ लागू किया तो वैश्विक व्यापार व्यवस्था चरमरा जाएगी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, यह कदम वैश्विक सप्लाई चेन को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। हम वार्ता के लिए तैयार हैं, लेकिन अमेरिका को धमकियों की भाषा छोड़नी होगी। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपना निर्यात बढ़ाने में लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि अमेरिका की ओर से चीन पर अधिक शुल्क लगाने से मांग भारत की ओर स्थानांतरित हो जाएगी। भारत ने 2024-25 में अमेरिका को 86 अरब डॉलर के सामान निर्यात किए हैं। रल्हन ने कहा, इस वृद्धि से हमें लाभ हो सकता है।

भारत-अफगानिस्तान संयुक्त बयान से बौखलाया पाकिस्तान, अफगान राजदूत को तलब कर जताई कड़ी आपत्ति

इस्लामाबाद,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और अफगानिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर का उल्लेख पाकिस्तान को नागवार गुजरा। शनिवार को पाकिस्तान ने अफगान राजदूत को तलब कर इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में जारी यह बयान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन है।

दरअसल, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत यात्रा पर हैं। गुरुवार को नई दिल्ली में भारत और अफगानिस्तान के बीच हुई बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की गई थी। अफगानिस्तान ने न केवल इस हमले को आतंक की नापाक हरकत बताया बल्कि भारत की जनता और सरकार के प्रति संवेदना और एकजुटता भी जताई। संयुक्त बयान में यह भी कहा गया कि दोनों देशों ने क्षेत्रीय आतंकवाद की हर रूप में निंदा की और शांति, स्थिरता तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस बयान में जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा माने जाने के संकेत से पाकिस्तान आगबबूला हो गया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, कि अतिरिक्त विदेश सचिव (पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान) ने अफगान राजदूत को तलब कर कड़ी आपत्तियां दर्ज कराईं। पाकिस्तान ने कहा, कि जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा बताना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का स्पष्ट उल्लंघन है। गौरतलब है कि तालिबान सरकार के नियंत्रण में आने के बाद से अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रिश्ते लगातार तनावपूर्ण हैं। सीमा पार आतंकवाद, व्यापार मार्गों और आतंकी पनाहगाहों को लेकर दोनों देशों के बीच कई बार टकराव की स्थिति बनी है। ऐसे में भारत और अफगानिस्तान का यह संयुक्त बयान पाकिस्तान की कूटनीतिक चिंता बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

हजारों सालों से सीधी, रेज़र जैसी धार की तरह दो हिस्सों में बंटी है चट्टान

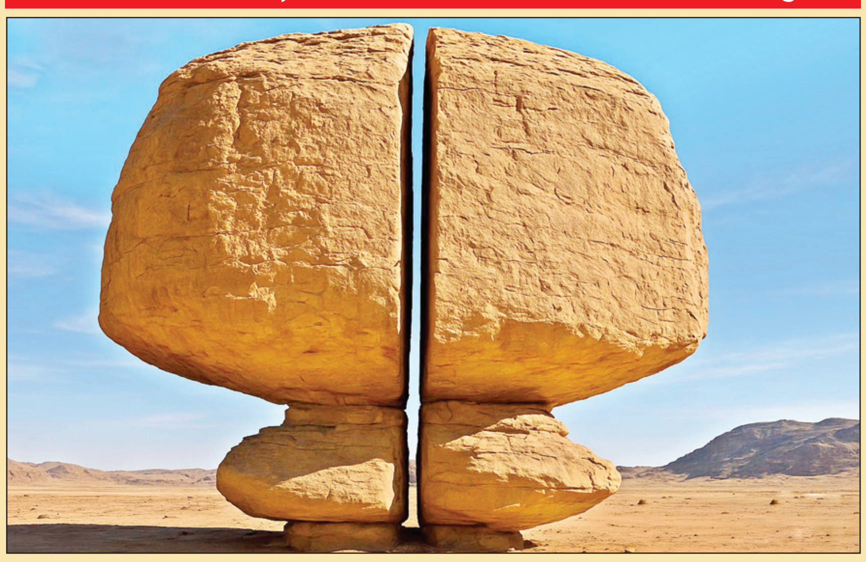

दुबई। सऊदी अरब के तायमा ओएसिस में खड़ा एक रहस्यमय पत्थर दुनिया भर के लोगों को हैरान करता है। इसे अल-नसला रॉक कहा जाता है और इसकी उम्र करीब 4,000 साल आंकी गई है। देखने में यह साधारण-सा है, लेकिन असली चौंकाने वाली बात यह है कि यह पत्थर बीच से एकदम सीधी, रेज़र जैसी धार वाली रेखा में दो बराबर हिस्सों में बंटा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कट इतनी परफेक्ट है कि मानो किसी विशालकाय लेज़र से इसे काटा गया हो, लेकिन 4 हज़ार साल पहले कोई लेज़र या आधुनिक मशीन तो थी नहीं यह कुदरत का करिश्मा ही है। वैज्ञानिक आज तक पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि यह विभाजन किस तरह हुआ। कुछ मानते हैं कि यह प्राकृतिक भूगर्भीय ताकतों और दरारों का नतीजा हो सकता है, जबकि कुछ कहते हैं कि हवा और रेत के कटाव ने हज़ारों साल में यह अद्भुत आकार गढ़ा है।

मेडागास्कर में बड़ा संकट: जनरेशन-जेड के समर्थन में उतरे सैनिक, प्रदर्शनकारियों ने संभाला ऐतिहासिक '13 मई चौक'

अंतानानारिवो,12 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेडागास्कर में जारी विरोध प्रदर्शनों ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया, जब सेना के कुछ जवानों ने युवा प्रदर्शनकारियों (जनरेशन-जेड आंदोलन) का साथ देते हुए राजधानी अंतानानारिवो के ऐतिहासिक 13 मई चौक में उनके साथ प्रवेश किया। यह वही स्थल है जो देश के राजनीतिक इतिहास में कई बड़े आंदोलनों का केंद्र रहा है।

इन प्रदर्शनों की शुरुआत 25 सितंबर को पानी और बिजली की भारी किल्लत के विरोध में हुई थी, लेकिन अब यह आंदोलन राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना के खिलाफ व्यापक राजनीतिक चुनौती बन गया है। प्रदर्शनकारी अब राष्ट्रपति के इस्तीफे, संसद के ऊपरी सदन और निर्वाचन आयोग को भंग करने की मांग कर रहे हैं। शनिवार को स्थिति तब गंभीर हो गई जब सेना की कैपसैट यूनिट ने सार्वजनिक रूप से राष्ट्रपति के आदेशों की अवहेलना करते हुए युवाओं के समर्थन का ऐलान किया। जिसने 2009 के सैन्य तख्तापलट में राजोएलिना को सत्ता में लाने में अहम भूमिका निभाई थी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सैनिकों को जनता के साथ खड़े होने की अपील करते देखा गया।

इस घटनाक्रम के बाद सेना प्रमुख जनरल जोसलीन राकोटोसोन ने टीवी संदेश जारी कर नागरिकों से शांति बनाए रखने और संवाद के माध्यम से स्थिति को सामान्य करने की अपील की। उन्होंने चर्च नेताओं से भी मध्यस्थता के लिए आगे आने को कहा। इससे पहले, राष्ट्रपति राजोएलिना ने राजनीतिक असंतोष को शांत करने के प्रयास में अपने मंत्रिमंडल को भंग कर नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया था, लेकिन इससे भी हालात पर काबू नहीं पाया जा सका। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अब तक इन प्रदर्शनों में 22 लोगों की मौत हो चुकी है और 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

पाक को अफगानिस्तान का जवाब, देर रात कई चौकियों को तबाह किया, 12 सैनिकों के भी मारे जाने की खबर

इस्लामाबाद,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के सैनिकों ने शनिवार देर रात पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर हमला कर इसे पाकिस्तान के खिलाफ उसकी जवाबी कार्रवाई बताया है। अफगानिस्तान के हमले में पाकिस्तान के 12 सैनिकों की मौत की खबर है। पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने दावा किया कि सेना ने अफगानिस्तान की कई चौकियों को नष्ट कर दिया। सऊदी अरब और कतर ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच ताजा तनाव पर चिंता जताते हुए दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है।

अफगानिस्तान ने 11 अक्टूबर की देर रात नंगरहर और कुनार प्रांतों में बड़े स्तर पर डुरंड लाइन के पास पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर हमले शुरू कर दिए। इन हमलों में इस्लामिक स्टेट के कई आतंकवादियों को निशाना बनाया गया। माना जाता है कि सीमा के पास पाकिस्तान की सेना के संरक्षण में आईएसआईएस के ठिकाने सक्रिय हैं जो अफगान तालिबान के खिलाफ कार्रवाइयों में संलिप्त हैं। दोनों तरफ से हुई भीषण गोलीबारी को लेकर अफगानिस्तान ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान की तीन सीमा चौकियों पर कब्जा कर लिया।टोलो न्यूज ने तालिबान सरकार के रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया है कि इस्लामिक एमिरेट्स ऑफ अफगानिस्तान की सेनाओं ने कई पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया। कुनार और हेलमंद प्रांतों के पाकिस्तानी चौकियों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। जबकि पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने अफगानिस्तान की कई चौकियों को नष्ट करने का दावा किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हेलमंद के बहरम चाह जिले में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 12 सैनिकों की मौत हो गई।

इन हमलों के बाद अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने बयान जारी कर चेतावनी दी है कि शहर में हमारी कार्रवाई रात 12 बजे समाप्त हो गई थी लेकिन अगर विरोधी पक्ष ने फिर से अफगानिस्तान की क्षेत्रीय सीमा का उल्लंघन किया, तो हमारी सशस्त्र सेनाएं कड़ा जवाब देंगी।

सऊदी अरब और कतर ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर चिंता जताई है।उन्होंने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे तनाव और झड़प की घटनाओं पर चिंता जताई है। साथ ही दोनों देशों से संयम बरतते हुए क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए कूटनीतिक रास्ता निकालने पर जोर दिया है।

उल्लेखनीय है कि 9 अक्टूबर की रात राजधानी काबुल और अफगानिस्तान के अन्य शहरों में पाकिस्तान ने हवाई हमले शुरू कर काबुल, खोस्त, जलालाबाद और पक्तिका में टीटीपी के कथित ठिकानों को निशाना बनाया। इन हमलों का मकसद टीटीपी चीफ नूर वली मेहसूद को खत्म करना था। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने हमलों की निंदा करते हुए इसे युद्ध की शुरुआत बताया।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के इलाके में इन हवाई हमलों को तब अंजाम दिया जब तालिबान शासन के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी 8 दिवसीय भारत यात्रा पर हैं।

रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर रहेंगी सबकी निगाहें

नयी दिल्ली,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट के हिटमैन रोहित शर्मा पर एक बार फिर पूरी क्रिकेट दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। टीम इंडिया की कप्तानी छिनने के बावजूद उन्होंने अपने खेल और फिटनेस पर पूरा ध्यान केंद्रित किया है। सूत्रों के मुताबिक, रोहित ने पिछले कुछ महीनों में करीब 15 किलो वजन घटाया है और अब पहले से कहीं अधिक फिट और फुर्तीले नजर आ रहे हैं।

उनकी यह नई ऊर्जा और समर्पण बताती है कि वह अब भी मैदान पर कुछ साबित करने के इरादे से उतरने वाले हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरा रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह श्रृंखला उनके लिए करो या मरो जैसी साबित हो सकती है।

यदि रोहित वहां शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो चयनकर्ताओं के लिए उन्हें नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि इस दौरे के बाद रोहित अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास ले सकते हैं। हालांकि, उनके अनुभव, बल्लेबाजी की समझ और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए क्रिकेट विशेषज्ञ अब भी मानते हैं कि रोहित के पास टीम इंडिया को देने के लिए बहुत कुछ बाकी है।

टी20 प्रारूप में भी रोहित शर्मा को एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। उनका शांत स्वभाव, मैच सिचुएशन को समझने की क्षमता और टीम को संतुलित रखने की कला उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। कप्तानी भले ही उनसे चली गई हो, लेकिन उनकी उपस्थिति टीम के लिए अब भी प्रेरणादायक मानी जाती है। फिटनेस पर ध्यान देकर उन्होंने यह संदेश दिया है कि उम्र या पद नहीं, बल्कि मेहनत और अनुशासन ही किसी खिलाड़ी को महान बनाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा द्वारा चुनी गई एक विशेष टीम में भी रोहित शर्मा को शामिल किया गया है। इस चयन ने यह दिखा दिया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी और विश्लेषक अब भी रोहित के अनुभव, नेतृत्व और मैच जिताने की क्षमता को ऊंचा दर्जा देते हैं। यही वजह है कि भारतीय फैंस के बीच भी यह चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया में अपने बल्ले से एक बार फिर इतिहास रचेंगे। रोहित का यह नया रूप फिट, केंद्रित और दृढ़ यह साबित करता है कि वह अब भी क्रिकेट के सबसे ऊर्जावान खिलाड़ियों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि आने वाले वर्षों में भारतीय क्रिकेट में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण बनी रहती है।

न्यूज ब्रीफ

सिरसा की हरमन नेशनल गेम्स में करेगी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

सिरसा। सिरसा जिले की छात्रा हरमन ओडिशा में आयोजित होने वाले नेशनल जूनियर में स्टीपलचेस दौड़ में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगी। छात्रा को नेशनल गेम्स के लिए भेजते समय माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा में सम्मानित किया गया और 11 हजार रूपए की नकद राशि भेंट की गई। माता हरकी देवी मैमोरियल शिक्षा समिति के अध्यक्ष मनिंदर पाल सिंह बराड़ ने रविवार को बताया कि हरकी देवी शिक्षण संस्थान परिवार का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, खेल व संस्कृति के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर व मंच प्रदान करना है। शिक्षण संस्थान की प्रबंध निदेशिका डॉ.कुलदीप कौर ने कहा कि माता हरकी देवी शिक्षण संस्थान ओढ़ा छात्राओं के कौशल को निखारने का कार्य कर रहा है, हरमन की इस उपलब्धि पर संस्था परिवार को गर्व है। उन्होंने छात्रा हरमन को बधाई प्रेषित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणांचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। अगर युवाओं को बेहतर मंच मिले तो ग्रामीण युवा भी अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन कर अपना भविष्य स्वर्णिम बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरमन सामान्य परिवार से है और बेटी के मन में सपने बड़े है। बिमला देवी स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच मनीष सरस्वां ने कहा कि हरमन में प्रतिभा की कमी नहीं है। वह अपनी मेहनत के दम पर बहुत आगे जाएगी।

न्यूजीलैंड से मिली हार को नहीं भूलना चाहते हैं गंभीर, बोले, कभी-कभी अतीत को याद रखना होता है जरुरी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। गंभीर के कोच बनने के बाद से ही टीम को शुरुआत में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करारी हार मिली थीं। जिसके बाद वह आलोचना का शिकार हुए थे। इसके बाद गंभीर टीम को चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जिताने में सफल हुए हैं पर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर मिली हुई हार को नहीं भूल पा रहे। तब भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज में अपनी ही धरती पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। ये पहला अवसर था जब न्यूजीलैंड की टीम भारत की धरती पर टेस्ट सीरीज जीती थी। इस हार के कारण ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। आकाश चोपड़ा से बातचीत के दौरान गंभीर ने कहा है कि कोचिंग करियर में मिले इस झटक से वह कभी नहीं उबर पायेंगे। साथ ही कहा कि वह इस प्रकार की हार को भूलना भी नहीं चाहते। यही बात उन्होंने टीम से भी कही है। गंभीर ने कहा कि कभी-कभी अतीत को याद रखना भी जरूरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो आप चीजों को हल्के में लेने लगते हैं. आपको कभी भी किसी चीज को हल्के में नहीं लगते हैं। सभी सोचते थे कि हम न्यूजीलैंड को आसान से हरा सकते हैं।

जडेजा का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं ले रहे और उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना है। वेस्टइंडीज़ के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में 3 विकेट लेने वाले जडेजा ने कहा, मैं 2027 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हूं। वहीं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। जिसके बाद से ही कहा जा रहा था कि अब वह इस प्रारुप के लिए चयन समिति के पसंदीदा नहीं रहे। वहीं ये भी कहा गय कि अब उन्हें केवल लंबे प्रारुप में ही जगह मिलेगी। वहीं जडेजा ने इन सभी संभावनाओं को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा, यह मेरे हाथ में नहीं है कि चयनकर्ता क्या सोचते हैं। उन्होंने मुझे ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहने का कारण बताया था पर मेरा ध्यान इस प्रारुप पर बना हुआ है। । जब भी अवसर मिलेगा मैं अपनी ओर से अच्छा प्रदर्शन करुंगा। जडेजा ने यह भी कहा कि एकदिवसीय विश्वकप जीतना उनका लक्ष्य है। इससे पहले साल 2023 में टीम फाइनल में पहुंचकर भी ये खिताब नहीं जीत पायी थी।

तीसरे दिन का खेल खत्म, फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज 173/2, भारत से अब भी 97 रन पीछे

नई दिल्ली,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तीसरे दिन के खेल का अंत हो चुका है। वेस्टइंडीज ने फॉलोऑन खेलते हुए दो विकेट पर 173 रन बना लिए हैं। टीम अब भी भारत से 97 रन पीछे है। इस टेस्ट या यूं कहें इस सीरीज में पहली बार वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी ने दम दिखाया है। 35 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद जॉन कैंपबेल और शाई होप ने तीसरे विकेट के लिए अब तक 207 गेंद में 138 रन की नाबाद साझेदारी कर ली है। कैंपबेल 87 और होप 66 रन बनाकर नाबाद हैं। तेजनारायण चंद्रपॉल 10 रन बनाकर सिराज की गेंद पर आउट हुए, जबकि एलिक एथनाजे सात रन बनाकर सुंदर का शिकार बने।

भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाए थे और पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। उन्हें फॉलोऑन बचाने के लिए 319 रन बनाने थे, लेकिन टीम 71 रन पीछे रह गई थी। भारत को पहली पारी में 270 रन की बढ़त मिली और टीम ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खिलाया। हालांकि, तीसरे सत्र में होप और कैंपबेल ने गजब का जज्बा दिखाया और अटैकिंग क्रिकेट खेली। साथ ही विकेट नहीं गिरने दिया। कैंपबेल ने अब तक नौ चौके और दो छक्के लगाए हैं, जबकि होप ने आठ चौके और दो छक्के लगाए हैं।

इससे पहले वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। वेस्टइंडीज की टीम ने रविवार को चार विकेट पर 140 रन से आगे खेलना शुरू किया और 108 रन बनाने में बाकी के छह विकेट गंवा दिए। कुलदीप यादव ने घातक गेंदबाजी की और पांच विकेट झटके। यह उनके टेस्ट करियर का पांचवां फाइव विकेट हॉल रहा।

रविवार को वेस्टइंडीज को शुरुआती तीन झटके कुलदीप ने ही दिए। उन्होंने शाई होप (36), तेविन इमलाक (21) और जस्टिन ग्रीव्स (17) को पवेलियन भेजा। इसके बाद सिराज ने जोमेल वारिकन को क्लीन बोल्ड किया। वारिकन एक रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने खेरी पियरे को बोल्ड किया। पियरे 23 रन बना सके। आखिर में कुलदीप ने जेडन सील्स (13) को एल्बीडब्ल्यू कर वेस्टइंडीज की पारी 81.5 ओवर में 248 रन पर समेट दिया।

एंडरसन फिलिप 24 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले जॉन कैंपबेल 10 रन, तेजनारायण चंद्रपॉल 34 रन और एलिक एथनाजे 41 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान रोस्टन चेज खाता नहीं खोल सके थे। भारत की ओर से कुलदीप के अलावा रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट झटके, जबकि बुमराह और सिराज को एक-एक विकेट मिला।

जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने बनाई ड्रीम टी20 टीम

रोहित शर्मा बने कप्तान, विराट और धोनी को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सिकंदर रजा ने हाल ही में अपनी 'ऑल टाइम बेस्ट टी 20 इलेवन' का ऐलान किया, जिसमें उन्होंने रोहित शर्मा को कप्तान चुना। इस टीम में कई दिग्गज क्रिकेटरों को पीछे छोड़ते हुए रोहित को प्राथमिकता दी गई, जबकि विराट कोहली और एमएस धोनी जैसे बड़े नामों को टीम में जगह नहीं मिली।

सिकंदर रजा की ड्रीम टीम में ओपनिंग जोड़ी के रूप में क्रिस गेल और रोहित शर्मा, विकेटकीपर के तौर पर निकोलस पूरन, और मिडिल ऑर्डर में एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन और काइरन पोलार्ड शामिल हैं। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा और शाहिद अफरीदी को स्थान दिया गया है। गेंदबाजी विभाग में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के रूप में राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क और शाहीन अफरीदी को टीम में जगह मिली है। पूरी टीम में कुल मिलाकर संतुलित संयोजन है, जिसमें आक्रामक बल्लेबाजी, प्रतिभाशाली ऑलराउंडर और अनुभवी गेंदबाज शामिल हैं।

सिकंदर रजा की टी20 ड्रीम टीम ओपनिंग: क्रिस गेल और रोहित शर्मा

विकेटकीपर: निकोलस पूरन

मिडिल ऑर्डर: एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड

ऑलराउंडर: रवींद्र जडेजा, शाहिद अफरीदी

बॉलिंग अटैक: राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, मिचेल स्टार्क, शाहीन अफरीदी

पूरी टीम: क्रिस गेल, रोहित शर्मा (कप्तान), निकोलस पूरन, एबी डिविलियर्स, हेनरिक क्लासेन, काइरन पोलार्ड, शाहिद अफरीदी, रवींद्र जडेजा, राशिद खान, जसप्रीत बुमराह, शाहीन अफरीदी, मिचेल स्टार्क।

शंघाई मास्टर्स में मोनाको के वाशरो ने किया उलटफेर, जोकोविच को हराकर फाइनल में पहुंचे

शंघाई। मोनाको के वेलेंटिन वाशरो ने सर्बियाई टेनिस स्टार और विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ ही वाशरो शंघाई मास्टर्स 2025 के फाइनल में पहुंच गये हैं। वाशरो इस टूर्नामेंट में क्वालीफाइंग के जरिये आये थे पर उन्होंने इसमें अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। वाशरो ने कहा, कोर्ट पर जोकोविच जैसे शीर्ष खिलाड़ी को देखना मेरे लिए अलग अनुभव था। फाइनल में वाशरो का मुकाबला अब उनके ही देश के आर्थर रिंदरनेश से हो सकता है, रिंदरनेश ने एक अन्य सेमीफाइनल में रुसी के दानिल मेदवेदेव को हराया है। जोकोविच इस मैच में कूल्हे की चोट के कारण शुरुआत में ही 3-4 से पीछे हो गये। उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया पर वह अगले सेट में भी टिक नहीं पाये।

विजय हजारे ट्रॉफी में नजर आएंगें विराट और रोहित, चयनकर्ताओं के निर्देश पर बड़ा कदम

नई दिल्ली,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

टीम इंडिया के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा घरेलू क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। दोनों खिलाड़ी 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हज़ारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे। यह फैसला मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के निर्देश पर लिया गया है, जिन्होंने हाल ही में सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को स्पष्ट संदेश दिया था कि फिट और उपलब्ध खिलाड़ी अब घरेलू टूर्नामेंटों से दूरी नहीं बना सकते। अगरकर के इस सख्त रुख का उद्देश्य 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों के तहत टीम चयन को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाना है। अजीत अगरकर ने पहले ही संकेत दिया था कि अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के बीच लंबा ब्रेक लेने वाले खिलाड़ियों को विजय हज़ारे ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंटों में भाग लेना होगा। उन्होंने कहा था कि घरेलू क्रिकेट भारतीय टीम की नींव है, और जो खिलाड़ी चयन की दौड़ में बने रहना चाहते हैं, उन्हें अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। चयन समिति ने यह भी माना कि घरेलू क्रिकेट में अनुभवी खिलाड़ियों की भागीदारी से न सिर्फ प्रतियोगिता का स्तर बढ़ेगा बल्कि युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। सूत्रों के मुताबिक, कोहली और रोहित दोनों ने बीसीसीआई को अपनी उपलब्धता की जानकारी दे दी है और वे कम से कम तीन से चार मैच खेलने के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6 दिसंबर को होने वाले आखिरी वनडे और 11 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के बीच करीब पांच हफ्तों का अंतर है, जिसे दोनों खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहने के लिए चुना है। कोहली दिल्ली के लिए मैदान में उतरेंगे, जबकि रोहित मुंबई की टीम की अगुवाई करेंगे। विजय हज़ारे ट्रॉफी का कार्यक्रम 24 दिसंबर से 8 जनवरी तक चलेगा। मुंबई टीम के मैच 24, 26, 29 और 31 दिसंबर को निर्धारित हैं, जबकि दिल्ली के मैच भी इसी अवधि में खेले जाएंगे। बीसीसीआई चाहता है कि दोनों खिलाड़ी न्यूजीलैंड सीरीज़ से पहले कम से कम तीन राउंड खेलें ताकि वे मैच फिटनेस बनाए रखें और घरेलू स्तर पर युवाओं के साथ अनुभव साझा कर सकें।

महिला विश्वकप : श्रीलंका को हराकर नंबर एक पर पहुंची इंग्लैंड

कोलंबो,12 अक्टूबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत के साथ ही इंग्लैंड ने महिला विश्वकप में तीसरा मुकाबला जीतने के साथ ही टूर्नामेंट अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम अंक तालिका में दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया तीन में से दो मैच जीतकर दूसरे नंबर पर है। श्रीलंका के खिलाफ उसका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस कारा उसके पांच 5 अंक है। वहीं भारतीय टीम तीसरे नंबर पर है। भारतीय टीम ने तीन में से दो मैच जीतकर 4 अंक हासिल किये हैं। भारतीय टीम को एक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अक अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को बड़े अंतर से हराती है तो वह नंबर पर पहुंच सकती है।

भारतीय टीम का नेट 4 अंक के साथ ही प्लस 0.953 का है, जबकि इंग्लैंड 6 अंक और प्लस1.864 के नेट रन रेट के साथ पहले पायदान पर है। टीम इंडिया अगर ऑस्ट्रेलिया को बडे अंतर हराती है तो उसके 6 अंक हो जाएंगे। अंकतालिका में दक्षि अफ्रीका 4 अंक लेकर चौथे जबकि दो अंक लेकर न्यूजीलैंड टीम पांचवे नंबर पर है। बांग्लादेश दो अंक लेकर छठे जबकि श्रीलंका एक अंक के साथ ही सातवें स्थान पर है। वहीं पाकिस्तान टीम का खाता नहीं खुला है और वह आठवें नंबर पर है।

सुदर्शन चोटिल होने के कारण क्षेत्ररक्षण के लिए नहीं उतरेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज साई सुदर्शन चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तीसरे क्षेत्ररक्षण के लिए मैदान में नहीं उतरेंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार सुदर्शन अभी फिट नहीं हैं। सुदर्शन को दूसरे दिन कैच पकड़ते समय चोट लगी थी, जिससे वह अभी तक पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं। बीसीसीआई ने कहा, सुदर्शन को दूसरे दिन कैच लेने के दौरान ही चोट लग गयी थी। इसी कारण वह मैदान से बाहर चले गये थे हालांकि उनकी चोट गंभीर नहीं है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। वहीं हर्षित राणा उनकी जगह फील्डिंग के लिए उतरेंगे। सुदर्शन जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने पहली पारी में 500 से ज्यादा रन बनाये थे।

भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश

नई दिल्ली,12 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के अनुसार भारत अब 125 गीगावाट (जीडब्ल्यू) स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। इस उपलब्धि के साथ भारत ने जापान (96 जीडब्ल्यू) को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त 2025 के अंत तक भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता 192 जीडब्ल्यू तक पहुंच गई है। इसमें सौर, पवन, बायोमास और जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक यह क्षमता 500 जीडब्ल्यू तक पहुंच जाए।

125 जीडब्ल्यू सौर क्षमता के साथ जापान को पीछे छोड़ा

2025 में भारत ने केवल अप्रैल से सितंबर के बीच 25 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है। इसमें 21.7 जीडब्ल्यू सौर ऊर्जा और 3.09 जीडब्ल्यू पवन ऊर्जा शामिल है। जुलाई 2025 तक देश की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 119.02 जीडब्ल्यू थी, जिसमें से 90.99 जीडब्ल्यू जमीन आधारित सौर संयंत्रों और 19.88 जीडब्ल्यू रूफटॉप सिस्टम से आई है। वहीं तापीय ऊर्जा की हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है।

अब देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता 485 जीडब्ल्यू है, जिसमें तापीय (कोयला व गैस) बिजली सिर्फ 49.9 फीसदी रह गई है। 2015 में यह आंकड़ा 70 फीसदी था। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है जो भारत के हरित ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम को दर्शाता है। इंटरनेशनल थिंक टैंक एम्बर के अनुसार इस वर्ष की पहली छमाही में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन में 17 टेरावाट-घंटे की वृद्धि हुई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। यह परिवर्तन भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

दिवाली के लंबे सप्ताहांत के कारण आतिथ्य, यात्रा सेवाओं की मांग बढ़ी

नई दिल्ली। दिवाली से पहले देशभर में यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है। लंबा सप्ताहांत होने से परिवार और दोस्त एक साथ त्योहार मनाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों की ओर रुख कर रहे हैं। प्रमुख शहरों और पर्यटक स्थलों में होटल बुकिंग में बढ़ोतरी हुई है, जबकि इंटरसिटी बस सेवाओं की बुकिंग 95-100 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बताया जा रहा है कि त्री अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे छोटे शहरों और कम प्रसिद्ध गंतव्यों की ओर बढ़ रहे हैं। जीएसटी सुधारों ने मिड-सेगमेंट यात्रा को किफायती और सुविधाजनक बना दिया है। एक ट्रैवल्स अधिकारी के अनुसार बस किराए सामान्य से तीन गुना तक बढ़ गए हैं और कुल बुकिंग का 62 प्रतिशत हिस्सा अब टियर-2 और टियर-3 शहरों से आ रहा है। प्रमुख शहरों और पर्यटक स्थलों में होटल बुकिंग में बढ़ोतरी लोग अपने गृह नगर लौटने को प्राथमिकता दे रहे हैं। होटलों के अलावा, होमस्टे और विला की मांग भी बढ़ी है, खासकर बड़े परिवारों के बीच। कुल मिलाकर, इस दिवाली घरेलू पर्यटन ने नए रुझान दिखाए हैं जहां सुविधा, संस्कृति और अनुभव को प्राथमिकता दी जा रही है।

एक साल की एफडी पर 10 बैंक दे रहे आकर्षक ब्याज दरें, वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली। अगर आप अपनी सेविंग्स को सुरक्षित निवेश में लगाना चाहते हैं तो फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) इस समय एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। बाजार की अनिश्चितता और शेयर बाजार की अस्थिरता को देखते हुए एफडी एक ऐसा निवेश है जो तय ब्याज दर के साथ मानसिक संतुलन भी देता है। खास बात यह है कि वर्तमान में कई बैंक एक साल की एफडी पर 7 फीसदी से लेकर 8 फीसदपी तक का आकर्षक ब्याज दे रहे हैं। डीसीबी बैंक और तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक सामान्य ग्राहकों को 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.75 फीसदी ब्याज दे रहे हैं। वहीं केनरा बैंक, कर्नाटक बैंक, आरबीएल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे बैंक भी 7 फीसदी से 7.5 फीसदी तक का रिटर्न दे रहे हैं। विदेशी बैंक डॉयचे बैंक भी 1 साल की एफडी पर 7 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 6.80 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 7.30 फीसदी ब्याज दे रहा है। इसी तरह बैंक ऑफ बड़ौदा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 6.75 फीसदी से 7.25 फीसदी तक का रिटर्न दे रहे हैं।

डीमार्ट का मुनाफा बढ़ा, 8 नए स्टोर खुले, ई-कॉमर्स में तेजी, पहली तिमाही में 685 करोड़ का जबरदस्त मुनाफा, आय भी 15.4 फीसदी उछला

नई दिल्ली । डीमार्ट सुपरमार्केट और हाइपरमार्केट चेन संचालित करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 3.9 फीसदी बढ़कर 684.85 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा कम था। इस दौरान कंपनी की कुल आय 15.4 फीसदी बढ़कर 16,676.30 करोड़ रुपए रही। हालांकि एबिटिडा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) 1,214 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल के 1,094 करोड़ रुपए से अधिक है। बावजूद इसके एबिटिडा मार्जिन 7.6 फीसदी से घटकर 7.3 फीसदी पर आ गया, जो परिचालन लागत में बढ़ोतरी का संकेत है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दो साल से अधिक पुराने स्टोर्स की बिक्री में 6.8 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। साथ ही इस तिमाही में 8 नए स्टोर खोले गए, जिससे 30 सितंबर 2025 तक डीमार्ट के कुल स्टोर्स की संख्या 432 हो गई। सरकार द्वारा हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का लाभ भी डीमार्ट ने ग्राहकों तक पहुंचाया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत में होगा ...

टीईपीए एक व्यापक और दूरदर्शी समझौता है। इसमें 14 अध्याय हैं, जो व्यापार के महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े हैं। वस्तुओं के लिए बाज़ार तक पहुंच बनाना, व्यापार करना आसान बनाना, बेवजह की रुकावटों को दूर करना, पर्यावरण मानकों को मानना, व्यापार में तकनीकी बाधाएं दूर करना, निवेश प्रोत्साहन, सेवाएं, बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं। किसी भी भारतीय मुक्त व्यापार समझौते में पहली बार ऐसा हुआ है कि समझौते में निवेश और रोजगार सृजन को बाध्यकारी बनाया गया है। ये आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम है। इस समझौते का लक्ष्य अगले पंद्रह वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर यानी 8 लाख 88 हजार 4 सौ करोड़ रुपए का निवेश और दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है, जो इसे देश के आर्थिक इतिहास की सबसे दूरदर्शी व्यापारिक साझेदारियों में से एक बनाता है।

टीईपीए के मूल में एक मजबूत निवेश प्रक्रिया है। इसमें ईएफटीए देशों को शुरुआती 10 वर्षों के दौरान भारत में 50 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने और उसके बाद के पांच वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश करने की प्रतिबद्धता होगी। ये रकम अल्पकालिक पोर्टफोलियो निवेशों के बजाय विनिर्माण, इनोवेशन और अनुसंधान में दीर्घकालिक परियोजनाओं में लगाई जाएंगी। इनसे भारत के प्रतिभाशाली लोगों को यूरोप के उन्नत तकनीकी नेटवर्क से जोड़कर दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है। इसे आसान बनाने के लिए, फरवरी 2025 में निवेशकों के लिए एक भारत-ईएफटीए डेस्क की स्थापना की गई है। जो नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान, इंजीनियरिंग और डिजिटल बदलाव जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए, छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त उद्यमों और सहयोग को बढ़ावा देगा।

यह समझौता रणनीतिक रूप से टैरिफ को कम या पूरी तरह समाप्त करके संतुलित बाजार तक पहुंच को सुनिश्चित करेगा। ईएफटीए ने अपनी 92.2 प्रतिशत उत्पादों पर टैरिफ में छूट दी है, जिसमें भारत के 99.6 प्रतिशत निर्यात शामिल हैं, जिसमें सभी गैर-कृषि वस्तुएं और प्रोसेस्ड कृषि उत्पाद शामिल हैं। बदले में, भारत ने अपनी 82.7 प्रतिशत टैरिफ पर रियायतें दी हैं, जिसमें ईएफटीए के 95.3 प्रतिशत निर्यात शामिल हैं। खास बात यह है कि भारत ईएफटीए से 80 प्रतिशत से अधिक सोना आयात करता है, जहाँ प्रभावी शुल्क अपरिवर्तित रहते हैं। डेयरी, सोया, कोयला, फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण और कुछ खाद्य उत्पादों जैसे संवेदनशील घरेलू क्षेत्रों को या तो बाहर रखा गया है या पांच से दस वर्षों में सिलसिलेवार तरीके से इन पर टैरिफ कटौती की जाएगी। इससे मेक इन इंडिया और उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना जैसे कार्यक्रमों के तहत भारतीय उद्योगों को बदलाव के साथ-साथ प्रतिस्पर्धा के लिए पर्याप्त समय मिल रहा है। इसकी एक प्रमुख विशेषता नर्सिंग, चार्टर्ड अकाउंटेंसी और वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक समझौतों का प्रावधान है। इससे कुशल पेशेवरों के लिए आने-जाने की सुविधा होगी। इसके अलावा, यह समझौता डिजिटल क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका अदा करेगा। क्योंकि भारतीय टैलेंट को अस्थायी प्रवास के माध्यम से बाजार में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। इससे सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका और...

आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है और न ही इसमें शामिल होने को लेकर कोई फैसला हुआ है। जानकारों का मानना है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में जाने के लिए तैयार होते हैं, तो यह उनके लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात का एक बड़ा अवसर साबित हो सकता है। इसके अलावा, पीएम मोदी का यह कदम फिलिस्तीनी लोगों के प्रति एक सकारात्मक संदेश के रूप में भी देखा जा सकता है। सत्ता गलियारे में खबर चल रही है कि शांति शिखर वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस बारे में आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा है।गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और हमास के साथ मिलकर गाजा पीस प्लान तैयार किया है। इसके तहत हमास और इजरायल न सिर्फ बंधकों को रिहा करेंगे, बल्कि दो साल से जारी इस जंग को भी समाप्त करेंगे। हालांकि, इस पीस प्लान को लेकर हमास के मन में अभी भी संदेह बना हुआ है। ट्रंप की कई शर्तों को हमास पहले ही गैर-व्यावहारिक बता चुका है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की यह कोशिश कितनी सफल होती है और क्या इजरायल-हमास के बीच जारी जंग वास्तव में थमती है या नहीं।

स्वर्ण मंदिर पर...

इस ऑपरेशन की भारी आलोचना हुई थी। कुछ महीनों बाद 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की उनके दो सिख अंगरक्षकों बेअंत सिंह और सतवंत सिंह ने नई दिल्ली स्थित आवास पर उनकी हत्या कर दी।

चिदंबरम के बयान पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एसजीपीसी ने कहा, चिदंबरम ने तो इसे गलती माना, लेकिन वे अभी भी आधा-अधूरा सच बोल रहे हैं। यह सब 1984 के उन दर्दनाक दिनों की याद दिला देता है, जब स्वर्ण मंदिर पर सेना की कार्रवाई ने पूरे सिख समुदाय को गहरी चोट पहुंचाई थी। एसजीपीसी ने चिदंबरम के बयान का स्वागत तो किया कि कम से कम उन्होंने गलती मान ली, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ये ऑपरेशन इंदिरा गांधी का निजी एजेंडा था, न कि किसी साझा फैसले का नतीजा। एसजीपीसी के मुताबिक, ऑपरेशन ब्लू स्टार इंदिरा गांधी का फैसला था, सेना या खुफिया तंत्र का नहीं। एसजीपीसी ने कांग्रेस की पुरानी नीतियों पर भी उंगली उठाई। उन्होंने पूछा, अगर पार्टी सचमुच अपनी गलतियां मान रही है, तो राहुल गांधी जगदीश टाइटलर या सज्जन कुमार जैसे नेताओं पर क्यों चुप रहते हैं, जिन पर 1984 के सिख विरोधी दंगों में भूमिका के आरोप हैं? सज्जन कुमार को तो सजा भी हो चुकी है, लेकिन कांग्रेस वाले उनके साथ मंच साझा करते रहते हैं। ये दोहरी बातें सिख भाइयों को चुभती हैं, जो उन दंगों में हजारों अपनी जान गंवा चुके।चिदंबरम के बयान ने कांग्रेस के अंदर ही हंगामा मचा दिया है। पार्टी के नेता राशिद अल्वी ने उन पर निशाना साधा। अल्वी ने कहा, 50 साल बाद इंदिरा जी और पार्टी पर हमला क्यों? ये तो भाजपा जैसा लगता है। चिदंबरम पर तो आपराधिक मामले लंबे हैं, कहीं दबाव में तो नहीं बोल रहे? चिदंबरम के बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी में आंतरिक तौर पर नाराजगी है। खबर है कि कांग्रेस आलाकमान भी अपने वरिष्ठ नेता के बयान से खफा है। आलाकमान चाहता है कि वरिष्ठ नेताओं को पार्टी के लिए शर्मिंदगी पैदा कर सकने वाले बयान देने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।

इससे पहले साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले और पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन न लेने को लेकर भी चिदंबरम ने हाल ही में बयान दिया था। इसको लेकर सत्तारूढ़ भाजपा ने कांग्रेस की सरकार पर हमला बोला था। ऐसे में अब पूर्व पीएम इंदिरा गांधी और ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर दिए गए बयानों के चलते पार्टी की फजीहत होने लगी है। इसके चलते ही सवाल उठने लगे हैं कि पार्टी उनके खिलाफ इस तरह की बयानबाजी के चलते कोई एक्शन लेगी या नहीं?

एयरबेस में 12...

इसके बाद से ही उसका परिवार यहां ग्वालियर में बस गया। रातुल शेख ने बताया कि उसने 5 साल पहले 4 हजार रुपए देकर सीमा पार किया था। तभी से ग्वालियर में रह रहा है।

आत्मनिर्भर भारत...

राष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि समाज और देश भी उनकी शिक्षा में योगदान देते हैं, इसलिए उन्हें समाजसेवा के माध्यम से इस ऋण को चुकाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि छात्र समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात और यहां के लोगों की उद्यमशीलता की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा, गुजरात हमेशा आत्मरोजगार के लिए जाना जाता रहा है। यहां के उद्यमियों ने न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। बड़ी संख्या में गुजराती प्रवासी भारतीयों में सफल हैं। आप सभी को उसी वैश्विक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात में आत्मरोजगार और आत्मनिर्भरता की संस्कृति पूरे देश में फैलनी चाहिए। मुझे विश्वास है कि गुजरात विद्यापीठ के सभी छात्र इस संस्कृति के वाहक बनेंगे। इस कार्यक्रम के साथ राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्य के अपने तीन दिवसीय दौरे का समापन किया।

इससे पहले शनिवार की सुबह राष्ट्रपति ने द्वारका के प्रसिद्ध द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना की। शुक्रवार को उन्होंने गिर राष्ट्रीय उद्यान में शेर सफारी का आनंद लिया और सासन में सिद्धी जनजाति समुदाय से बातचीत की। उससे पहले उन्होंने गिर सोमनाथ जिले में भगवान शिव को समर्पित प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में दर्शन किए थे।

राज्यसभा चुनाव...

पार्टी ने दावा किया था कि चौथी सीट के लिए कांग्रेस के साथ बातचीत जारी है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर में 4 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने जा रहे हैं। सोमवार (13 अक्टूबर 2025) को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन है। वहीं 24 अक्टूबर 2025 को मतदान होने हैं।

वैश्विक जीडीपी ...

डिमांड और स्मार्ट इकोनॉमिक-फाइनेंशियल पॉलिसी का नतीजा है, जिन्होंने हमें बाहर के झटकों से बचाया है।

दास ने अमेरिका और दूसरे देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की बातचीत में भारत के निष्पक्ष और बैलेंस्ड रिजल्ट्स पर फोकस को खास तौर पर सराहा। ग्लोबल दुनिया में सबकुछ उलट-पुलट हो रहा है। अनिश्चितताओं का पहाड़ खड़ा है, और पुराने नियम-आधारित ग्लोबलाइज्ड ट्रेड सिस्टम में बड़े बदलाव आ रहे हैं। दास ने बताया कि कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध ने हमें आईना दिखाया - आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत बनाना कितना जरूरी है। अब स्ट्रैटेजिक ऑटोनॉमी हमारी प्रायोरिटी बन गई है। रीजनल ट्रेड अग्रीमेंट्स छोटे-छोटे प्रैक्टिकल गठबंधनों की ओर बढ़ रहे हैं, जहां हर कदम सोच-समझकर उठाया जा रहा है।पिछले एक दशक के स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स और आत्मनिर्भर भारत विजन ने भारत को कई ग्लोबल चैलेंजेस से लड़ने की ताकत दी। ये रिफॉर्म्स न सिर्फ इकोनॉमी को स्थिर रखते हैं, बल्कि हमें ग्लोबल स्टेज पर चमकाने का काम भी कर रहे हैं। दास का कहना है कि भारत ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच शानदार लचीलापन और डायनामिज्म दिखा रहा है। दास ने बताया कि भारत के पास अभी 14 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) और 6 प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट (पीटीए) हैं। इसमें हाल ही के बड़े समझौते शामिल हैं यूके, ऑस्ट्रेलिया, यूएई के साथ। साथ ही, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों जैसे स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के साथ भी डील हो गई है। ये सब नई दोस्तियां हैं जो व्यापार को आसान बनाएंगी। अभी और बातचीत चल रही है अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, पेरू, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ। दास ने कहा कि मजबूत घरेलू डिमांड और सही पॉलिसी ने हमें बाहरी झटकों से निपटने की ताकत दी। ये बेसिक्स और रिफॉर्म्स ने इकोनॉमी को इतना मजबूत कर दिया कि भारत अब ग्लोबल ग्रोथ में बड़ा रोल अदा करने को तैयार है।

एनएसई ने नाकाम...

सख्त प्रोटोकॉल लागू हैं। जैसे ही कोई संदिग्ध ट्रैफिक दिखता है, सिस्टम ऑटोमैटिक पॉप-अप और अलर्ट जारी कर देता है। डीडीओएस हमला किसी सर्वर पर हजारों स्रोतों से एक साथ ट्रैफिक भेजकर उसे ठप्प कर देता है। अगर ऐसा हमला एनएसई जैसे वित्तीय संस्थान पर कामयाब हो जाए, तो देशभर के लाखों निवेशकों के लिए सिस्टम ठप्प हो सकता है। इसी खतरे को देखते हुए एनएसई ने वल्नेरेबिलिटी असेसमेंट और पेनिट्रेशन टेस्टिंग (वीएपीटी) जैसे सख्त सुरक्षा ऑडिट को सभी ट्रेडिंग मेंबर्स और स्टाफ के लिए अनिवार्य कर दिया है।

एनएसई के पास स्वचालित बैकअप सिस्टम है, जो जरूरत पड़ने पर चेन्नई से रिमोटली एक्टिवेट किया जा सकता है। अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि अगर किसी कारण सिस्टम में गड़बड़ी होती है, तो चेन्नई वाला बैकअप तुरंत काम संभाल लेता है। हालांकि, एनएसई को अब तक ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा है। एनएसई अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते डिजिटल नेटवर्क और ग्लोबल कनेक्टिविटी के कारण साइबर हमलों का जोखिम पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है, लेकिन भारत का स्टॉक एक्सचेंज हर चुनौती के लिए तैयार है।

हमारा दिल बड़ा...

खुश करने की कोशिश क्यों?

मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति और सहयोगपूर्ण संबंध चाहता है। अफगानिस्तान भारत के साथ बेहतर संबंध चाहता है, इससे पाकिस्तान को क्या दिक्कत है, यह तो पाकिस्तान ही बताए। मुत्तकी ने क्षेत्रीय संबंधों में किसी तनाव को खारिज करते हुए कहा कि अफगानिस्तान का मकसद टकराव नहीं, बल्कि सहयोग है। मुत्तकी ने पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अब अफगानिस्तान में टीटीपी की कोई मौजूदगी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने खुद ही अपने कबायली इलाकों में सैन्य अभियान चलाकर हजारों लोगों को बेघर किया था, जिनमें से कई शरणार्थियों के रूप में अफगानिस्तान में रह रहे हैं।मुत्तकी ने कहा कि ये लोग पाकिस्तान से आए हैं और अफगान धरती पर शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। जब अमेरिका और उसकी समर्थित सरकार अफगानिस्तान में थी, तब इन्हें जगह दी गई। अब ये लोग हमारी देखरेख में शांति से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा, यानी ड्यूरंड लाइन, 2400 किलोमीटर से ज्यादा लंबी है। न इसे चंगेज खान नियंत्रित कर सका, न अंग्रेज। केवल ताकत से इसे नहीं संभाला जा सकता। पाकिस्तान के पास बड़ा फौज और बेहतरीन खुफिया एजेंसियां हैं, फिर वे खुद इसे क्यों नहीं रोक पा रहे?इस दौरान मुत्तकी ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के सैन्य तनाव पर भी विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी जनता शांति चाहती है और अफगानिस्तान से अच्छे संबंध भी। हमें पाकिस्तान के आम लोगों से कोई शिकायत नहीं है। लेकिन कुछ ताकतें दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान की ओर से हमले हुए, तो अफगानिस्तान ने अपनी सीमाओं की रक्षा करते हुए जवाबी कार्रवाई की। हमने अपने सैन्य लक्ष्यों को पूरा किया और अब कतर और सऊदी अरब जैसे दोस्तों की अपील पर हम स्थिति को शांत करने के लिए रुके हैं। इसके साथ ही आखिर में मुत्तकी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर पाकिस्तान शांति और अच्छे रिश्ते नहीं चाहता, तो अफगानिस्तान के पास और भी विकल्प मौजूद हैं। लेकिन हम युद्ध नहीं, शांति चाहते हैं।

आज अहोई अष्टमी

जानें तिथि और शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का विशेष महत्व है। इसी दिन अहोई अष्टमी का व्रत रखा जाता है। माताएं इस दिन संतान की लंबी उम्र की कामना करती हैं। विवाहित महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को तारों के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि अहोई अष्टमी व्रत करने से संतान को लंबी उम्र का आशीर्वाद प्राप्त होता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि अहोई अष्टमी 2025 कब है और क्या है इसका शुभ मुहूर्त।

इस साल अहोई अष्टमी का व्रत सोमवार, 13 अक्टूबर को पड़ रहा है। अष्टमी तिथि की शुरुआत 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12 बजकर 24 मिनट पर हो रही है।, जबकि 14 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजकर 09 मिनट पर अष्टमी तिथि समाप्त हो रही है।

अहोई अष्टमी के लिए पूजा का सर्वोत्तम समय शाम 05 बजकर 53 मिनट से लेकर 07 बजकर 08 मिनट तक रहेगा। कुल मिलाकर पूजा का शुभ मुहूर्त 1 घंटे 15 मिनट तक रहेगा। तारों का दर्शन कर व्रत के पारण का समय शाम को 06 बजकर 28 मिनट से शुरू हो जाएगा। वहीं, चंद्रोदय का समय रात 11 बजकर 40 मिनट है। कुछ स्थानों पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा है।

किसके लिए रखा जाता है व्रत?

अहोई अष्टमी का दिन दिवाली पूजा से लगभग आठ दिन पहले और करवा चौथ के चार दिन बाद आता है। करवा चौथ की ही तरह, अहोई अष्टमी का व्रत भी निर्जला रखा जाता है। करवा चौथ का व्रत पति की लम्बी आयु के लिए किया जाता है, तो अहोई अष्टमी संतान की लम्बी आयु के लिए रखा जाता है। उत्तर भारत में बड़े उत्साह के साथ इस व्रत को मनाया जाता है।

अहोई अष्टमी का महत्व

इस दिन माताएं सुबह से ही निर्जल उपवास का संकल्प लेती हैं और पूरे दिन बिना भोजन व जल ग्रहण किए व्रत का पालन करती हैं। व्रत के दौरान महिलाएं सायंकाल माता अहोई की पूजा करती हैं और अर्घ्य अर्पित कर अपने बच्चों के दीर्घायू और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। निसंतान महिलाएं संतान सुख की प्राप्ति के लिए बी ये व्रत करती हैं।

अहोई अष्टमी व्रत कथा, इसके पाठ से अहोई माता होंगी प्रसन्न

एक साहूकार था जिसके सात बेटे थे, सात बहुएं तथा एक बेटी थी। दिवाली से पहले कार्तिक बदी अष्टमी को सातों बहुएं अपनी इकलौती ननद के साथ जंगल मे खादान में मिट्टी खोद रही थी वहीं स्याहू (सेई) की मांद थी। मिट्टी खोदते समय ननद के हाथ से सेई का बच्चा मर गया। स्याहू माता बोली कि अब मै तेरी कोख बांधूंगी। तब ननद अपनी सातों भाभियों से बोली कि तुममें से मेरे बदले कोई अपनी कोख बंधवा लो। सब भाभियों ने अपनी कोख बधवाने से इन्कार कर दिया परन्तु छोटी भाभी सोचने लगी कि यदि मैं कोख नहीं बंधाऊंगी तो सासूजी नाराज होंगी ऐसा विचार कर ननद के बदले में छोटी भाभी ने अपनी कोख बंधवा ली ! इसके बाद जब उससे जो लड़का होता वो सात दिन बाद मर जाता। एक दिन उसने पंडित को बुलाकर पूछा मेरी संतान सातवें दिन क्यों मर जाती है? तब पंडित ने कहा कि तुम सुरही गया की पूजा करो सुरही गाय स्याऊ माता की भायली है, वह तेरी कोख छोड़े तब तेरा बच्चा जिएगा।

इसके बाद से वह बहू प्रातःकाल उठकर चुपचाप सुरही गाय के नीचे सफाई आदि कर जाती। गौं माता बोली कि आज कल कौन मेरी सेवा कर रहा है। सो आज देखूंगी। गौ माता खूब तड़के उठी, क्या देखती है कि एक साहूकार के बेटे की बहू उसके नीचे सफाई आदि कर रही है। गौ माता उससे बोली क्या मांगती है। तब साहूकार की बहू बोली कि स्याऊ माता तुम्हारी भायली है और उसने मेरी कोख बांध रखी है सो मेरी कोख खुलवा दो। गौ माता ने कहा अच्छा, अब तो गौ माता समुद्र पार अपनी भायली के पास उसको लेकर चली। रास्ते में कड़ी धूप थी सो वे दोनों एक पेड़ के नीचे बैठ गईं। थोड़ी देर में एक सांप आया और उसी पेड़ पर गरुड़ पंखनी (पक्षी) का बच्चा था। सांप उसको डसने लगा तब साहूकार की बहू ने सांप मारकर डाल के नीचे दबा दिया और बच्चों को बचा लिया। थोड़ी देर में गरुड़ पंखनी आई तो वहां पर खून पड़ा देखकर साहूकार की बहू को चोंच मारने लगी। तब साहूकारनी बोली कि मैंने तेरे बच्चे को नही मारा बल्कि सांप तेरे बच्चे को डसने को आया था, मैंने तो उससे तेरे बच्चे की रखा की है। यह सुनकर गरुड़ पंखनी बोली कि मांग, तू क्या मांगती है? वह बोली सात समुद्र पार स्याऊ माता रहती हैं हमें तू उसके पास पहुंचा दे। तब गरुड़ पंखनी ने दोनों को अपनी पीठ पर बिठाकर स्याऊ माता के पास पहुंचा दिया। स्याऊ माता उन्हें देखकर बोली कि आ बहन बहुत दिनों बाद आई, फिर कहने लगी कि बहन मेरे सिर में जूँ पड़ गई हैं। तब सुरही के कहने पर साहूकार की बहू ने सलाई से उसकी जुयें निकाल दीं।

इस पर स्याऊ माता प्रसन्न हो बोली कि तूने मेरे सिर में बहुत सलाई डाली हैं इसलिये तेरे सात बेटे और बहू होंगी वह बोली मेरे तो एक भी बेटा नहीं सात बेटे कहां से होंगे। स्याऊ माता बोली – वचन दिया, वचन से फिरूऊ तो धोबी के कुण्ड पर कंकरी होऊं तब साहूकार की बहू बोली मेरी कोख तो तुम्हारे पास बन्द पड़ी है। यह सुन स्याऊ माता बोली कि तूने मुझे बहुत ठग लिया, मैं तेरी कोख खोलती तो नहीं परन्तु अब खोलनी पड़ेगी। जा तेरे घर तुझे सात बेटे और सात बहुयें मिलेंगी तू जाकर उजमन करियो। सात अहोई बनाकर सात कढ़ाई करियो। वह लौटकर घर आई तो वहाँ देखा सात बेटे सात बहुएँ बैठे हैं वह खुश हो गई। उसने सात अहोई बनाईं सात उजमन किए तथा सात कढ़ाई कीं। रात्रि के समय जेठानियां आपस में कहने लगीं कि जल्दी-2 नहाकर पूजा कर लो, कहीं छोटी बच्चों को याद करके रोने लगे। थोड़ी देर में उन्होंने अपने बच्चों से कहा- अपनी चाची के घर जाकर देख आओ कि आज वह अभी तक रोई क्यों नहीं। बच्चों ने जाकर कहा कि चाची तो कुछ मांड रहीं है, खूब उजमन हो रहा है। यह सुनते ही जेठानियां दौड़ी-2 घर आयीं और जाकर कहने लगीं कि तूने कोख कैसे छुड़ाई? वह बोली तुमने तो कोख बंधाई नहीं सो मैंने बंधा ली थी। अब स्याऊ माता ने कृपा करके मेरी कोख खोल दी है। स्याऊ माता ने जिस प्रकार उस साहूकार की बहू की कोख खोली उसी प्रकार हमारी भी खोलियो। कहने लगी तथा सुनने वाले की तथा सब परिवार की कोख खोलियो।

अहोई अष्टमी के दिन क्या करें क्या ना करें

अहोई अष्टमी का व्रत कार्तिक मास की अष्टमी तिथि के दिन रखा जाता है। यह व्रत महिलाएं अपनी संतान की रक्षा और उनकी मंगल कामना के लिए रखती है। जबकि संतान प्राप्ति के लिए भी यह व्रत किया जाता है। इस दिन अपनी संतान के लिए महिलाएं निर्जला उपवास करती हैं। इस व्रत का प्रभाव से संतान के जीवन में खुशहाली आती है। साथ ही संतान को तरक्की मिलती है। अहोई अष्टमी के दिन महिलाएं अहोई माता की पूजा करती हैं। साथ ही शास्त्रों में भी अहोई अष्टमी के व्रत को लेकर कुछ विशेष बातें बताएं हैं। इन बातों को विशेष ख्याल रखना चाहिए।

अहोई अष्टमी पूजा विधि

उससे ठीक सात दिन पूर्व उसी वार को पड़ती है। इस व्रत को वे स्त्रियां ही करती है जिनके सन्तान होती हैं या जो संतान प्राप्ति की कामना करती हैं। बच्चों की मां दिन भर व्रत रखे। सायंकाल दीवार पर अष्ट कोष्ठक की अहोई की पुतली रंग भर कर बनाएँ। उस पुतली के पास सेई (स्याऊ) तथा सेई के बच्चों का चित्र भी बनायें या छपी हुई अहोई अष्टमी का चित्र मंगवाकर दीवार पर लगाएं तथा पूजन कर सूर्यास्त के बाद अर्थात् तारे निकलने पर अहोई माता की पूजा करने से पहले पृथ्वी को पवित्र करके चौक पूज कर एक लोटा जल भरकर एक पटले पर कलश की भाँति रखकर पूजा करें। अहोई माता का पूजन करके माताएं कहानी सुनें।

पूजा के लिए माताएं पहले से एक चांदी की अहोई बनायें जिसे स्याऊ कहते हैं और उसमें चांदी के दो दाने (मोती डलवा लें) जिस प्रकार गले में पहनने के हार में पैंडिल लगा होता है उसी की भांति चांदी की अहोई ढलवा लें ओर डोरे में चांदी के दाने डलवा लें। फिर अहोई की रोली, चावल दूध व भात से पूजा करें। जल से भरे लोटे पर सतिया बना लें एक कटोरी में हलवा तथा रुपये बायना निकाल कर रख लें और सात दाने गेहूं के लेकर कहानी सुने। कहानी सुनने के बाद अहोई स्याऊ की माला गले में पहन लें। जो बायना निकालकर रखा था, उसे सासू जी के पांव लगाकर श्राद्ध पूर्वक उन्हे दे देवें। इसके बाद चन्द्रमा को अर्घ्य देकर भोजन करे। दीवाली के बाद किसी शुभ दिन अहोई को गले से उतारकर उसका गुड़ से भोग लगावे और जल के छीटे देकर मस्तक झुकाकर रख दे। जितने बेटे हैं उतनी बार तथा जितने बेटों का विवाह हो गया हो उतनी बार चांदी के 2-2 दाने अहोई में डालती जावें ऐसा करने से अहोई माता प्रसन्न हो बच्चों की दीर्घायु करके घर में नित नये मंगल करती रहती हैं। इस दिन पंडितों को पेठा दान करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

* अहोई अष्टमी के दिन महिलाओं को सूर्योदय होने से पहले ही स्नान कर लेना चाहिए और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
* इस दिन भूलकर भी मन में नकारात्मक विचार न लेकर आएं। खुद को सकारात्मक रखें और किसी की भी बुराई न करें। घर परिवार में भी किसी के साथ विवाद न करें। न ही अपना संतान को डांटे और हाथ उठाएं।
* शास्त्रों में बताया गया है कि अहोई अष्टमी के दिन महिलाओं को भूलकर भी मिट्टी से संबंधित कामकाज नहीं करने चाहिए। इस दिन मिट्टी खोदना वर्जित है। साथ ही चाकू, कैंची, सुई आदि से संबंधित काम भी नहीं करने चाहिए। न तो इस दिन कपड़े सिलने चाहिए न ही कैंची से कोई कपड़ा काटना चाहिए। इस दिन हो सके तो घर में किसी ओर से खाना पकाने के लिए कहें। या फिर व्रत पूर्ण होने के बाद आप खाना पकाएं।
* अहोई अष्टमी के दिन महिलाओं को दूध का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही पुरुषों को भी दूध का सेवन नहीं करना चाहिए। शाम के तारे के दर्शन के बाद ही अपने व्रत का पारण करें और खाने में लहसुन प्याज का प्रयोग न करें। शाम में पूजा के बाद अपने सास ससुर के पैर छुएं और उनका आशीर्वाद लें।
* इस दिन कोई पशु आपके द्वार पर आए तो उसे मारे नहीं बल्कि उन्हें खाना खाने के लिए दें और अगर आपके द्वार पर कोई गाय आ जाए तो उसे गुड़ कोटी खिलाकर और चारा देकर प्रणाम करें।

गुरु-चंद्रमा की युति से मिथुन, तुला सहित अन्य राशियों को मिलेगा लाभ

आज यानी 13 अक्टूबर 2025 को चंद्रमा मिथुन राशि में प्रवेश कर रहे हैं, जहां पहले से ही देवगुरु बृहस्पति विराजमान हैं। इन दोनों ग्रहों की युति अत्यंत शुभ गजकेसरी योग का निर्माण कर रही है। ज्योतिष शास्त्र में गजकेसरी योग को सफलता, समृद्धि प्रदान करने वाला शक्तिशाली योग माना जाता है। इस योग के प्रभाव से कई राशियों के जातकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। इस दौरान आर्थिक लाभ के अवसर प्राप्त होंगे और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मेष, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि के जातकों के लिए यह समय अत्यंत शुभ रहने वाला है।

मेष : व्यापारिक डील फाइनल हो सकती है

मेष राशि के तृतीय पराक्रम भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। शाम 5 बजे तक कोई खास व्यापारिक डील फाइनल हो सकती है। भविष्य में ये डील आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इस दौरान प्रशासन से किसी प्रकार का सम्मान प्राप्त हो सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। शाम 7 बजकर 30 मिनट पर चंद्रमा के मिथुन राशि में प्रवेश से सामाजिक मेलज-ोल बढ़ेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। दिन के उत्तरार्ध में शुभ खर्च के साथ समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी और लोगों का सहयोग भी प्राप्त होगा।

वृष : कानूनी विवादों में सफलता मिलेगी

वृष राशि के जातकों का आज का दिन नई योजनाओं और कार्य-प्रणालियों पर केंद्रित रहेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मानसिक शांति प्राप्त होगी। कानूनी विवादों में आज आपको सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। इस दौरान स्थान परिवर्तन की योजना भी सफल हो सकती है। वहीं, दिन के उत्तरार्ध में कुछ उलझने आएंगी, परंतु पराक्रम बढ़ेगा और कार्यक्षमता में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन में खुशी का माहौल रहेगा और किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न होगा। कार्यालय में आपके लिए अनुकूल वातावरण रहेगा और सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। दिन के अंत तक निवेश के मामले में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे।

मिथुन : कार्यक्षेत्र में सीनियर का सहयोग मिलेगा

आज का दिन मिथुन राशि के लोगों के लिए अत्यंत रचनात्मक रहने वाला है। कला, डिजाइन या लेखन के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभदायक रहेगा। आज के दिन आपको अपना प्रिय काम करने का मौका मिलेगा। इससे आपको मानसिक सुकून और ताजगी महसूस होगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर से सहयोग से भविष्य में उन्नति के मार्ग खुलेंगे। दिमाग में नई योजना के आने से भविष्य में सफलता मिलेगी। दिन के उत्तरार्ध में मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। संध्या तक किसी नए प्रोजेक्ट पर विचार कर सकते हैं।

कर्क : अधूरे काम पूरे होंगे

आज का दिन कर्क राशि के लोगों के लिए फलदायी रहने वाला है। आज के दिन मन लगाकर किए हुए कार्य के परिणाम तुरंत दिखाई देंगे। इस दौरान अधूरे काम पूरे होते हुए दिख रहे हैं। कार्यस्थल पर माहौल आपके पक्ष में रहेगा और आपके सोच और विचारों को महत्व मिलेगा। सहकर्मी भी आपकी बातों से प्रभावित होकर पूरा सहयोग देंगे। पारिवारिक वातावरण में खुशी और सामंजस्य बना रहेगा। शाम को विवाह या किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक रूप से दिन संतोषजनक रहेगा।

सिंह : वरिष्ठ अधिकारियों से मतभेद के संकेत

सिंह राशि के जातकों का आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला दिख रहा है। धर्म, अध्यात्म के लिए थोड़ा समय निकालना आपके लिए बेहतर होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों से कुछ मतभेद हो सकता है। इसलिए अपने विचारों को शांत ढंग से प्रस्तुत करें। आर्थिक दृष्टि से दिन संतुलित रहेगा।

शाम के समय किसी पारिवारिक या धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। नए अवसर सामने आएंगे लेकिन जल्दबाजी में निर्णय न लें।

कन्या : भाग्य का आपका पूरा साथ मिलेगा

कन्या राशि वालों के आज के दिन थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। आस-पास के लोगों से अनावश्यक विवाद हो सकता है। वहीं,परिवार में किसी शुभ कार्य या समारोह की चर्चा हो सकती है। कार्यक्षेत्र में भाग्य आपका पूरा साथ देगा और आत्मविश्वास से लिए गए निर्णय आपके लिए फलदायी साबित होंगे। शाम के समय परिस्थितियों में सुधार आएगा और दिन की शुरुआत से बेहतर परिणाम मिलेंगे। आर्थिक रूप से स्थिरता बनी रहेगी। किसी मित्र से सहयोग प्राप्त हो सकता है।

तुला : नये प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी

आज का दिन तुला राशि वालों के लिए लाभदायक रहेगा। सभी पुराने विवादों के आज सुलझने के आसार दिख रहे हैं। व्यवसाय में नये प्रोजेक्ट की शुरुआत के संकेत मिल रहे हैं। भूमि या संपत्ति संबंधी मामलों में आस-पास के लोग कुछ बाधाएं डाल सकते हैं। ऐसे में आपके लिए सावधान रहना जरूरी है। कार्यक्षेत्र में आपके कौशल की सराहना होगी। आर्थिक दृष्टि से उन्नति के संकेत हैं। किसी मित्र की सलाह आज काम आ सकती है।

वृश्चिक : लाभ के अवसर प्राप्त होंगे

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन आर्थिक रूप से मजबूत रहेगा। दिनभर लाभ के अवसर प्राप्त होते रहेंगे। व्यापार और नौकरी दोनों में नई ऊर्जा का संचार होगा। परिवार में शांति और स्थिरता बनी रहेगी। यदि किसी नए विचार या तकनीक को अपनाने की योजना है तो आज का दिन शुभ है। निवेश से भी लाभ होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी।

धनु : जोखिम से बड़ा लाभ हो सकता है

आज का दिन धनु राशि वालों को कुछ जोखिम उठाना पड़ सकता है। व्यापारिक मामलों में यदि सोच-समझकर थोड़ा जोखिम लिया जाए तो बड़ा लाभ हो सकता है। नई योजनाओं पर काम करने के लिए यह बेहद उत्तम दिन है। रोजमर्रा की दिनचर्या से हटकर कुछ नया करने का आज अवसर मिलेगा। किसी अपने के लिए आर्थिक सहायता करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में नए मौके सामने आएंगे, उन्हें पहचानना और सही दिशा में उपयोग करना आपके हाथ में है।

मकर : व्यापार से अच्छा लाभ मिलेगा

मकर राशि के जातकों का आज का दिन सामान्य रहने वाला है। साझेदारी में किया गया व्यापार अच्छा लाभ देगा। घरेलू कार्यों को निपटाने के लिए आज उत्तम दिन है। संतान से संबंधित कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और नियमों का पालन करें। दिन के दौरान कई जिम्मेदारियां एक साथ आने से मानसिक व्यग्रता बढ़ सकती है। शाम तक स्थिति अनुकूल हो जाएगी।

कुंभ : खानपान में लापरवाही न बरतें

आज कुंभ राशि वालों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। मौसम परिवर्तन के कारण जुकाम जैसी समस्या से परेशान हो सकते हैं। ऐसे में खानपान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के क्षेत्र में दिन संतोषजनक रहेगा और नई योजनाएं गति पकड़ेंगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, अन्यथा गलती हो सकती है। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं।

मीन : जरूरतमंद की मदद करनी पड़ेगी

मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन लाभदायक सिद्ध होने वाला है। व्यापार में लिया गया जोखिम आज फायदेमंद साबित होगा। मुश्किल परिस्थितियों को आप अपनी बुद्धिमत्ता और संयम से सुलझा लेंगे। आपकी वाणी और विचारों का प्रभाव लोगों पर सकारात्मक रहेगा। किसी जरूरतमंद की मदद करने से शुभ फल प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी और नए अवसर सामने आएंगे।

जॉर्जिया एंड्रियानी, तारा सुतारिया, जान्हवी कपूर ने शानदार सीक्विन वाली साड़ियों में ग्लैमर शिमर और शाइन को नई परिभाषा दी

फैशन की दुनिया में अक्सर 'बेहद आकर्षक' और 'बेहद चमकदार' के बीच एक महीन रेखा होती है। लेकिन इन बॉलीवुड हसीनाओं ने साबित कर दिया है कि जब बात शिमरी साड़ियों की आती है, तो ज़्यादा ही बेहतर होता है। सीक्विन, मेटैलिक फैब्रिक और ओवरऑल ब्लिंग अब रेड कार्पेट और स्पेशल मौकों पर एक पावर स्टेटमेंट बन चुके हैं। इन अभिनेत्रियाँ ने पूरे आत्मविश्वास के साथ ज़्यादा से ज़्यादा चमक-दमक को अपना रही हैं। सिर से पाँव तक चमकती साड़ियों से लेकर कमरे को सचमुच रोशन कर देने वाली साड़ियों तक, इन अभिनेत्रियों ने एक बात बिल्कुल साफ़ कर दी है: जब आप छह गज की शुद्ध ग्लैमर में लिपटे हों, तो ज़्यादा चमक-दमक जैसी कोई चीज़ नहीं होती। कियारा आडवाणीः कियारा आडवाणी ने हल्के सेज ग्रीन रंग की सीक्विन साड़ी में सादगी भरी लक्ज़री को जीवंत कर दिया, जिसमें शालीनता और चमक का सही संतुलन था। साड़ी पर बारीक कढ़ाई और चमकदार सजावट रोशनी को खूबसूरती से परावर्तित कर रही थी। उनके सॉफ्ट वेव्स हेयरस्टाइल और स्टेटमेंट ज्वेलरी ने साड़ी को केंद्र में रखा। यह लुक साबित करता है कि सटल शिमर भी अगर नफ़ासत से किया जाए, तो बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

जॉर्जिया एंड्रियानीः जॉर्जिया एंड्रियानी ने हज़ारों सीक्विन से सजी एक गहरे भूरे रंग की मेटैलिक साड़ी में शिमर के कॉन्सेप्ट को एक नई बुलंदी पर पहुँचाया। जिसने एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रभाव पैदा किया। उनके मोनोक्रोमैटिक लुक, वॉल्यूम वाले बाल और ग्लैमरस मेकअप ने उन्हें चलते-फिरते डिस्को बॉल में बदल दिया। यह लुक मैक्सिमम ड्रामा, मैक्सिमम शाइन, और हर कदम पर ध्यान आकर्षित करने के लिए बिल्कुल भी सही चुनाव है।

जान्हवी कपूरः जान्हवी कपूर ने अपनी रेनबो ब्लिंग सीक्विन वाली साड़ी में साबित कर दिया कि रेनबो ब्लिंग न सिर्फ़ स्वीकार्य है, बल्कि बेहद आकर्षक शो-स्टॉपर भी हो सकता है। उनकी मल्टीकलर सीक्विन साड़ी में डार्क पर्पल से लेकर एमरल्ड ग्रीन तक का ओम्ब्रे इफ़ेक्ट था, जो हर ऐंगल से अलग चमक दे रहा था। अपनी आत्मविश्वास से भरी स्टाइलिंग और आधुनिक ड्रेपिंग से, जान्हवी ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब बात चमक की आती है, तो ज़्यादा रंग और ज़्यादा चमक, ज़्यादा शानदार के बराबर होता है।

कृति सैननः कृति सैनन ने आइवरी और सुनहरे रंग की सीक्विन वाली साड़ी में टाइमलेस ग्लैमर पेश किया, जिसमें पुरानी बॉलीवुड एलेगेंस का एहसास और आधुनिक अंदाज़ झलक रहा था। नाज़ुक शैम्पेन टोन वाले सीक्विन्स ने पूरे लुक को राजसी और रोमांटिक बना दिया। जबकि उनकी पारंपरिक ज्वेलरी और स्लिक हेयरस्टाइल ने उनके क्लासिक अंदाज़ को और निखार दिया। यह लुक साबित करता है कि अपनी छाप छोड़ने के लिए आपको चटख रंगों की ज़रूरत नहीं है। कभी-कभी, न्यूट्रल टोन में की गई नफ़ासत भरी चमक ही सबसे ज़ोर से बोलती है।

तारा सुतारियाः तारा सुतारिया ने सिल्वर होलोग्राफिक सीक्विन वाली साड़ी में शुद्ध आनंद और चमक बिखेरी, जो उनके हर कदम के साथ चमक रही थी। उनकी मुस्कुराहट और आत्मविश्वास भरी मौजूदगी, साथ ही मेटैलिक फैब्रिक की चमक ने पूरे लुक को जीवंत बना दिया। मिनिमल एक्सेसरीज़ और मॉडर्न ड्रेपिंग ने साड़ी की पूरी चमक को उजागर करते हैं, जैसे तारा ने खुद कहा हो, कभी-कभी सबसे अच्छा स्टाइल यही होता है कि चमक को खुद बोलने दो।

ये पाँच शानदार लुक साबित करते हैं कि जब बात शिमरी साड़ियों की आती है, तो फैशन के नियमों को दरकिनार किया जा सकता है। चाहे मोनोक्रोम मेटैलिक हो, रेनबो ग्लो या क्लासिक शैम्पेन शिमर – इन दीवाज़ ने साबित कर दिया है कि आत्मविश्वास ही सबसे खूबसूरत एक्सेसरी है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ अक्सर कम ही ज़्यादा है का उपदेश दिया जाता है, ये अभिनेत्रियाँ ज़्यादा ही शानदार है के सिद्धांत को मजबूती से पेश कर रही हैं। और सच कहूँ तो, हम हर सीक्विन, हर शिमर और हर बेबाक ग्लैमर के पल से प्यार हैं। क्योंकि अगर आप सिर से पाँव तक चमकीली साड़ी में नहीं चमक सकतीं, तो कब चमक सकती हैं?

कार्तिक, अभिषेक को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, आलिया भट्ट को मिला सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर अवॉर्ड

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और अभिषेक बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और आलिया भट्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

शनिवार की रात 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड का आयोजन अहमदाबाद में हुआ। इस अवॉर्ड को शाहरुख खान, करण जौहर और मनीष पॉल ने मिलकर होस्ट किया। फिल्मफेयर अवॉर्ड इवेंट में सबसे ज्यादा जलवा 'लापता लेडीज' का रहा। फिल्म ने कई अवॉर्ड अपने नाम किए। कार्तिक आर्यन और अभिषेक बच्चन को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया है।फिल्म चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन और 'आई वॉन्ट टू टॉक' के लिए अभिषेक बच्चन को यह अवॉर्ड मिला।आलिया भट्ट को फिल्म 'जिगरा' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्फेयर अवार्ड दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का क्रिटिक्स अवार्ड्स राजकुमार राव को फिल्म श्रीकांत जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का क्रिटिक्स अवार्ड प्रतिभा रांटा को फिल्म लापता लेडीज के लिये दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार रवि किशन को फिल्म लापता लेडीज के लिये दिया गया। इसी फिल्म के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरसकर छाया कदम को मिला।सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार लापता लेडीज को मिला। इसी फिल्म के लिये किरण राव को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार दिया गया।सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ फिल्म (क्रिटिक्स') का पुरस्कार आई वांट टू टॉक के लिये शूजीत सरकार को मिला। सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेता का पुरस्कार लक्ष्य को फिल्म किल के लिये दिया गया। वहीं सर्वश्रेष्ठ डेब्यू महिला अभिनेत्री का पुरस्कार नितंशी गोयल को फिल्म लापता लेडीज के लिये दिया गया।सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशक का पुरस्कार कुणाल खेमू को मडगांव एक्सप्रेस और आदित्य सुहास जांभले को आर्टिकल 370 के लिये दिया गया।

कार्तिक आर्यन बने सच्चे चैंपियन! चंदू चैंपियन के लिए जीता अपना पहला फिल्म फेयर बेस्ट एक्टर ट्रॉफी

कार्तिक आर्यन, भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं और हाल ही में उन्होंने अब आधिकारिक रूप से फ़िल्मफ़ेयर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है! सुपरस्टार ने कबीर ख़ान निर्देशित फ़िल्म 'चंदू चैंपियन' में अपने दमदार और रूपांतरकारी प्रदर्शन के लिए अपना पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह पल किसी जादू से कम नहीं था, लेकिन सच पूछिए तो उनके लिए यह सालों की मेहनत, अनुशासन और अटूट विश्वास का परिणाम था। 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक ने सिर्फ़ एक किरदार नहीं निभाया, बल्कि भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जिया और उनकी हर शारीरिक और भावनात्मक सीमा को पार करते हुए इस किरदार को सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा। सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा, चैंपियन गिरता है पर रुकता नहीं। कुछ पल सपने जैसे लगते हैं और यह उनमें से एक था। मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड 'चंदू चैंपियन' के लिए। टीवी पर सिर्फ़ 'ब्लैक लेडी' को देखा करता था, और आज उसे हाथों में थामना यह उन सब सपने देखने वालों के लिए है जो कभी हार नहीं मानते।

कार्तिक ने अपने निर्देशक कबीर ख़ान के प्रति भी गहरी कृतज्ञता जताई, उन्हें सच्चाई, भावना और ताकत से भरे फ़िल्ममेकर बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ़ निर्देशन नहीं किया, बल्कि उन्हें एक कलाकार के रूप में बदल दिया। उन्होंने निर्माताओं साजिद नाडियाडवाला और वर्धा ख़ान नाडियाडवाला को भी उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सुदीप चटर्जी को हर फ्रेम में भावना भरने के लिए और प्रीतम को फ़िल्म में आत्मिक संगीत देने के लिए शुक्रिया कहा।

सबसे भावुक पल तब आया जब कार्तिक ने यह अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित किया, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा आज भी लाखों लोगों को आगे बढ़ने की ताकत देती है। 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक ने एक ऐसा रूप दिखाया, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा था और यह रूप था कोमल लेकिन जज़्बे से भरा, भावनात्मक लेकिन अडिग।

इस फ़िल्म ने उनके करियर में एक मील का पत्थर जोड़ा और यह साबित किया कि वे न केवल एक स्टार हैं, बल्कि एक ऐसे कलाकार हैं जो दर्शकों के दिलों तक पहुँचना जानते हैं। जब कार्तिक ने हाथों में प्रतिष्ठित 'ब्लैक लेडी' थामी, वह सिर्फ़ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि मेहनत, जुनून और पूरे हुए सपनों का प्रतीक थी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ, कार्तिक आर्यन ने यह साबित कर दिया है कि वे अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। साथ ही वे उन तमाम सपने देखने वालों के लिए प्रेरणा हैं, जो असंभव को संभव करने का हौसला रखते हैं। फिलहाल वे जल्द ही करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली रोमांटिक कॉमेडी 'तू मेरा मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी' में नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनकी आनेवाली फिल्मों में अनुराग बसु की एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी और बहुप्रतीक्षित फ़िल्म नागज़िला भी शामिल है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अक्टूबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:26 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 12:27 तक
योग : परिघ प्रातः 08:09 तक
करण : बव दोपहर 12:26 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:55 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:01 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– अहोई अष्टमी व्रत , कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में एचआईवी और एड्स नियंत्रण के लिए नए नियम लागू, लोकपाल नियुक्ति का प्रावधान

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 की धारा 49 की उपधारा (1) के अंतर्गत राज्य नियमों के निर्माण को मंजूरी दी गई। नए नियमों को हरियाणा मानव इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम नियम, 2025 कहा जाएगा। इन नियमों के अंतर्गत, राज्य सरकार अपने छह प्रशासनिक प्रभागों के आयुक्तों को लोकपाल के रूप में कार्य करने के लिए नामित करेगी। अधिनियम की धारा 23 में उल्लिखित उनकी भूमिका एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों की शिकायतों का निपटारा करना है। प्रत्येक लोकपाल अपने–अपने प्रभागों–रोहतक, हिसार, करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और अंबाला–में कार्य करेगा और संबंधित जिले के सिविल सर्जन द्वारा समर्थित होगा।

राज्य सरकार नैदानिक सुविधाओं को मजबूत करने और संक्रमणों, अर्थात् ऐसे संक्रमण जो प्रतिरक्षा को कम कर सकते हैं, के प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करेगी।यह उप–स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, नागरिक अस्पतालों, जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज अस्पतालों सहित सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क नैदानिक सेवाएँ प्रदान करेगी।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार, एआरटी केंद्रों, सुविधा–एकीकृत एआरटी (एफआईएआरटी) केंद्रों और लिंक एआरटी (एलएआरटी) केंद्रों पर सभी एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को निःशुल्क एंटी–रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) दवाएं उपलब्ध कराई जाएँगी। सरकार एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों को नैदानिक और उपचार सेवाएँ प्रदान करने में निजी चिकित्सा क्षेत्र को भी सक्रिय रूप से शामिल करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सेवाएँ बिना किसी भेदभाव के प्रदान की जाएँ। निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया जाएगा कि वे सभी एचआईवी पॉजिटिव मामलों की सूचना निकटतम एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र या सरकारी अस्पताल को आगे के प्रबंधन और उपचार के लिए दें, साथ ही निजता के अधिकार सहित व्यक्तियों के मानवाधिकारों का भी कड़ाई से पालन करें।

इसके अतिरिक्त, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप, सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में संक्रमणों के निदान और उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया जाएगा।

आरटीआई पर हमले से बढ़ा भ्रष्टाचार, खत्म हुई सरकारी कामकाज की पारदर्शिता : हुड्डा

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज सूचना का अधिकार अधिनियम की 20वीं वर्षगांठ पर महत्वपूर्ण बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि यह कानून देश के आम नागरिकों को सशक्त बनाने का एक मजबूत हथियार था। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार और सोनिया गांधी की दूरदर्शिता ने 12 अक्टूबर 2005 को इस कानून को लागू कर देश में पारदर्शिता और जवाबदेही की नई मिसाल कायम की थी।

लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आने के बाद से लगातार संशोधन कर, इस कानून को कमजोर करके, आम नागरिक को इस सशक्त अधिकार से वंचित करने का काम किया है। हुड्डा ने बतायाकि यह कानून यूपीए के उस एजेंडे का हिस्सा था, जिसमें मनरेगा, शिक्षा का अधिकार, वन अधिकार अधिनियम, और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा जैसे जनहितकारी कदम शामिल थे। ठढख ने आम लोगों, खासकर समाज के सबसे कमजोर तबके को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी आवाज उठाने का हक दिया। लेकिन 2014 के बाद से बीजेपी द्वारा आरटीआई को लगातार कमजोर किया जा रहा है, जिससे देश की पारदर्शिता और लोकतंत्र पर गहरा असर पड़ा है। केंद्र और राज्य आयोगों में खाली पदों को पारदर्शी और जल्दी भरा जाए। आयोगों के लिए कामकाज के मानक तय हों और मामलों के निपटारे की रिपोर्ट सार्वजनिक हो। व्हिसलब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट को तुरंत लागू कर आरटीआई कार्यकर्ताओं को सुरक्षा दी जाए।

पूरन कुमार केस की जांच में ढिलाई बरतकर सरकार परिवार के साथ कर रही बेइंसाफी : अजय चौटाला

चंडीगढ़, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा व पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने स्वर्गीय आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार से मुलाकात की। रविवार को जेजेपी नेताओं ने चंडीगढ़ में वाई पूरन कुमार की धर्मपत्नी आईएएस अमनीत पी कुमार से मुलाकात कर पार्टी की तरफ से गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। पत्रकारों से रूबरू होते हुए डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि इस गंभीर मामले में निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच हो और दोषियों को सख्त से सख्त से सजा मिले, इसमें चाहे कोई भी कितने बड़े पद पर बैठा क्यों ना हों। अजय चौटाला ने कहा कि इस मामले में जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो रखी है, उनपर सरकार को तुरंत एक्शन लेना चाहिए। उन्होंने सरकार की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार की मुख्य मांग है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, लेकिन इस पर सरकार ने अब तक कोई कार्रवाई क्यूं नहीं की? डॉ चौटाला ने आगे कहा कि सरकार द्वारा गिरफ्तार करने की बात तो दूर, अब तक तो आरोपियों के बयान ही दर्ज नहीं करवाए गए है यानी कि उन्हें जांच का हिस्सा ही नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी और क्या बेइंसाफी परिवार के साथ होगी। जेजेपी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि वाई पूरन कुमार बेहद काबिल ऑफिसर थे, लेकिन आज भी सामाजिक कुरीतियों का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, ऐसा नहीं होना चाहिए।

सोनीपत में तेज रफ्तार कार रोड रोलर से टकराई

कांग्रेस नेता के पुत्र समेत 4 की मौत

सोनीपत, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू–कटरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार मध्यरात्रि भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। हादसा सोनीपत के गोहाना क्षेत्र में रूखी टोल टैक्स के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार सड़क निर्माण कार्य में लगे रोड रोलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान तीनों ने भी दम तोड़ दिया। हादसे की खबर से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। चारों युवक हरियाणा के रोहतक जिले के गांव घिलौड़ के रहने वाले थे। हादसे में जान गंवाने वालों में अंकित, लोकेश, दीपांकर और सोमबीर शामिल हैं। इनमें से एक, सोमबीर, रोहतक ग्रामीण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलवान रंगा का बेटा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात के समय विजिबिलिटी कम थी और हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण रोड रोलर सड़क पर खड़ा था। तेज रफ्तार में आ रही कार सीधी जाकर रोड रोलर से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से क्षतिग्रस्त कार से एक शव और तीन घायलों को निकाला। घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी और संभवतः चालक को आगे खड़े रोड रोलर का अंदाजा नहीं लग पाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माणाधीन सड़क पर रात के समय उचित संकेत और बैरिकेडिंग नहीं थी, जिससे इस तरह का हादसा हुआ।

हरसोली कस्बे में मिठाई के दुकानों पर कार्रवाई

खैरथल–तिजारा, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर किशोर कुमार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अरविंद गेट के दिशा निर्देश में जिला खैरथल खाद सुरक्षा विभाग ने हरसोली बस स्टैंड और कस्बे में खाद्य प्रतिष्ठानों पर दिवाली का त्यौहार को देखते हुए खाद्य पदार्थों की जांच और साफ सफाई का जायजा लिया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार ने बताया कि हरसोली में कार्रवाई करते हुए मैसर्स प्रभातीलाल सैनी मिष्ठान भंडार ईश्वरी लाल पुत्र पूरन सिंह के यहां से बर्फी मावा मिठाई,मैसर्स श्री राधा रानी मिष्ठान भंडार राकेश कुमार सैनी पुत्र बाबूलाल सैनी से बेसन लड्डू, संगम मिष्ठान भंडार राजेश सैनी पुत्र सांवरिया सैनी से बर्फी मावा मिठाई,मैसर्स प्रभाती लाल दयाराम मिष्ठान भंडार दयाराम सैनी पुत्र रूपचंद से बर्फी खोया मिठाई का लीगल सैंपल लिया गया जिनको विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला में भेजा गया है। किसी भी तरह की खाद्य सामग्री का लैब टेस्ट में सब स्टैंडर्ड आने पर 5 लाख तक के जुर्माना, और असुरक्षित आने पर 6 महीने का कारावास और 5 लाख तक का जुर्माना विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

जिला अध्यक्ष का चयन कार्यकर्ताओं की राय से ही हो, प्रभाव का इस्तेमाल अनुचित : अशोक गहलोत

जयपुर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म द के माध्यम से कहा कि सृजन अभियान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक अभिनव और लोकतांत्रिक प्रयोग है, जिसके तहत जिले के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं की राय लेकर जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर किसी विशेष नेता के पक्ष में प्रस्ताव पारित करने या किसी वरिष्ठ नेता को जिला अध्यक्ष चुनने के लिए अधिकृत करने जैसी खबरें सामने आई हैं, जो उचित नहीं हैं। अशोक गहलोत ने स्पष्ट किया कि किसी भी वरिष्ठ नेता द्वारा प्रभाव का इस्तेमाल करना या कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्ताव पारित करना हाईकमान की भावना के अनुरूप नहीं है।

इस अभियान का मूल उद्देश्य यह है कि पर्यवेक्षक मंडल सभी कार्यकर्ताओं से चर्चा कर ज़िला अध्यक्ष का चयन करे, ताकि हर कार्यकर्ता की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

सीकर में महिला ने चार बच्चों के साथ की आत्महत्या

सीकर, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार को एक ऐसी दर्दनाक घटना की जानकारी मिली, जिसने पूरे शहर को हिला दिया। पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतकों में एक महिला और उसके चार मासूम बच्चे शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़कर जब अंदर प्रवेश किया, तो चारों ओर दुर्गंध और भयावह दृश्य था। पुलिस को फ्लैट में महिला और चार बच्चों के शव मिले।

पुलिस की जांच में यह सामने आया कि मृतका का नाम किरण उर्फ पिंकी चौधरी है, जिसने अपने चार बच्चों के साथ जहर खाकर आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि महिला का अपने पति से कुछ समय से अनबन चल रही थी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यही आत्महत्या की मुख्य वजह मानी जा रही है।

पड़ोसियों की मानें तो, यह परिवार पिछले कई दिनों से घर के बाहर दिखाई नहीं दे रहा था। जब फ्लैट से दुर्गंध आने लगी, तो बिल्डिंग में रहने वाले अन्य लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर जब पुलिस पहुंची और दरवाजा खोला, तो अंदर सभी के शव मिले।

सीकर ग्रामीण सीओ सुरेश शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि हमें अनिरुद्ध रेजिडेंसी से सूचना मिली कि एक फ्लैट से बदबू आ रही है।

दरवाजा लंबे समय से बंद था। जब टीम मौके पर पहुंची, तो अंदर महिला और चार बच्चों के शव मिले। एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया है और जांच जारी है।

फ्लैट के अंदर फैली दुर्गंध के कारण पुलिस को अंदर प्रवेश करने में भी कठिनाई हुई। टीम ने इत्र और अगरबत्ती का प्रयोग कर कमरे में प्रवेश किया। प्रारंभिक जांच में यह साफ हुआ कि महिला ने पहले अपने बच्चों को जहर दिया और फिर खुद भी जहर खा लिया।

राजस्थान विद्यापीठ में दो दिवसीय अखिल भारतीय लेखांकन सम्मेलन के महाकुंभ का हुआ आगाज

उदयपुर।, 12 अक्टूबर (एजेंसियां)। लेखा शिक्षा और अनुसंधान एक–दूसरे के पूरक हैं। अनुसंधान के माध्यम से प्राप्त नवीन तथ्यों और ज्ञान को शिक्षा में समाहित करने से शैक्षिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि वे ऐसे संस्कार मंदिर हैं, जहाँ भावी पीढ़ी में कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता और मानवीय मूल्यों का बीजारोपण किया जाता है।

ये विचार रविवार को भारतीय लेखांकन परिषद उदयपुर शाखा एवं राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय ऑल इंडिया अकाउंटिंग कॉन्फ्रेंस एंड इंटरनेशनल सेमिनार के शुभारंभ के अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ किसनराव बागडे ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

महामहिम ने कहा कि समय की ऑडिट करना भी आवश्यक है समय का सर्वोत्तम उपयोग ही जीवन की सफलता का आधार बनता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने शब्दों और वाणी को अपनी सबसे बड़ी संपत्ति समझें, क्योंकि उनका प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक होता है। प्राचीन भारतीय चिंतन परंपरा का उल्लेख करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र को रेखांकित किया और कहा कि राजकीय कोष एवं व्यय प्रणाली में पारदर्शिता, राष्ट्रहित और नैतिक मूल्यों को आधार बनाकर लेखा कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विचारों की परिपक्वता, सादगी और सत्य के प्रति साहस ये तीनों गुण मिलकर एक सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। बागडे ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे लेखांकन और वाणिज्य शिक्षा में पारदर्शिता तथा नवाचार को अपनाएं, और अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखांकन के नए आयामों को राष्ट्र निर्माण से जोड़ें।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे को एनसीसी केडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा, संस्थापक मनीषी जनार्दनराय नागर एवं कवि राव मोहन सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर किया। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने मेवाड़ के वीर एवं प्रेरणा स्रोत महापुरुषों महाराणा प्रताप, मीरा बाई, पन्ना धाय, हाड़ी रानी और भामाशाह को नमन करते हुए कहा कि इन विभूतियों की त्याग, वीरता और लोकसेवा की भावना आज भी समाज के लिए दिशा–प्रदर्शक है।सारंगदेवोत ने अपने स्वागत संबोधन में राज्यपाल बागडे की नीतियों को प्रेरणास्पद बताते हुए कहा कि उनकी नीति और धर्म–नीति समाज के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने दो दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह आयोजन भारतीय वैदिक काल से लेकर वर्तमान समय तक की नीतियों, धर्म और मानवीय सामाजिक मूल्यों को केंद्र में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और लेखांकन की नवीनतम तकनीकें न केवल भारत की आर्थिक संरचना को सुदृढ़ बना रही हैं, बल्कि भारत को विश्व पटल पर एक उभरती हुई व्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित भी कर रही हैं।

बिहार चुनाव से पहले लालू-तेजस्वी को बड़ा झटका

नवादा और रजौली के विधायकों ने दिया इस्तीफा

पटना/ नवादा (एजेंसियां)।
बिहार चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को बड़ा झटका दिया है। राजद विधायक संगीता कुमारी, भरत बिंद, चेतन आनंद के बाद अब दो और विधायकों ने भी अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव को सौंप दिया है। नवादा से विधायक विभा देवी और रजौली (सुरक्षित) से विधायक प्रकाश वीर ने अपना इस्तीफा दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से यह लोग राजद के शीर्ष नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। इन दोनों विधायकों की मौजूदगी ने तब और भी ज्यादा सियासी सरगर्मी बढ़ा दी, जब वह गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के मंच पर दिखाई दिए। मंच साझा करने के साथ ही इन दोनों नेताओं के राजद से नाता तोड़ने की अटकलों पर मुहर लग गई थी।

इधर, इस्तीफा देने के बाद प्रकाश वीर ने बताया कि मैंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। तेजस्वी यादव एक बार नवादा यात्रा पर आए थे, लेकिन उन्होंने हमें आमंत्रित नहीं किया, इसलिए हम नहीं गए। वहां भीड़ में किसी ने चिल्लाकर कहा, 'तेजस्वी भैया, प्रकाश वीर को हटाओ'। इससे मेरी आत्म-सम्मान को ठेस पहुंची। अब राजद में लौटने का कोई सवाल ही नहीं है।

विभा देवी, पूर्व मंत्री और तीन बार के विधायक रहे पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजवल्लभ यादव की पत्नी हैं। उन्होंने 2020 में नवादा से राजद के टिकट पर जीत दर्ज की थी। लेकिन 2025 के लोकसभा चुनाव में पार्टी द्वारा श्रवण कुशवाहा को टिकट देने से वह और उनके समर्थक असंतुष्ट हो गए थे। आरोप है कि दोनों ने राजद प्रत्याशी का समर्थन नहीं किया, जिससे पार्टी नेतृत्व, खासकर तेजस्वी यादव, उनसे नाराज हो गए। इस बीच विभा देवी की भारतीय जनता पार्टी के साथ बढ़ती नजदीकी भी चर्चा में रही। अगस्त 2025 में गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में उनकी मंच पर मौजूदगी ने राजद में हड़कंप मचा दिया था। पार्टी से टिकट कटने की आशंका और एनडीए से पारिवारिक समीकरणों के चलते उन्होंने इस्तीफा दे दिया। अब वह नवादा सीट से भाजपा या जदयू के टिकट की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं।

पूर्व मंत्री राजवल्लभ यादव की पत्नी और नवादा सदर से राजद विभा देवी ने कहा कि तेजस्वी और उनके कुछ करीबी नेताओं द्वारा उनके और उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए गए। उनके सम्मानित परिवार की छवि को खराब करने की कोशिश की गई। विभा देवी ने कहा कि वह राजनीति में अपना सम्मान बेचकर नहीं आई हैं।

उन्होंने कभी घूस नहीं ली और न ही भ्रष्टाचार किया। विभा देवी ने आरोप लगाया कि जब सरकार बनाने-बिगाड़ने का खेल चल रहा था, तब तेजस्वी के साथ रहने वाले उनके कुछ करीबी नेताओं ने उनसे भारी धनराशि की मांग की थी। वह रकम नहीं दे सकीं। इसके बावजूद उन्होंने और विधायक प्रकाश वीर ने पार्टी नहीं छोड़ी। जबकि कई नेताओं ने उन्हें पाला बदलने का प्रलोभन दिया था। उन्होंने कहा कि यही उनकी गलती थी कि वह तेजस्वी को गलत काम के लिए पैसा नहीं दे सकीं।

वहीं रजौली के विधायक प्रकाश वीर, जो दलित समुदाय से आते हैं। वह 2015 में पहली बार विधायक बने थे और क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर सक्रिय रहे, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनता में उनके खिलाफ असंतोष बढ़ता गया। अगस्त में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें राजद कार्यकर्ता 'ओ तेजस्वी भैया... प्रकाश वीर को हटाना होगा' के नारे लगा रहे थे। उसी समय से उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें शुरू हो गई थीं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में नवादा सीट से राजद की विभा देवी ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को हराकर यह सीट अपने नाम की थी। वहीं रजौली (सुरक्षित) सीट से भी राजद के ही प्रकाश वीर ने जीत हासिल की थी। दोनों सीटों पर राजद को मजबूत दलित-पिछड़ा और अल्पसंख्यक समर्थन मिला था, जिससे एनडीए को कड़ी टक्कर मिली। इन दोनों सीटों पर राजद की जीत ने मगध क्षेत्र में पार्टी की स्थिति मजबूत की थी।

तालाब ने निगली तीन बहनों की जिंदगी, परिवार और गांव में मातम

छपरा (एजेंसियां)।
बिहार के छपरा में शनिवार की देर शाम एक बेहद दुखद घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। मामला सारण जिले के दिघवारा प्रखंड अंतर्गत रामदास चक गांव का है, जहां एक ही परिवार की तीन सगी बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक बच्चियों की पहचान गुंजन कुमारी (11), मंतुरानी कुमारी (9) और सपना कुमारी (7) के रूप में हुई है। घटना के समय चारों बहनें घर के पास स्थित पानी भरे गड्ढे नुमा तालाब के किनारे खेल रही थीं। खेल-खेल में चारों बहनें पानी में उतरीं और नहाने लगीं। इसी दौरान गहरे पानी में डुबकी लगाने की वजह से तीनों बहनें डूबने लगीं। छोटी बहन छाया कुमारी ने डर के मारे चीखना शुरू किया, जिसे सुनकर आस-पास के लोग दौड़े और किसी तरह उसे समय रहते बाहर निकाल लिया। लेकिन जब तक बाकी तीनों बच्चियों को बाहर निकाला गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सूचना मिलने के बाद स्थानीय दिघवारा थाना पुलिस अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा किया। उसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। सगी बहनों की डूबने से मौत की खबर जैसे ही गांव में फैली, पूरे इलाके में माहौल गमगीन हो गया। परिजन बच्चों के शवों से लिपटकर रोते-बिलखते नजर आए। पिता भुलेटन महतो और मां का रो-रोकर बुरा हाल था। उनका कहना था, इकमारी तीनों बेटियों की जान चली गई, घर सूना हो गया। हम कैसे इस पीड़ा को सहें? बची हुई बहन छाया कुमारी की आंखों में अभी भी डर साफ झलक रहा था। उसने बताया, हम चारों बहनें तालाब के पास खेल रही थीं। जब नहाने लगीं तो मैं गहरे पानी में चली गई और डर के मारे चीखने लगी। तभी लोग दौड़कर आए और मुझे बचा लिया। लेकिन मेरी तीनों बहनों को नहीं बचाया जा सका। अब मुझे पानी से डर लगता है। ग्रामीणों और परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों में खुले तालाबों और जलभराव वाले क्षेत्रों को सुरक्षित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

लालू-राबड़ी के साथ दिल्ली पहुंचे तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में इंडिया गठबंधन की सीट शेयरिंग फंसे पेंच को सुलझाने के राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके पुत्र तथा उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव रविवार को दिल्ली पहुंच गए। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह भी दिल्ली पहुंचे हैं। संभावना है कि तेजस्वी यादव आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात करेंगे। संभावना है कि इस बातचीत के दौरान इंडिया गठबंधन में शेयरिंग पर सारी उलझन सुलझ जाए। वहीं लालू और तेजस्वी यादव को कल यानी 13 अक्टूबर को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई लिए उपस्थित भी होना है। दोनों लैंड फॉर जॉब केस में कोर्ट में पेश होंगे।

इधर, पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों के सवाल पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कोई भी जवाब नहीं दिया। हालांकि, दिल्ली में जब पत्रकारों ने उनसे सीट बंटवारे को लेकर सवाल पूछा तो कहा कि बातचीत चल रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोगों ने कोर्ट ने बुलाया है, इसलिए आए हैं। वहीं सीट बंटवारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक है। कहीं कोई नाराज नहीं है। जल्द ही सीट बंटवारे की घोषणा कर दी जाएगी। मेरे द्वारा नौकरी देने की घोषणा पर सत्ता पक्ष के लोग परेशान हो रहे हैं। मगर मैंने जो कहा है वह करूंगा। जिस परिवार में सरकारी नौकरी नहीं है, उस परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी मिलेगी। 14 नवंबर के बाद से बिहार की जनता बेरोजगारी से मुक्ति पा लेगी।

वहीं पटना एयरपोर्ट पहुंचने से पहले जब लालू परिवार राबड़ी आवास से निकला तो राजद कार्यकर्ताओं ने राजद सुप्रीमो के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। हालांकि कुछ ऐसे भी लोग थे जो कि कुछ सीटों पर वर्तमान विधायकों को टिकट नहीं देने की मांग कर रहे थे। राजद सूत्रों की मानें तो करीब 80 से अधिक सीटें ऐसी हैं, जहां उम्मीदवारों का नाम राजद के शीर्ष नेतृत्व ने कर लिया है। तेजस्वी यादव इस बार खुद ही हर एक सीट पर उतारे गए उम्मीदवार की समीक्षा कर रहे हैं। टिकट उन्हीं को दिया जा रहा है जो मजबूती से राजद का झंडा उस विधानसभा में बुलंद कर हर हाल में जीत दिला सके। वहीं कुछ सीटों पर कांग्रेस अपने खाते में चाह रही है। इसलिए पेंच फंसा हुआ है।

जमुई में हाईवोल्टेज ड्रामा, 80 दिन बाद शादी कर लौटा युवक, पहली पत्नी ने थाने में मचाया हंगामा

जमुई (एजेंसियां)।
जमुई जिले के बरहट थाना क्षेत्र में शनिवार को एक अनोखी प्रेम कहानी ने हाईवोल्टेज ड्रामा का रूप ले लिया। मामला तब सामने आया जब एक विवाहित युवक 80 दिन बाद अपनी प्रेमिका से शादी कर घर लौट आया। दूसरी पत्नी को देखते ही उसकी पहली पत्नी आगबबूला हो गई और दोनों को लेकर थाने पहुंच गई। थाने में करीब तीन घंटे तक हंगामा चलता रहा।

बरहट निवासी राहुल कुमार (28) मोबाइल रिचार्ज का व्यवसाय करता है। उसकी शादी 21 जून 2021 को बांका जिले

के बेलहर साहिबगंज निवासी रेणु कुमारी (25) से हुई थी। राहुल और रेणु की एक तीन साल की बेटी भी है।

राहुल की मुलाकात वर्ष 2022 में जमुई रेलवे स्टेशन पर झारखंड के देवघर निवासी गीता कुमारी से हुई। गीता ने बताया कि उसका पहला पति रवि कुमार शराब के नशे में उससे मारपीट करता था, जिससे परेशान होकर वह अपने ससुराल को छोड़कर जमुई आ गई। राहुल ने गीता की मदद की और इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी।

मोबाइल पर घंटों बातचीत के दौरान राहुल और गीता के बीच प्रेम संबंध विकसित हो गए। करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद, दोनों 80 दिन पहले घर से भाग गए और शादी कर ली। इस दौरान दोनों ने दार्जिलिंग, जम्मू-कश्मीर सहित देश के कई हिस्सों की यात्रा भी की।

शनिवार रात राहुल अपनी दूसरी पत्नी गीता के साथ बरहट स्थित घर पहुंचे। पहली पत्नी रेणु कुमारी ने उन्हें देखते ही हंगामा शुरू कर दिया और दोनों को पकड़कर बरहट थाने ले गई। थाने में दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई। गीता ने बताया कि शुरू में राहुल ने अपनी शादी की बात उसे नहीं बताई थी। जब सच्चाई पता चली तो वह देवघर लौट गई, लेकिन बाद में राहुल ने शादी का वादा किया और उसे साथ ले गया।

वहीं, पहली पत्नी रेणु कुमारी का आरोप है कि गीता ने उसके पति को अपने बस में कर लिया है और दोनों उससे 20 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। बरहट थानाध्यक्ष कुमार संजीव ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है। दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना की चर्चा पूरे इलाके में बनी हुई है।

ओवैसी की पार्टी इन 16 जिलों में उतारेगी उम्मीदवार, ईमान बोले-

तीसरा मोर्चा बनकर चुनाव लड़ेंगे

किशनगंज (एजेंसियां)।
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर 32 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। जहां अबतक 16 जिलों के 32 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान और राष्ट्रीय प्रवक्ता आदिल हुसैन ने की है। किशनगंज में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने कहा कि बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने बताया कि पार्टी ने धर्मनिरपेक्ष वोटों के बिखराव को रोकने के लिए राष्ट्रीय जनता दल को गठबंधन का प्रस्ताव भेजा था। लेकिन, राष्ट्रीय जनता दल द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकार न किए

जाने के बाद, एआईएमआईएम ने तीसरे मोर्चे के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि हम चुनाव किशनगंज के चार जिलों में लड़ने जा रहे हैं। इनमें किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, अररिया, गया, मोतिहारी, नवादा, जमुई, भागलपुर, सिवान, दरभंगा, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी, वैशाली और गोपालगंज जैसे कई जिलों की सीटें शामिल हैं। इन 32 सीटों में से 19 पर वर्तमान में महागठबंधन के विधायक हैं। अख्तरुल ईमान के कहा कि हमारा लक्ष्य 100 सीटों पर चुनाव लड़ने का है। एनडीए और महागठबंधन दोनों को हमारी मौजूदगी का अहसास होगा। उन्होंने कहा कि 2020 में महागठबंधन ने एआईएमआईएम पर धर्मनिरपेक्ष वोटों को बांटने का आरोप लगाया था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।

ईमान ने कहा कि मैंने खुद राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर गठबंधन की इच्छा जताई थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब हम अपने संगठन का विस्तार करेंगे और समान विचारधारा वाली पार्टियों से मिलकर तीसरे मोर्चे की संभावनाएं तलाश रहे हैं। कुछ दिनों में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। अख्तरुल इमान ने से कहा कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। 2020 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने बसपा और उपेंद्र कुशवाहा की तत्कालीन रालोसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। उस चुनाव में पार्टी ने पांच सीटें जीती थीं और कई अन्य सीटों पर राजद-कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया था।

तेज प्रताप यादव ने छोटे भाई तेजस्वी को किया अनफॉलो, आज उतारेंगे अपने प्रत्याशी

पटना (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के बड़े बेटे व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव फिर से चर्चा में हैं। इस बार कारण हैं तेजस्वी यादव। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स से अनफॉलो कर दिया है। अब उनकी फॉलोइंग लिस्ट में अब केवल पांच लोगों के नाम हैं। इनमें तीन परिवार से हैं। तेज प्रताप यादव फिलहाल पिता लालू यादव, मां राबड़ी देवी और एक बहन राज लक्ष्मी यादव को फॉलो कर रहे हैं। इससे पहले पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव अपनी बड़ी बहन मीसा यादव और हेमा यादव को भी अन फॉलो कर चुके हैं।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि जब से लालू प्रसाद यादव ने उन्हें परिवार और पार्टी से निष्कासित किया है, तब से वह लगातार अपने परिवार से दूरी बनाते जा रहे हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे बयान सामने आए, जिससे साफ लगता है कि वह अपने छोटे भाई को निशाना बना रहे हैं। गुरुवार को तेजस्वी यादव ने जब हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का एलान किया तो तेज प्रताप यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कह था कि पहले राजद की सरकार बने तो। बता दें कि जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) आज बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेगी। पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व नेता तेज प्रताप यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी।

इस मौके पर तेज प्रताप ने कहा कि मैं 13 अक्टूबर को अपने उम्मीदवारों की घोषणा करूंगा। परसों जोरदार एलान होगा। मैं महुआ से चुनाव लड़ूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे अन्य पार्टियों से बातचीत कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि सब लोग मुझसे मिलने आ रहे हैं। बता दें कि राजद से निष्कासन के बाद तेज प्रताप यादव ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) की स्थापना की। वर्तमान में महुआ विधानसभा सीट राजद के नेता मुकेश कुमार रौशन के पास है, और इसी सीट से तेज प्रताप यादव चुनाव मैदान में उतरने वाले हैं।

सीएसपी केंद्र संचालक से 5 लाख की लूट, घर के पास ही हुई वारदात, इलाके में मची सनसनी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर में बाइक सवार बेखौफ लुटेरों ने हथियार के बल पर एक बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया। लुटेरों ने सीएसपी केंद्र के संचालक से 5 लाख की लूट की और हल्ला करने पर फायरिंग की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। यह घटना जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के जगदीशपुरी मुहल्ले में देर रात हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई।पीड़ित चंद्रेश कुमार जैन ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के इस्लामपुर रोड में उनके बेटे की पीएनबी की सीएसपी केंद्र है। हर दिन का कलेक्शन लेकर रात में घर लौटते हैं। घटना के दिन भी वे अपनी स्कूटी से लौट रहे थे।इसी दौरान घर के पास की गली के मोड़ पर बाइक पर सवार दो बदमाश आए और कहा, डब्बा लाओ, नहीं दोगे तो गोली मार देंगे। इसके बाद बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। फिर एक और बाइक पर आए लुटेरों ने रुपयों का बैग और घर के लिए लाए सामान लेकर फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और पूछताछ की।

पूरे मामले में एसडीपीओ टाउन वन सुरेश कुमार ने बताया कि घटना देर रात करीब 10 बजे हुई। सीएसपी केंद्र के संचालक अपने कलेक्शन को लेकर घर लौट रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। पुलिस अब अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

अनंत सिंह ने जनता को नॉमिनेशन में आने का दिया न्योता, कहा-

सीएम नीतीश की पार्टी से चुनाव लड़ने जा रहा

पटना (एजेंसियां)।
जनता दल यूनाइटेड ने अपने उम्मीदवारों की औपचारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन, मोकामा के पूर्व विधायक और बाहुबली अनंत सिंह ने खुद को जदयू का उम्मीदवार बता दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने नॉमिनेशन की तारीख की घोषणा भी कर दी और जनता को इसमें शामिल होने का न्योता भी दे दिया। रविवार को अनंत सिंह समर्थकों ने फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया। उनके समर्थन में नारेबाजी की। इधर, पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मैं घूम-घूमकर जनता को बोल रहा है कि 14 अक्टूबर को नॉमिनेशन करूंगा। आप सभी इसमें शामिल होकर आशीर्वाद दीजिए।नॉमिनेशन के बाद भोज की व्यवस्था की गई है और जनता के साथ मोकामा विधानसभा के लिए रोड शो किया जाएगा। किस पार्टी से चुनाव

लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं सीएम नीतीश कुमार की पार्टी से चुनाव लड़ने जा रहा हूं।

बता दें कि विधानसभा चुनाव में मोकामा को हॉट सीट माना जाता है। कारण है मोकामा विधानसभा से अनंत सिंह का चुनाव लड़ना। लेकिन, इस बार खास बात यह है कि अनंत सिंह के सामने पूर्व सांसद और बाहुबली सूरजभान सिंह होंगे। सूरजभान सिंह अपनी पत्नी बीना देवी चुनावी मैदान में उतारने जा रहे हैं। चर्चा है कि राजद के टिकट से वह अपनी पत्नी को चुनावी मैदान में उतारेंगे है।

वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल के टिकट से चुनाव लड़ने की सूरजभान सिंह की पत्नी बीना देवी की चर्चा तो चल रही है लेकिन अभी टिकट नहीं मिलने की वजह से वीणा देवी ने चुनावी कैंपेनिंग शुरू नहीं की है लेकिन मोकामा विधानसभा में चुनावी बयार बह चुकी है। दो बाहुबलियों के आमने-सामने आने की चर्चा से मोकामा का सियासी पड़ा गर्म हो चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com